अमित शाह का दावा, भाजपा पहले चरण की 110 सीटें जीतेगी
- 12

अनिश्चितता से घिरे शेयर बाजार में फिर बड़ी गिरावट, सेंसेक्स 1,000 अंक टूटा
- 12

इच्छा के विरुद्ध गर्भावस्था के लिए नाबालिग को बाध्य नहीं कर सकते : सुप्रीम
- 13

दिग्गज तेंदुलकर ने घर पर प्रशंसकों के साथ मनाया 53वां जन्मदिन
- 14

आज का मौसम

38.0° अधिकतम तापमान

25.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 05.36 सूर्यास्त 06.44

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| हल्द्वानी |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

बैशाख शुक्ल पक्ष नवमी 06:28 उपरांत दशमी विक्रम संवत 2083

शनिवार, 25 अप्रैल 2026, वर्ष 6, अंक 59, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

आप के केजरी की ढही 'वॉल'

राघव चड्ढा, मालिवाल समेत सात राज्यसभा सांसद आप का दामन छोड़ भाजपा में शामिल | चड्ढा बोले- जिस पार्टी को उन्होंने खून-पसीने से सींचा वह अपने सिद्धांतों से पूरी तरह भटकी

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली में सत्ता गंवाने के बमुश्किल एक साल बाद शुक्रवार को आम आदमी पार्टी (आप) को तब सबसे बड़ा झटका लगा जब राघव चड्ढा समेत उसके सात राज्यसभा सदस्यों ने पार्टी छोड़ दी। चड्ढा के अलावा 'आप' से इस्तीफा देने वाले अन्य राज्यसभा सदस्यों में संदीप पाठक, पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह, स्वाति मालीवाल, अशोक मित्तल, राजेंद्र गुप्ता और विक्रम साहनी शामिल हैं।

उन्होंने कहा, आप, जिसे मैंने अपने खून-पसीने से सींचा और जिसे मैंने अपनी जवानी के 15 साल दिए, वह अपने सिद्धांतों, मूल्यों और मूल नैतिक मूल्यों से पूरी तरह भटक गई है। हाल ही में चड्ढा को राज्यसभा में आम आदमी पार्टी के उपनेता पद से हटा दिया गया था और उनकी जगह मित्तल को नियुक्त किया गया था।

उन्होंने कहा, राज्यसभा में आम आदमी पार्टी के 10 सदस्य हैं। इनमें से दो-तिहाई से अधिक सांसद इस पहल में हमारे साथ हैं। चड्ढा ने कहा, उन्होंने पहले ही हस्ताक्षर कर दिए हैं, और शुक्रवार सुबह हमने राज्यसभा के सभापति को हस्ताक्षरित पत्रों एवं अन्य औपचारिक दस्तावेज सहित सभी आवश्यक कागजात सौंप दिए हैं। अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी पर निशाना साधते हुए चड्ढा ने कहा कि पार्टी अब देश के लिए नहीं, बल्कि अपने ही फायदे के लिए काम कर रही है। चड्ढा ने कहा, पिछले कुछ वर्षों में, मुझे यह महसूस होने लगा है कि मैं गलत पार्टी में सही व्यक्ति हूं। आज, मैं आप से अलग होने और जनता के साथ अधिक निकटता से काम करने के अपने निर्णय की घोषणा करता हूं। इस दौरान राज्यसभा सदस्य संदीप पाठक ने कहा कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि ऐसी स्थिति उत्पन्न होगी, लेकिन ऐसा हो गया है।

पाठक ने कहा, मैं दस साल तक इस पार्टी से जुड़ा रहा। और आज मैं आम आदमी पार्टी से अलग हो रहा हूं।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ राघव चड्ढा

इन सांसदों ने छोड़ा आम आदमी पार्टी का साथ

संदीप पाठक

अशोक मित्तल

हरभजन सिंह

विक्रजीत साहनी

राजिंदर गुप्ता

स्वाती मालिवाल

भाजपा बोली- भ्रष्ट आम आदमी पार्टी पर कोई भरोसा नहीं करता

नई दिल्ली। भाजपा ने शुक्रवार को कहा कि राघव चड्ढा और संदीप पाठक सहित आम आदमी पार्टी (आप) के सात राज्यसभा सदस्यों के इस्तीफा देने और भाजपा में शामिल होने की घोषणा के बाद आप पूरी तरह से बिखर गई है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, भ्रष्ट आम आदमी पार्टी पर कोई भरोसा नहीं करता। यह पार्टी, जिसने खुद को एक अलग तरह की पार्टी होने का दावा करते हुए शुरुआत की थी, भ्रष्टाचार का अड्डा बन गई है। पार्टी के आईटी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने 'एक्स' पर कहा, आम आदमी पार्टी पूरी तरह से बिखर गई है। इसका टूटना अब अटकलबाजी नहीं रही, बल्कि यह वास्तविक रूप से हो रहा है। चड्ढा और पाठक ने शुक्रवार को घोषणा की कि वे आप के पांच अन्य सांसदों के साथ भाजपा में शामिल हो रहे हैं। चड्ढा ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि आप के राज्यसभा के 10 में से 7 सदस्य भाजपा में शामिल हो रहे हैं। संविधान के अनुसार, किसी पार्टी के कुल सांसदों में से दो-तिहाई सांसद दूसरी पार्टी में विलय कर सकते हैं। हमने इस संबंध में आज राज्यसभा के सभापति सी पी राधाकृष्णन को सभी आवश्यक दस्तावेजों के साथ एक पत्र सौंपा है।

केजरीवाल ने कहा-भाजपा ने पंजाब के साथ धोखा किया

नई दिल्ली। आप के सात राज्यसभा सदस्यों के पार्टी छोड़ने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री एवं राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बृहस्पतिवार को कहा कि भाजपा ने एक बार फिर पंजाब की जनता के साथ धोखा किया है। केजरीवाल ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, भाजपा ने एक बार फिर पंजाबियों के साथ धोखा किया है।

विपक्ष ने नारी शक्ति का अधिकार छीनकर देश के साथ महापाप किया

प्रमुख संवाददाता, देहरादून

- परेड ग्राउंड में महिला जन आक्रोश रैली में विपक्षी दलों पर बरसे मुख्यमंत्री धामी
- कहा- इस षड्यंत्र और घोर अन्याय के खिलाफ देश की नारी अवश्य आवाज उठाएगी

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को विपक्षी दलों पर तीखा हमला बोला। कहा कि, विपक्ष ने षड्यंत्र करके नारी शक्ति का अधिकार छीनने का काम किया है। देश की नारी इस घोर अन्याय के विरुद्ध अवश्य आवाज उठाएगी क्योंकि अब नारी अपने अधिकारों के प्रति सजग हो चुकी है।

शुक्रवार को राजधानी के परेड ग्राउंड में महिला जन आक्रोश रैली को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, टीएमसी, डीएमके सहित सभी विपक्षी दलों को आड़े हाथों लिया। कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मातृशक्ति को देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था में उनका अधिकार दिलाने के लिए नारी शक्ति वंदन अधिनियम लाया गया था परंतु लोकसभा में संख्या बल के कारण बिल पारित नहीं हो पाया। प्रधानमंत्री द्वारा देश की आधी आबादी को उसका हक दिलाने के प्रयास को लोकसभा में विपक्ष ने विफल करके देश के साथ महापाप किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने मातृशक्ति को नए भारत के निर्माण का आधार माना है। महिलाओं को सशक्त, सक्षम और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कई ऐतिहासिक कार्य किए गए हैं। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान, उज्ज्वला योजना, एवं जन-धन योजना द्वारा करोड़ों बहनों को बैंकिंग प्रणाली से जोड़ा। इसके साथ ही, स्टार्टअप योजना के माध्यम से लाखों महिलाओं को सशक्त बनाने, लखपति दीदी योजना द्वारा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और ट्रिपल तलाक जैसी कुप्रथा को समाप्त कर महिलाओं को आगे बढ़ने का काम किया गया है। मुख्यमंत्री धामी ने आगे कहा कि, प्रधानमंत्री की प्रेरणा से देश के प्रत्येक क्षेत्र में महिलाएं आगे आ रही हैं। आदिवासी समाज की बेटी, देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद तक पहुंची हैं। केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण को वित्त मंत्रालय जैसा महत्वपूर्ण मंत्रालय दिया गया है। राज्य सरकार भी मातृशक्ति के कल्याण के लिए समर्पित होकर कार्य कर रही है। राज्य में महिलाओं के कल्याण एवं सशक्तिकरण के लिए सरकारी सेवाओं में 30 प्रतिशत आरक्षण लागू किया गया है।

महिलाओं की सुरक्षा और उनके अधिकारों की रक्षा हेतु राज्य में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को लागू किया गया है। इसके साथ ही, राज्य में ग्रामीण आजीविका मिशन, सशक्त बहना उत्सव योजना और मुख्यमंत्री महिला स्वयं सहायता समूह सशक्तिकरण योजना के माध्यम से महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ा जा रहा है। प्रदेश में अब तक 2 लाख 65 हजार से अधिक महिलाएं 'लखपति दीदी' बन गई हैं।

ब्रीफ न्यूज

पेटीएम पेमेंट्स बैंक का बैंकिंग लाइसेंस रद्द

मुंबई। आरबीआई ने शुक्रवार को कहा कि उसने पेटीएम पेमेंट्स बैंक को जारी किया गया बैंकिंग लाइसेंस रद्द कर दिया है। बैंक के मामले इस तरह से संचालित किए जा रहे थे, जो बैंक और उसके जमाकर्ताओं के हित के लिए हानिकारक थे। आरबीआई ने कहा, बैंक के प्रबंधन का सामान्य चरित्र जमाकर्ताओं के हित के साथ ही सार्वजनिक हित के लिए भी प्रतिकूल है। इसके चलते पेटीएम पेमेंट्स बैंक को किसी भी बैंकिंग व्यवसाय के संचालन से प्रतिबंधित कर दिया गया है। आरबीआई ने यह भी कहा कि वह बैंक को बंद करने के लिए उच्च न्यायालय में एक आवेदन करेगा। पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड के पास बैंक के बंद होने पर अपनी पूरी जमा देनदारी चुकाने के लिए पर्याप्त नकदी उपलब्ध है।

राष्ट्र विरोधी गतिविधियों के आरोप में दो गिरफ्तार

बिजनौर। आपत्तिजनक सोशल मीडिया सामग्री और हथियारों के गैरकानूनी इस्तेमाल से जुड़ी राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में संलिप्त दो लोगों को बिजनौर से गिरफ्तार किया गया है। यह मामला 23 नवंबर, 2025 को इंस्टाग्राम पर प्रसारित एक वीडियो से संज्ञान में आया, जिसमें आकिब 'लाइव सत्र' के दौरान अन्य लोगों के साथ हथियार प्रदर्शित करते हुए दिखाई दे रहा था। बाद में यह वीडियो मीडिया प्रोफाइल पर पोस्ट किया गया। जांच में कई की पहचान की गई। इनमें से उवैद मलिक, जलाल हैदर, समीर उर्फ रूहान और माजुल पहले ही गिरफ्तार हो चुके हैं।

सीईसी ज्ञानेश को हटाने के लिए 73 सांसदों का नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी

- विपक्षी दलों ने राज्यसभा के महासचिव को सौंपा नया प्रस्ताव
- कांग्रेस ने कहा- सीईसी का पद पर बने रहना संविधान पर हमला

विपक्षी दलों ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने के लिए प्रस्ताव लाने के संदर्भ में शुक्रवार को राज्यसभा को नया नोटिस सौंपा और उन पर सत्तारूढ़ दल के साथ निकटता सहित कई आरोप लगाए। संसद के उच्च सदन के 73 सदस्यों के हस्ताक्षर वाला यह नोटिस राज्यसभा के महासचिव पीसी मोदी को दिया गया है।

राज्यसभा के महासचिव ने कहा कि यह मांग 15 मार्च 2026 को और उसके बाद उनके द्वारा किए गए कृत्यों और गलतियों के आधार पर सिद्ध दुराचार के आधार पर की गई है, जो भारत के संविधान के अनुच्छेद 324(5) को अनुच्छेद 124(4) के साथ पढ़ते हुए, साथ ही मुख्य निर्वाचन आयुक्त और अन्य निर्वाचन आयुक्त (नियुक्ति, सेवा की शर्तें और कार्यकाल) अधिनियम, 2023 की धारा 11(2) तथा न्यायाधीश (जांच) अधिनियम, 1968 के अंतर्गत आता है। रमेश ने कहा कि अब मुख्य निर्वाचन आयुक्त के खिलाफ नौ विशिष्ट आरोप हैं, जिन्हें बेहद विस्तार से दर्ज किया गया है और जिन्हें न तो नकारा जा सकता है और न ही दबाया जा सकता है। उन्होंने दावा किया, उनका पद पर बने रहना संविधान पर हमला है। यह पूरी तरह शर्मनाक है कि वह अब भी पद पर बने हुए हैं, ताकि प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के इशारों पर काम कर सकें। विपक्ष ने ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रस्ताव लाने का नया नोटिस देते हुए उनके विरुद्ध कई आरोप लगाए हैं, जिनमें सत्तारूढ़ दल के साथ निकटता, आचार संहिता से जुड़ी कार्रवाइयों में पक्षपात और 'त्रुटिपूर्ण' एसआईआर को पूरे देश में क्रियान्वित करना प्रमुख हैं।

विपक्ष बोला- बड़ी संख्या में मतदाता हुए वंचित

विपक्षी दलों ने एसआईआर का हवाला देते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल में बड़ी संख्या में लोगों को मताधिकार से वंचित किया गया तथा 90 लाख मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि पश्चिम बंगाल में आयोग के अधिकारियों द्वारा अलग-अलग शिकायतों पर जानबूझकर कार्रवाई नहीं की गई। विपक्षी सांसदों का यह दावा भी है, 'दोषपूर्ण एसआईआर को राष्ट्रव्यापी स्तर पर करने की संस्तुति दी गई।

नौका विहार

कोलकाता : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार सुबह हुगली नदी में नौका की सवारी की। इस दौरान उन्होंने कहा कि नदी की दिव्य जलधाराएं एक पूरी सभ्यता की शाश्वत भावना को अपने अंदर समेटे हुए हैं। मोदी ने यह भी कहा कि वह पश्चिम बंगाल के विकास और महान बंगाली लोगों की समृद्धि के प्रति प्रतिबद्ध हैं। ● अमृत विचार

उत्तराखंड में डिजिटल जनगणना आज से

संवाददाता, देहरादून

- गणना का यह महाअभियान 24 मई तक चलेगा

अमृत विचार : उत्तराखंड राज्य में डिजिटल जनगणना 2027 के प्रथम चरण का फील्ड कार्य आज से शुरू होगा। मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का यह महाअभियान आगामी 24 मई तक चलेगा। निदेशक जनगणना कार्य निदेशालय इवा आशीष श्रीवास्तव ने शुक्रवार को बताया कि, यह चरण जनगणना 2027 की आधारशिला है, जिसके अंतर्गत प्रगणक प्रत्येक घर और भवन का दौरा कर 33 प्रश्नों के माध्यम से सुविधाओं एवं परिसंपत्तियों से संबंधित डेटा एकत्र करेंगे। मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना में करीब 30 हजार प्रगणकों तथा पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की गई है तथा करीब 32,000 मकान सूचीकरण ब्लाकों में घर-घर जाकर गणना की जाएगी।

(विस्तृत पेज-2)

अमेरिका से शांति वार्ता को इस्लामाबाद जाएंगे अराघची

इस्लामाबाद। अमेरिका के साथ दूसरे दौर की शांति वार्ता के लिए ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल शुक्रवार रात इस्लामाबाद आ सकता है। अमेरिका की साजो-सामान और सुरक्षा टीम पहले से ही इस्लामाबाद में मौजूद है। यह घटनाक्रम उस फोन कॉल के कुछ घंटे बाद सामने आया है, जिसमें पाकिस्तान के उपप्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री इसहाक डार तथा अराघची ने अमेरिका-ईरान संघर्षविराम एवं पाकिस्तान के कूटनीतिक प्रयासों पर विचार-विमर्श किया। वहीं, ईरानी दूत काजेम जलाली ने कहा है कि ईरान मामलों को कूटनीति से सुलझाना पसंद करेगा लेकिन अगर बात बिगड़ती है, तो वह युद्ध जारी रखने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने इस्लामिक गणराज्य के कई मर्तबा धोखा खाने के बावजूद कभी भी कूटनीति का साथ नहीं छोड़ने की भी बात कही।

एनआईए को आरोपपत्र दाखिल करने की अनुमति

नई दिल्ली, एजेंसी

मालदा मामला

- न्यायिक अधिकारियों के घेराव मामले में सुप्रीम कोर्ट ने दिए आदेश

उच्चतम न्यायालय ने पश्चिम बंगाल में एक अप्रैल को हुई उस सनसनीखेज घटना की जांच पूरी होने पर एनआईए को आरोप-पत्र दाखिल करने की शुक्रवार को अनुमति दे दी, जिसमें मालदा जिले में एक भीड़ ने सात न्यायिक अधिकारियों को बंधक बना लिया था।

प बंगाल, ओडिशा और झारखंड के कुल 700 न्यायिक अधिकारी एसआईआर प्रक्रिया में तैनात हैं, ताकि मतदाता सूची से बाहर किए गए लोगों की 60 लाख से अधिक आपत्तियों का निपटारा किया जा सके। एनआईए की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम. पंचोली की पीठ को बताया कि जांच एजेंसी ने अब तक की जांच का विवरण देते हुए एक नयी स्थिति रिपोर्ट दाखिल की है। पीठ ने विधि अधिकारी की दलीलों का संज्ञान लेते हुए कहा, एनआईए को सक्षम क्षेत्राधिकार वाली अदालत में आरोप-पत्र दाखिल करने की स्वतंत्रता होगी।

न्यायाधिकरणों को तत्काल सुनवाई करने के आदेश

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को अपीलीय न्यायाधिकरणों से कहा कि पश्चिम बंगाल में मतदाता सूचियों के एसआईआर के बाद जिन लोगों का नाम जोड़ने के लिए तत्काल सुनवाई का मामला बनता है, उनकी याचिकाओं पर प्राथमिकता के आधार पर सुनवाई की जाए। सुनवाई की शुरुआत में भारत सीजेआई सूर्यकांत ने बृहस्पतिवार को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण में भारी मतदान पर खुशी जताई। सीजेआई ने कहा, भारत के एक नागरिक के रूप में, मैं मतदान प्रतिशत देखकर बहुत खुश हूं।

उत्तराखंड में फिर बारिश और बर्फबारी का दौर, अलर्ट जारी

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- सावधान: 28 तक पहाड़ से मैदान तक बदला रहेगा मौसम

अमृत विचार: आग उगलती गर्मी से राज्यवासियों को 24 घंटे में निजात मिलने की संभावना है। अनुमान है कि तीन दिन तक पहाड़ से मैदान तक आंधी-बारिश और गरज-चमक के साथ बौछार से मौसम बदल सकता है। दूसरे चरण में पहाड़ों पर बर्फबारी होगी। मौसम विभाग ने यलो अलर्ट जारी करते हुए खासकर पर्वतीय क्षेत्रों के लिए चेतावनी जारी की है।

अगले 24 घंटे में चमोली, उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, बागेश्वर एवं पिथौरागढ़ में आंधी-बारिश से मौसम में बदलाव आ सकता है। बड़कोट, पुरोला, गंगोत्री, केदारनाथ, सोनप्रयाग, बद्रीनाथ, कर्णप्रयाग, मुनस्यारी, दारमा, बेरीनाग तथा आसपास के क्षेत्रों में तेज हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटा की गति) के साथ बिजली गिरने और आंधी आने की संभावना है। राज्य मौसम विभाग के निदेशक डॉ. सीएस तोमर ने शुक्रवार को सात दिनों के संभावित मौसम के बारे में बताया कि, आगामी सोमवार तक मैदानी इलाकों को छोड़कर (हरिद्वार और ऊधमसिंह नगर) राज्य के बाकी जिलों में हल्की बारिश का दौर जारी रह सकता है। 28 अप्रैल से यह सिलसिला बढ़ सकता है और हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। उच्च पर्वतीय इलाकों में 4400 मीटर से ऊंचे इलाकों में बर्फबारी होने का अनुमान जताया गया है।

राज्य मौसम विभाग ने मौसम के संभावित बदलाव को देखते हुए अगले तीन और 28 अप्रैल के लिए स्थानीय नागरिकों और खासतौर से श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों से सावधानी बरतने की अपील की है। इस दौरान 40-50 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से हवा चलने की संभावना भी जतायी गयी है।

भरोसा

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा- निरंतर प्रयासों और सामूहिक अनुशासन से ही साकार होगा सपना

भारत का विश्वगुरु बनना तय, देश के भविष्य पर संदेह न करें

नागपुर, एजेंसी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को कहा कि भारत निश्चित रूप से विश्वगुरु बनेगा और देश के भविष्य के बारे में किसी को भी कोई संदेह नहीं रखना चाहिए। भागवत ने कहा, पहले लोगों को संदेह था कि राम मंदिर कभी बनेगा भी या नहीं, लेकिन उसका निर्माण हुआ। इसी तरह, भारत का विश्वगुरु बनना भी तय है।

आरएसएस प्रमुख ने नागपुर शहर के बाहरी इलाके जामथा में राष्ट्रीय कैंसर संस्थान (एनसीआई) के परिसर में 'भारत दुर्गा शक्ति स्थल' के भूमि पूजन के बाद यह बात कही। भागवत ने कहा कि भारत के विश्वगुरु बनने का सपना निरंतर प्रयासों और सामूहिक अनुशासन के माध्यम से साकार होगा। उन्होंने भरोसा जताया कि इस तरह का परिवर्तन वर्तमान पीढ़ी में देखा जा सकता है। संघ प्रमुख ने कहा कि भारत के भविष्य को लेकर किसी भी तरह का संदेह मन से निकाल देना चाहिए। उन्होंने कहा, भारत के भविष्य पर संदेह न करें। साहस और आत्मनिर्भरता के साथ जिएं तथा इन मूल्यों को अपने दैनिक जीवन में अपनाएं। भारत मजबूत बनेगा और दुनिया का मार्गदर्शन करेगा। भागवत ने राम मंदिर आंदोलन का उदाहरण देते हुए कहा, लोगों को संदेह था कि राम मंदिर बनेगा या नहीं, लेकिन यह बना। इसी तरह, भारत का विश्वगुरु बनना तय है। इस बात को लेकर कोई संदेह नहीं होना चाहिए कि कोई चीज होगी या नहीं होगी। जो होना तय है, वह होकर रहेगा। उन्होंने कहा, यदि हम अपने संकल्प के अनुसार कदम दर कदम कार्य करते रहें, तो भारत मजबूत, सदाचारी और वैश्विक मार्गदर्शक बनेगा। भागवत ने कहा कि भारत को सही मायने में समझने के लिए लोगों को पहले भारत में गहराई से झांकना होगा।

भारत माता की पूजा करने के लिए हमें खुद भारत बनना होगा

उन्होंने कहा, भारत माता की पूजा करने के लिए हमें खुद भारत बनना होगा। भागवत ने कहा कि देश को उसके सभ्यतागत मूल्यों के आधार पर समझा जाना चाहिए, न कि 150 वर्षों में विकसित औपनिवेशिक या पश्चिमी दृष्टिकोण से। उन्होंने नागरिकों से पश्चिमी सोच को त्यागने और विचार एवं आचरण के मामले में भारतीय परंपराओं से फिर से जुड़ने का आग्रह किया। भागवत ने कहा कि यह परिवर्तन दैनिक जीवन में छोटे, लेकिन सार्थक बदलावों से शुरू होगा, जैसे कि भाषा, पहनावा, खान-पान की आदतें और सांस्कृतिक प्रथाएं। उन्होंने कहा कि भारत माता की पूजा का विचार केवल अनुष्ठानों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके लिए व्यक्तियों को अपने जीवन में स्वयं को भारत के स्वरूप में ढालने की आवश्यकता होती है।

स्टेट ब्रीफ

घूस प्रकरण में प्रभारी बीईओ निलंबित

देहरादून: विद्यालयी शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने शुक्रवार को बताया कि, एक लाख रुपए की रिश्वत लेने के आरोप में विजिलेंस द्वारा पकड़े गए डोईवाला के प्रभारी खंड शिक्षा अधिकारी धनबीर सिंह को उत्तराखंड सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 2003 के प्रावधानों के तहत निलंबित किया गया है। मंत्री ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि विभाग में ऐसे प्रकरणों की पुनरावृत्ति रोकने के लिए समय-समय पर निरीक्षण करें। छात्र-छात्राओं, अभिभावकों व आमजन से फीडबैक लेकर व्यवस्था और अधिक पारदर्शी बनाएं।

टिहरी में राष्ट्रीय लोक अदालत 9 मई को

टिहरी: टिहरी जनपद में नौ मई को जिला एवं अधीनस्थ न्यायालयों में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन होगा जिसमें मामलों का आपसी सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारण होगा। लोक अदालत में प्री-लिटिगेशन (अदालत में दायर होने से पहले के मामले) तथा न्यायालयों में लंबित वादों को प्राथमिकता के साथ निपटाया जाएगा। उत्तराखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के सदस्य-सचिव के अनुसार, इच्छुक व्यक्ति 8 मई तक संबंधित न्यायालय में प्रार्थना पत्र देकर अपने मामलों को लोक अदालत में सूचीबद्ध करा सकते हैं।

हिमालयी राज्य आपसी सहयोग और अनुभवों से करें नीति निर्माण

सीएम धामी की अध्यक्षता में हुई हिमालयी राज्यों से समन्वय और नीति निर्धारण परिषद की बैठक

प्रमुख संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में शुक्रवार को मुख्यमंत्री आवास में हिमालयी राज्यों के मध्य आपसी समन्वय को सुदृढ़ करने, साझा चुनौतियों के समाधान हिमालयी राज्यों से समन्वय एवं नीति निर्धारण परिषद की प्रथम बैठक आयोजित की गई। इस दौरान समेकित रणनीति तैयार करने तथा क्षेत्रीय विकास को गति देने के विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमालयी राज्यों की भौगोलिक, पर्यावरणीय एवं सामाजिक परिस्थितियां समान होने के कारण आपसी सहयोग और अनुभवों के आदान-प्रदान से प्रभावी नीति निर्माण संभव है। हिमालयी राज्यों में विभिन्न क्षेत्रों में हुए अच्छे कार्यों का विस्तृत अध्ययन बेस्ट प्रैक्टिस के रूप में राज्य में अपनाया जाए। इकॉनोमी और ईकोलॉजी में समन्वय के साथ मानव जीवन स्तर को बेहतर बनाना हमारा मुख्य उद्देश्य है। उत्तराखंड प्राकृति सम्पन्नता एवं जैव विविधता की दृष्टि से महत्वपूर्ण राज्य है। हिमालय और औषधियों के संरक्षण के क्षेत्र में राज्य में कार्य करने की अपार संभावनाएं हैं।

कहा कि जल संरक्षण और जल स्रोतों के पुनर्जीवीकरण की दिशा में सरकार निरंतर प्रयास कर रही है। हिमालय और पर्यावरण सरंक्षण के क्षेत्र में जो संस्थान अच्छा कार्य कर रहे हैं, उनका भी निरंतर सहयोग लिया जाए। हिमालयी राज्यों की विभिन्न चुनौतियों के समाधान के लिए हिमालयी राज्यों के विशेषज्ञों के साथ बैठक समय-समय पर बैठकों और विचार गोष्ठियों का आयोजन भी किया जाए। बैठक के दौरान जलवायु परिवर्तन, आपदा प्रबंधन, पर्यटन, जैव विविधता संरक्षण, जल स्रोतों के संरक्षण तथा सीमावर्ती क्षेत्रों के विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया गया।

शासकीय आवास पर अधिकारियों व पदाधिकारियों के साथ सीएम पुष्कर सिंह धामी।

जल स्तर और प्रवाह का आकलन करना जरूरी

हिमालयी राज्यों से समन्वय एवं नीति निर्धारण परिषद के सदस्य एवं विधायक किशोर उपाध्याय ने कहा कि हिमालय एवं मध्य हिमालय क्षेत्र की अद्यतन वैज्ञानिक एवं पारिस्थितिकि स्थिति का अध्ययन होना चाहिए। हिमालयी नदियों के जल स्तर और प्रवाह का आंकलन करना भी जरूरी है। इस अवसर पर प्रमुख सचिव डॉ. आर.मीनाक्षी सुदंरम, सचिव शैलेश बगौली, यूकॉस्ट के महानिदेशक प्रो. दुर्गेश पंत एवं संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

बड़ी आबादी को होगा फायदा: सीएस

मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने कहा कि हिमालयी राज्यों की चुनौतियों को दूर करने के लिए हिमालयी राज्य कैसे एकीकृत रूप में कार्य कर सकते हैं, इस दिशा में प्रयास किए जाएंगे। देश की बड़ी आबादी को हिमालय से फायदा होगा। हिमालय के संरक्षण और संवर्द्धन की दिशा में कार्य करने के लिए हमें इस क्षेत्र में कार्य करने वाले राष्ट्रीय संस्थानों का भी नियमित सहयोग लेना होगा। इस दौरान सदस्य एवं पूर्व डीजीपी अनिल रतूड़ी, आचार्य डॉ. प्रशांत, डॉ. जी.एस. रावत ने, पद्मश्री कल्याण सिंह रावत ने भी सुझाव पेश किए।

राजधानी में जन आक्रोश महिला पदयात्रा में प्रतिभाग करते मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी। ● अमृत विचार

महिला अधिकारों व सम्मान का संकल्प

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: परेड ग्राउंड में शुक्रवार को महिला जन आक्रोश रैली के साथ ही जन आक्रोश पदयात्रा का आयोजन किया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी हजारों की संख्या में मौजूद महिलाओं के साथ परेड ग्राउंड से घंटाघर तक जन आक्रोश पदयात्रा में शामिल हुए।

इस दौरान मुख्यमंत्री धामी ने पदयात्रा को महिलाओं के अधिकारों और आत्मसम्मान के प्रति संकल्प बताया। कहा, महिलाएं अब किसी के बहकावे में आने वाली नहीं हैं और वे विकास, सुरक्षा और सम्मान की राजनीति को ही समर्थन देंगी। कहा कि आज की यह पदयात्रा केवल विरोध नहीं, बल्कि उत्तराखंड की महिलाओं के आत्मसम्मान और अधिकारों की रक्षा का संकल्प है। भारतीय जनता पार्टी ने हमेशा महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए ठोस कदम उठाए हैं-चाहे वह राजनीतिक भागीदारी हो, आर्थिक आत्मनिर्भरता हो या सुरक्षा से जुड़े मुद्दे हों। इसके विपरीत, कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों ने महिलाओं के मुद्दों को केवल चुनावी हथियार के रूप में इस्तेमाल किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज देहरादून की सड़कों पर उमड़ा यह जनसैलाब इंडी अलायंस के खिलाफ जनता के आक्रोश का स्पष्ट संकेत है। महिलाएं अब किसी के बहकावे में आने वाली नहीं हैं और वे विकास, सुरक्षा और सम्मान की राजनीति को ही समर्थन देंगी। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट ,प्रदेश महामंत्री संगठन अजेय कुमार, सांसद माला राज्यलक्ष्मी शाह, विधायक आशा नौटियाल, सविता कपूर, प्रदेश उपाध्यक्ष एवं प्रदेश महिला मोर्चा के प्रभारी शैलेंद्र बिष्ट, महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष रुचि भट्ट, महामंत्री दीप्ति रावत, प्रदेश मंत्री नेहा जोशी, महिला मोर्चा महानगर अध्यक्ष सुमन सिंह, हिमानी, रश्मि रस्तोगी, भावना मेहरा मौजूद रहीं।

केदारनाथ में सरकारी सम्पत्ति में की तोड़फोड़

संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: श्री केदारनाथ धाम यात्रा की व्यवस्थाओं को सुचारू बनाने के प्रयासों के बीच, धाम क्षेत्र में जन-सुविधाओं को नुकसान पहुंचाने का मामला सामने आया है। सुलभ इंटरनेशनल के सुपरवाइजर मिंटू पाठक की तहरीर के आधार पर कोतवाली सोनप्रयाग पुलिस ने मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

तहरीर के अनुसार, सेक्टर केदारनाथ, हेलीपैड एवं घोड़ापड़ाव अंतर्गत स्थापित सार्वजनिक शौचालयों में अज्ञात व्यक्तियों द्वारा तोड़फोड़ की गई। केदारनाथ धाम स्थित हाट बाजार, लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) कार्यालय के पीछे, पंजाब सिंध भवन के पास और बेस कैंप क्षेत्र में पांच दरवाजे क्षतिग्रस्त किए गए। इसके अलावा, केदारनाथ अन्तर्गत विभिन्न सेक्टरों में 12 नल और 60 सिस्टन को भी जानबूझकर तोड़ा गया है। इस अराजक कृत्य से न केवल सार्वजनिक सम्पत्ति को भारी नुकसान हुआ है, बल्कि आम जनमानस और आये हुए यात्रियों के लिए असुविधा की स्थिति पैदा हुई है। वहीं, रुद्रप्रयाग पुलिस ने चेतावनी दी है कि प्रचलित केदारनाथ यात्रा की गरिमा और जन-सुविधाओं को नुकसान पहुंचाने वाले किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा और उनके विरुद्ध कठोरतम वैधानिक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

उद्योगपति शर्मा ने दिया 1.01 करोड़ का दान

देहरादून: उद्योगपति एवं श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) के वरिष्ठ सदस्य महेन्द्र शर्मा ने शुक्रवार को समिति के लिए एक करोड़ एक लाख रुपये की धनराशि का चेक दान स्वरूप प्रदान किया।

श्री बदरीनाथ धाम में शुक्रवार को बीकेटीसी अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने उनका स्वागत किया। कहा कि, हिमाचल प्रदेश के मूल निवासी महेंद्र शर्मा का देशभर के तीर्थस्थलों के विकास और श्रद्धालुओं की सुविधाओं को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

कांग्रेस ने छोड़े आरोपों के तीर भाजपा बोली हैट्रिक है निश्चित

- सीएम धामी के चेहरे पर 2027 का चुनाव लड़ने को लेकर दोनों दल आमने-सामने

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: 2027 का विधानसभा चुनाव मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के चेहरे पर ही लड़ने की भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व की घोषणा को लेकर कांग्रेस की मुख्य प्रवक्ता गरिमा मेहरा दसौनी ने इसे राज्य के लिए शुभ संकेत बताकर तीखी प्रतिक्रिया दी है। वहीं, भाजपा ने कांग्रेस की इस प्रतिक्रिया को हताशा और निराशा से भरा बताया है।

भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर सिंह चौहान ने शुक्रवार को कहा कि मुख्यमंत्री धामी के नेतृत्व मे प्रदेश भर में विशेषकर युवा और महिलाओं में उत्साह का माहौल है और भाजपा मिशन 2027 में ऐतिहासिक हैट्रिक लगाने जा रही है। वहीं, धामी के नेतृत्व को लेकर बेचैन कांग्रेस हताश और निराश है। कांग्रेस के सवालों पर प्रतिक्रिया में चौहान ने कहा कि उत्तराखंड की जनता सीएम धामी के नेतृत्व से संतुष्ट है और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के कथन पर कांग्रेस की टिप्पणी से समझा जा सकता है कि वह किस तरह से बेचैन है। सलाह दी कि, कांग्रेस को भाजपा पर मंथन नहीं बल्कि कांग्रेस में केंद्र द्वारा गुटीय संघर्ष को रोकने के लिए बनाए गए चतुर्भुज नेतृत्व पर चिंता करने की जरूरत है। चौहान ने कहा कि, भाजपा विकास कार्यों को लेकर जनता के पास जा रही है, जबकि कांग्रेस के पास अफवाहों की कुंडली के सिवाय कुछ नहीं है।

चौहान ने कांग्रेस के सवालों पर कहा कि, नकल विरोधी कानून से युवाओं को पारदर्शिता का कवच देने, महिलाओं को क्षैतिज आरक्षण, यूसीसी, लैंड जिहाद के खिलाफ कड़ा कानून सहित कई कार्य हुए हैं। केंद्र से बेहतर तालमेल के चलते ही राज्य में ढाई लाख करोड़ की योजनाएं धरातल पर उतरने वाली हैं। 40 हजार सरकारी नौकरियां तथा स्वरोजगार योजनाओं से लाखों लोग लाभान्वित हो रहे हैं।

अब तक हर वायदे पर खरे उतरे मुख्यमंत्री धामी के नेतृत्व में भाजपा ऐतिहासिक हैट्रिक लगाने जा रही है और इसके लिए उसे जनता का पूरा समर्थन है।

मृतक आश्रितों को मिलेगी 7-7 लाख की सहायता

- टिहरी गढ़वाल में सड़क हादसे में 8 लोगों की मौत का मामला
- सीएम धामी बोले- सरकार पीड़ित परिवारों के साथ है खड़ी

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: टिहरी गढ़वाल जिले में गुरुवार दोपहर सड़क हादसे में 8 लोगों की मौत होने के मामले में मृतक आश्रितों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष के साथ ही राज्य सरकार की तरफ से सहायता राशि के रूप में 7-7 लाख रुपए मिलेंगे।

उत्तराखंड सरकार द्वारा उत्तराखंड सड़क परिवहन दुर्घटना राहत नियमावली के तहत मृतक आश्रितों को दो-दो लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान की जाएगी । इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से भी मृतक आश्रितों को तीन-तीन लाख रुपये और गंभीर घायलों को 50-50 हजार रुपये की अतिरिक्त सहायता देने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि इस दुखद घड़ी में सरकार पीड़ित परिवारों के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है और हरसंभव सहायता सुनिश्चित की जाएगी। इससे पूर्व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से मृतकों के आश्रितों को दो-दो लाख रुपये तथा घायलों को 50-50 हजार रुपये की सहायता राशि प्रदान करने की घोषणा की थी।

फॉलोअर्स बढ़ाने के लिए फैलाई फर्जी कहानी, एफआईआर दर्ज

संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: चारधाम यात्रा को लेकर सोशल मीडिया पर भ्रामक एवं तथ्यहीन सूचनाएं प्रसारित करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई जारी है। पूर्व में दर्ज प्रकरणों के क्रम में शुक्रवार को जनपद रुद्रप्रयाग के थाना सोनप्रयाग में एक और प्राथमिकी दर्ज की गई है।

अधिकारियों ने बताया कि, सोशल मीडिया मॉनीटरिंग के दौरान एक इंस्टाग्राम आईडी के माध्यम से प्रसारित एक वीडियो संज्ञान में आया, जिसमें केदारनाथ धाम की व्यवस्थाओं को लेकर भ्रामक एवं निराधार दावे किए गए। वीडियो में यह गलत जानकारी दी गई कि एक वृद्ध श्रद्धालु को स्वास्थ्य खराब होने के बावजूद प्रशासन द्वारा सहायता नहीं दी गई तथा वीआईपी प्रोटोकॉल के चलते सामान्य श्रद्धालुओं की अनदेखी की जा रही है।

जबकि वास्तविकता में 22 अप्रैल को गुजरात निवासी एक श्रद्धालु की तबियत खराब होने पर प्रशासन द्वारा तत्काल प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, केदारनाथ पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों द्वारा उन्हें मृत घोषित किया गया। तत्पश्चात प्रशासन द्वारा आवश्यक कार्यवाही करते हुए हेलीकॉप्टर के माध्यम से शव को गुप्तकाशी भेजा गया। उक्त वीडियो के माध्यम से तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर प्रस्तुत कर आमजन को भ्रमित करने एवं प्रशासन की छवि धूमिल करने का प्रयास किया गया, जिस पर संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध विधिक कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है। वहीं, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि चारधाम यात्रा से जुड़ी किसी भी प्रकार की भ्रामक सूचना, अफवाह या दुष्प्रचार पर तत्काल प्रभावी कार्रवाई की जाए। साथ ही, अन्य संदिग्ध वीडियो एवं सोशल मीडिया कंटेंट की भी सतत निगरानी की जा रही है और उन्हें चिन्हित कर कार्रवाई के दायरे में लाया जा रहा है।

उन्होंने स्पष्ट किया है कि चारधाम यात्रा की गरिमा, श्रद्धालुओं की आस्था एवं उत्तराखंड की छवि के साथ खिलवाड़ स्वीकार्य नहीं है। भ्रामक सूचना फैलाने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की यह प्रक्रिया लगातार, सख्ती और पूरी सतर्कता के साथ जारी रहेगी।

राजधानी में एयर रेड ब्लैकआउट मॉक ड्रिल

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: राजधानी देहरादून में नागरिक सुरक्षा तंत्र की तैयारियों को परखने के लिए शुक्रवार रात्रि 10 बजे एयर रेड एवं ब्लैकआउट मॉक ड्रिल हुई। इस दौरान शहर के चार संवेदनशील क्षेत्रों में 30 मिनट तक बिजली आपूर्ति बाधित रही।

मॉक ड्रिल का उद्देश्य किसी संभावित हवाई हमले या आपात स्थिति में सुरक्षा एजेंसियों की तत्परता एवं समन्वय क्षमता का आकलन करना रहा। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, इंटरस्टेट बस टर्मिनल (आईएसबीटी), घंटाघर, आराघर तथा रायपुर स्थित रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स अनुप्रयोग प्रयोगशाला (डीईएएल/डीआरडीओ) क्षेत्र में सायरन बजाकर एयर रेड अलर्ट जारी किया गया और तत्पश्चात ब्लैकआउट किया गया। इस दौरान आपदा प्रबंधन की दृष्टि से जिला प्रशासन द्वारा कंट्रोल रूम में इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर स्थापित किया गया, जहां मोबाइल, वायरलेस एवं दूरसंचार के माध्यम से सभी विभागों के बीच समन्वय सुनिश्चित किया गया। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, सिविल डिफेंस एवं पुलिस बल भी मौके पर तैनात रहकर स्थिति पर नजर रखे रहा। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी ऋषभ कुमार ने बताया कि यह मॉक ड्रिल गृह मंत्रालय के निर्देशानुसार आयोजित की गई जिसमें जिलाधिकारी ने कंट्रोलर के रूप में संचालन किया।

रामनगरी में देवभूमि का अतिथिगृह जल्द

रणनीतिक लोकेशन, आसान पहुंच

प्रस्तावित अतिथि गृह की लोकेशन इसकी सबसे बड़ी ताकत बनकर उभर रही है। श्रीराम मंदिर से करीब 6.60 किलोमीटर और फैजाबाद शहर से 6.40 किमी की दूरी इसे अत्यंत सुविधाजनक बनाती है। अयोध्या एयरपोर्ट से लगभग 10 किलोमीटर की दूरी इसे देश-विदेश के श्रद्धालुओं के लिए भी सुलभ बनाती है। वहीं, लखनऊ, वाराणसी और प्रयागराज जैसे प्रमुख शहरों से सीधा संपर्क इसे धार्मिक पर्यटन का अहम केंद्र बना सकता है। देहरादून और नई दिल्ली से आने वाले यात्रियों के लिए भी यह एक प्रमुख पड़ाव होगा।

प्रमुख संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: देश की धार्मिक राजधानी अयोध्या में उत्तराखंड सरकार ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराने की दिशा में ऐतिहासिक पहल की है। अयोध्या-फैजाबाद हाईवे पर प्रस्तावित राज्य अतिथि गृह अब हकीकत का रूप लेता दिख रहा है।

लगभग 54,000 वर्ग फीट क्षेत्र में बनने वाला यह विशाल परिसर उत्तराखंड से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए एक भरोसेमंद ठिकाना बनेगा। सचिव आवास डॉ. आर. राजेश कुमार के स्थलीय निरीक्षण के बाद परियोजना के क्रियान्वयन ने रफ्तार पकड़ ली है, जिससे साफ है कि सरकार इस योजना को लेकर गंभीरता से आगे बढ़ रही है। इस महत्वाकांक्षी योजना के पीछे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की परिणामोन्मुख कार्यशैली दिखाई देती है। मुख्यमंत्री ने धार्मिक पर्यटन को आर्थिक विकास से जोड़ने की जो रणनीति बनाई है, यह परियोजना उसी की एक मजबूत कड़ी है। चारधाम यात्रा को बेहतर प्रबंधन और सुविधाओं से जोड़ने के बाद अब सरकार अन्य प्रमुख तीर्थ स्थलों पर भी उत्तराखंड की पहचान स्थापित करने की दिशा में काम कर रही है। मुख्यमंत्री के निर्देशों पर यह तय किया जा रहा है कि परियोजना गुणवत्ता, आधुनिकता और तय समयसीमा के मानकों पर खरी उतरे। सचिव आवास-राज्य संपित्त जल्द मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात कर उन्हें विस्तृत कार्ययोजना रिपोर्ट सौंपेंगे।

अभियान | राज्य में 24 मई तक चलेगा 'हर द्वार, दस्तक' अभियान, घर का दौरा कर 33 सवालों से जुटाया जाएगा डेटा

उत्तराखंड में आज से शुरू होगी डिजिटल जनगणना

प्रमुख संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: निदेशक जनगणना कार्य निदेशालय इवा आशीष श्रीवास्तव के अनुसार, आज से 'हर द्वार, दस्तक' अभियान के तहत पूरे राज्य में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य (फील्ड वर्क) प्रारंभ होगा, जो 24 मई तक चलेगा। यह चरण जनगणना 2027 की आधारशिला है, जिसके अंतर्गत प्रगणक प्रत्येक घर और भवन का दौरा कर 33 प्रश्नों के माध्यम से सुविधाओं एवं परिसंपत्तियों से संबंधित डेटा एकत्र करेंगे।

केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा जनगणना 2027 के प्रथम चरण-मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को पीआईबी देहरादून के सहयोग से आयोजित प्रेस वार्ता ने निदेशक श्रीवास्तव ने मीडिया के समक्ष अब तक की प्रगति की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि, उत्तराखंड में 10 अप्रैल से 23 अप्रैल के बीच 62,000 से अधिक नागरिकों ने डिजिटल माध्यम से स्व-गणना पूरी की। इसमें देहरादून जिला अग्रणी रहा, जहां 10,884 लोगों ने स्व-गणना की। प्रदेश में जनगणना कार्य के सफल संचालन हेतु 20,859 प्रगणकों तथा 3,670 पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की गई है। इन सभी को 555 प्रशिक्षण बैंचों में विभाजित कर पूर्णतः प्रशिक्षित किया गया है, जिसमें विशेष रूप से विकसित एचएलओ मोबाइल एप पर व्यावहारिक प्रशिक्षण भी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि, डिजिटल नवाचार के तहत एचएलबीसी पोर्टल के माध्यम से पूरे राज्य को 29,567 हाउस लिस्टिंग ब्लॉक्स में विभाजित कर उनके डिजिटल मानचित्र तैयार किए गए हैं। इन मानचित्रों का उपयोग प्रगणक फील्ड कार्य के दौरान करेंगे। इस कार्य को समयबद्ध रूप से पूरा करने के लिए सभी जिलाधिकारियों, अधिकारियों एवं जिला समन्वयकों की सराहना की गई। इसके अतिरिक्त, प्रत्येक हाउस लिस्टिंग ब्लॉक का आवंटन सीएमएमएस पोर्टल के माध्यम से पूरी तरह डिजिटल रूप में किया गया है। प्रगणक जैसे ही मोबाइल एप पर लॉगिन करेंगे, उन्हें अपने आवंटित क्षेत्र की जानकारी मानचित्र सहित प्राप्त होगी। निदेशक ने कहा कि, यह जनगणना भारत के इतिहास में पहली बार पूर्णतः मोबाइल एप आधारित डिजिटल प्रणाली के माध्यम से संपन्न की जा रही है, जो डिजिटल इंडिया अभियान की दिशा में एक अहम पहल है। राज्य में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना में करीब 30 हजार प्रगणकों तथा पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की गई है। करीब 32,000 मकान सूचीकरण ब्लाकों में घर-घर जाकर गणना की जाएगी। इस मौके पर जनगणना निदेशालय से संयुक्त निदेशक एसएस नेगी, उप निदेशक तान्या सेठ, आरके बनवारी, प्रवीण कुमार उपस्थित रहे।

प्रेस वार्ता में जानकारी देतीं निदेशक इवा आशीष श्रीवास्तव, साथ में अन्य अधिकारी।

डीजे को लेकर हुआ विवाद, 11 गिरफ्तार

हरिद्वार: पिरान कलियर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम महमूदपुर में शादी समारोह के दौरान डीजे बजाने को लेकर विवाद हो गया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए शुक्रवार को सात महिलाओं सहित 11 लोगों को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के अनुसार, बीती 22 अप्रैल की देर रात एक शादी समारोह में डीजे बजाने को लेकर दो पक्षों के बीच कहासुनी विवाद में बदल गयी थी। अगले दिन भी दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए, जिससे गांव में तनाव की स्थिति पैदा हो गई। पुलिस ने शांति व्यवस्था भंग करने के आरोप में दोनों पक्षों के 11 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, दोनों पक्षों के बीच पूर्व में भी चुनावी रंजिश को लेकर विवाद होते रहे हैं और इनके खिलाफ पहले से मुकदमे दर्ज हैं।

अब सुबह 7 से दोपहर 1 बजे तक खुलेंगे स्कूल

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : भीषण गर्मी और हीटवेव के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए शिक्षा विभाग अलर्ट मोड में आ गया है। मुख्य शिक्षाधिकारी गोविंद राम जायसवाल ने छात्रों के स्वास्थ्य की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए जिले के स्कूलों की समय सारिणी में बदलाव के निर्देश जारी किए हैं।

जारी आदेश के अनुसार 15 मई तक स्कूलों में प्रार्थना सभा का समय सुबह 6:45 बजे और कक्षाओं का संचालन सुबह 7 बजे से दोपहर 1 बजे तक किया जाएगा। यह व्यवस्था जिले के शहरी क्षेत्रों के स्कूलों के लिए लागू की गई है। साथ ही हल्द्वानी, रामनगर और कोटाबाग ब्लॉक के सभी स्कूलों में इस संशोधित समय सारिणी को लागू करने के निर्देश दिए गए हैं। शिक्षा विभाग का कहना है कि यह निर्णय छात्रों को भीषण गर्मी और लू (हीटवेव) से होने वाली परेशानियों से बचाने के लिए लिया गया है, ताकि उनके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। वहीं, इस फैसले का प्राथमिक शिक्षक संघ और राजकीय शिक्षक संघ ने विरोध किया है। शिक्षक संगठनों का कहना है कि कक्षा एक से लेकर इंटरमीडिएट तक के सभी छात्रों के लिए एक समान समय निर्धारित करना व्यावहारिक नहीं है। उन्होंने सुझाव दिया कि छोटे बच्चों, विशेषकर कक्षा 1 से 5 तक के विद्यार्थियों की छुट्टी दोपहर 12 बजे तक कर दी जानी चाहिए।

सिटी इंवेंट्स

- श्रमिक आंदोलन पर विचार रखेंगे विधायक सुमित हृदयेश होटल सौरभ में दोपहर 3 बजे।
- मंडलायुक्त रावत के कैंप कार्यालय में जनता दरबार पूर्वाह्न 11 बजे।

सिटी ब्रीफ

पारा 39.9 डिग्री पहुंचा 28 से मिलेगी राहत

हल्द्वानी : मैदानी इलाकों में जमकर गर्मी पड़ रही है। दोपहर के समय लोगों के प्यास से हलक सूख रहे हैं। धूप के साथ ही गर्म हवा भी चल रही है। पारा अब 40 डिग्री से केवल 0.1 डिग्री दूर रह गया है। राहत की बात है कि कुछ दिनों बाद बारिश होने का अनुमान है। मौसम विज्ञान केंद्र देहरादून के अनुसार शुक्रवार को पारा फिर उछल गया। हल्द्वानी में दोपहर के समय चिलचिलाती गर्मी पड़ रही थी। तापमान 39.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है जो सामान्य से 3.7 डिग्री अधिक रहा है। न्यूनतम तापमान 18.8 डिग्री रहा जो सामान्य से 1.6 डिग्री ज्यादा है। वहीं पहाड़ों में भी पार चढ़ रहा है। मुक्तेश्वर में पारे में गिरावट आई है। यहां अधिकतम तापमान 27.1 डिग्री रहा जो सामान्य से 3.7 डिग्री रहा। मौसम विज्ञान केंद्र देहरादून के अनुसार शीघ्र ही राज्य में पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने वाला है। पहाड़ों में इसका असर 25 अप्रैल से दिखेगा तो वहीं मैदानी इलाकों में 28 अप्रैल से बारिश होने के आसार हैं।

हत्या या हादसा! घर के पास मिला युवक का सिरकटा शव

गुलदार के हमले की आशंका, हत्या की आशंका को लेकर भी जांच तेज, भुजियाघाट के भदयूनी गांव में आक्रोश और दहशत

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: नैनीताल के भुजियाघाट क्षेत्र अंतर्गत भदयूनी गांव में शुक्रवार सुबह एक युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान गांव निवासी कमल बिष्ट (30) के रूप में हुई है। प्रथम दृष्टया कमल की मौत गुलदार या बाग के हमले से प्रतीत हो रही है।

कमल (फाइल फोटो)।

मिली जानकारी के अनुसार, कमल बिष्ट गुरुवार रात घर से निकले थे और गांव में आयोजित एक शादी समारोह में शामिल होने गए थे, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटे। शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे उनका शव घर से लगभग 500 मीटर दूर संदिग्ध अवस्था में पड़ा मिला। शव मिलने की सूचना फैलते ही गांव में अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए। घटना के बाद गांव में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। कुछ ग्रामीणों का कहना है कि कमल की मौत गुलदार के हमले में हुई है, जबकि अन्य इसे संदिग्ध मानते हुए हत्या की आशंका जता रहे हैं। सिरकटे व निवस्त्र शव देखकर लोगों का संदेह और गहरा गया है। सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी। एसपी सिटी डॉ. जगदीश चंद्र ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला जंगली जानवर के हमले का प्रतीत हो रहा है, लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही वास्तविक कारणों का पता चलेगा। फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

घटनास्थल पर पहुंचे कालाढूंगी विधायक को लोगों के विरोध का करना पड़ा सामना। ● अमृत विचार

राजनीतिक जुड़ाव से मामला और संवेदनशील: बताया जा रहा है कि मृतक कमल बिष्ट काठगोदाम क्षेत्र से भाजपा मंडल अध्यक्ष के भाई थे।

इस कारण घटना ने राजनीतिक संवेदनशीलता भी ग्रहण कर ली है। घटना के बाद स्थानीय जनप्रतिनिधियों और नेताओं ने भी मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया।

मिलनसार व सामाजिक था कमल, मौत से गांव स्तब्ध

हल्द्वानी : परिजनों और ग्रामीणों के अनुसार, कमल बिष्ट गुरुवार को गांव में आयोजित एक शादी समारोह में शामिल हुए था, जहां उन्होंने दिनभर मेहमानों की सेवा में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। बताया जाता है कि शाम करीब 7 बजे वह घर लौट रहा था, तभी रास्ते में यह घटना घटी। कमल बिष्ट गांव में अपने मिलनसार और सभी की सेवा करने वाले स्वभाव के लिए जाने जाता था। किसी भी सामाजिक या धार्मिक आयोजन हो कमल हमेशा सबसे आगे रहते था। गांव का शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति होगा, जिसे उन्होंने कभी मदद से मना किया हो।

गुस्साए ग्रामीणों का वन विभाग के खिलाफ प्रदर्शन

घटना के बाद भदयूनी और आसपास के क्षेत्रों में दहशत है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पिछले कुछ दिनों से इलाके में गुलदार की सक्रियता बढ़ी हुई थी। ग्रामीणों के अनुसार, बीते करीब 20 दिनों में दो महिलाओं और अब एक युवक की जान जा चुकी है, जिससे लोगों में भारी आक्रोश है। आक्रोशित ग्रामीणों ने वन विभाग के खिलाफ जमकर प्रदर्शन किया। कुछ समय के लिए ग्रामीणों ने सड़क पर शव रखकर विरोध जताया और सुरक्षा की मांग की। लोगों ने मांग की कि आदमखोर गुलदार को तुरंत मार गिराया जाए। ग्रामीणों का आरोप है कि वन विभाग मानव जीवन की सुरक्षा को लेकर गंभीर नहीं है।

घटना को लेकर पुलिस व वन विभाग की जांच जारी

डीएफओ आकाश गंगवार ने बताया क्षेत्र में हुई घटना के बाद वन विभाग ने क्षेत्र में गश्त बढ़ा दी है और वन लोगों को सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं। वन विभाग की टीम द्वारा आसपास के जंगलों में गुलदार की गतिविधियों की निगरानी की जा रही है। साथ ही, ट्रैप कैमरे लगाने और आवश्यक कदम उठाने की बात कही जा रही है। फिलहाल पूरे मामले में पुलिस और वन विभाग की संयुक्त जांच जारी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि कमल बिष्ट की मौत जंगली जानवर के हमले से हुई या इसके पीछे कोई और कारण है।

> कमल जैसे इंसान बहुत कम मिलते है। वह हर किसी के सुख-दुख में खड़ा रहता था। गांव का कोई भी काम हो, सबसे पहले वही पहुंचता था। उसकी कमी कभी पूरी नहीं हो पाएगी। **-हीरा सिंह जीना**, ग्रामीण

> कमल ने कभी किसी को ना नहीं कहा। बहुत ही सीधा और मददगार लड़का था। कल तक जो दूसरों की सेवा कर रहा था, आज उसके जाने की खबर सुनकर यकीन ही नहीं हो रहा। **-गौरव रमोला**, सामाजिक कार्यकर्ता

भीमताल क्षेत्र में स्कूल दो दिन बंद

नैनीताल : भीमताल के कई ग्रामीण क्षेत्रों में आदमखोर वन्यजीव की सक्रियता को देखते हुए जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल ने प्रभावित गांवों के सभी विद्यालयों और आंगनबाड़ी केंद्रों में दो दिन का अवकाश घोषित किया है। आदेश के अनुसार ज्योली, भदयूनी, सूर्यागांव, गांजा, काठगोदाम सहित कई गांवों के सभी शासकीय, अशासकीय और निजी विद्यालय (कक्षा 1 से 12 तक) तथा आंगनबाड़ी केंद्र 25 और 27 अप्रैल को बंद रहेंगे।

बाघ के हमलों पर शासन संवदेनशील नहीं: आर्य

हल्द्वानी : नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने राज्य में बढ़ते बाघ हमलों को लेकर सरकार पर गंभीर सवाल उठाए हैं।

उन्होंने कहा कि राज्य के दूरस्थ गांवों में बाघ का आतंक लगातार बढ़ रहा है और आए दिन ग्रामीण इसकी चपेट में आ रहे हैं, लेकिन शासन-प्रशासन की संवेदनशीलता नजर नहीं आ रही है। आर्य ने कहा कि क्या सरकार की जिम्मेदारी सिर्फ फाइलों तक सीमित रह गई है और क्या ग्रामीणों की जान की कोई कीमत नहीं है। उन्होंने प्रभावित परिवारों को तत्काल मुआवजा देने व स्थानीय लोगों की आवाज को नीति निर्माण में शामिल करने की भी मांग रखी है।

बाघ ने खाया पेट, सिर धड़ से किसने किया अलग ?

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: भदयूनी गांव में मिले कमल के शव को लेकर रहस्य गहराता जा रहा है। पुलिस जहां इस घटना को बाघ का हमला बता रही है, वहीं वन विभाग के अधिकारी इसे संदिग्ध हत्या मान रहे हैं। अब पूरे मामले का सच पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

घटनास्थल पर पेट के बल पड़ा सिर कटा शव मिला, जबकि सिर कुछ दूरी पर अलग पड़ा था। गर्दन के कटे हिस्से को देखकर यह संदेह जताया जा रहा है कि इसे किसी धारदार हथियार से अलग किया गया है, क्योंकि यह सामान्य वन्यजीव हमले जैसा नहीं दिखता। हालांकि शव को पलटने पर पेट का हिस्सा बुरी तरह खाया हुआ पाया गया, जिसके आधार पर पुलिस ने बाघ के हमले की आशंका जताई है। एसपी क्राइम डॉ. जगदीश चंद्र का कहना है कि शरीर के अगले हिस्से पर पंजों और नाखूनों के निशान भी मिले हैं, जिससे बाघ के हमले की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

वहीं रामनगर के डीएफओ ध्रुव सिंह मर्तोलिया ने कहा कि फिलहाल यह तय नहीं किया जा सकता कि घटना किसी बड़े वन्यजीव (बाघ/तेंदुआ) का हमला है या नहीं। उन्होंने कहा कि मौत के वास्तविक कारण का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा।

कपड़ों को लेकर भी उठे सवाल

घटना को लेकर यह सवाल भी उठ रहा है कि यदि बाघ ने हमला किया होता तो शव के कपड़े कैसे उतरे। सामान्यत: कोई जंगली जानवर शिकार के कपड़े नहीं उतारता। आशंका जताई जा रही है कि पहले हत्या कर शव को जंगल में फेंका गया और बाद में किसी जंगली जानवर ने उसे नुकसान पहुंचाया हो।

जानवर के हमले के निशान अलग होते हैं

वन विभाग का कहना है कि जिस प्रकार से सिर को धड़ से अलग किया गया है, उससे धारदार हथियार के इस्तेमाल की आशंका मजबूत होती है। अधिकारियों के अनुसार यदि किसी बड़े जंगली जानवर ने हमला किया होता, तो घाव अनियमित और फटे हुए होते तथा शरीर के हिस्सों पर अलग तरह के निशान दिखाई देते।

ब्लॉक प्रमुख बिष्ट ने परिजनों को बंधाया ढांढस

भीमताल : ब्लॉक प्रमुख डॉ. हरीश सिंह बिष्ट ने भीमताल विकासखंड के भद्यूनी निवासी कमल सिंह बिष्ट पुत्र इंद्र सिंह बिष्ट की वन्यजीव के हमले में मौत पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए वन विभाग की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताई है। उन्होंने बताया कि उन्होंने पूर्व में प्रभागीय वनाधिकारी को क्षेत्र में बाघ की मौजूदगी की सूचना दी थी और विभाग से ठोस कदम उठाने का अनुरोध किया था, लेकिन विभाग द्वारा लापरवाही बरती गई। ब्लॉक प्रमुख ने घटना स्थल पर पहुंचकर परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने कड़े शब्दों में कहा कि भीमताल क्षेत्र में 2 किलोमीटर की परिधि में 20 दिनों के भीतर यह तीसरी घटना है, लेकिन विभाग गंभीरता नहीं दिखा रहा है। उन्होंने कहा कि लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। घटना को लेकर ग्रामीणों में वन विभाग के प्रति रोष है।

वनाग्नि बुझाते समय गिर जाने से वन कर्मी की मौत

संवाददाता, नैनीताल

- घटना से लोगों में आक्रोश, रक्षा उपकरण न होने का आरोप
- गुस्साए लोगों ने अस्पताल में किया हंगामा

अमृत विचार: शहर के बिड़ला चुंगी क्षेत्र में जंगल की आग बुझाने के दौरान वन विभाग के एक दैनिक वेतनभोगी कर्मी की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद स्थानीय लोगों और जनप्रतिनिधियों में आक्रोश देखने को मिला और अस्पताल परिसर में हंगामा किया गया।

जानकारी के अनुसार शुक्रवार सुबह बिड़ला चुंगी के पास जंगल में आग लगने की सूचना पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। आग पर काबू पाने के दौरान बिड़ला निवासी आनंद राम (30) पहाड़ी ढलान पर काम करते समय अचानक फिसलकर नीचे गिर गए। बताया जा रहा है कि उस समय उनके पास आवश्यक सुरक्षा उपकरण, जैसे फायर सूट और हेलमेट, उपलब्ध नहीं थे। घटना के बाद गंभीर रूप से घायल आनंद राम को स्थानीय लोगों की मदद से 108 एंबुलेंस के जरिए बीडी पांडे अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पूर्व सभासद दीपक कुमार 'भोलू' ने आरोप लगाया कि वन विभाग द्वारा आग बुझाने में लगे कर्मियों को बुनियादी सुरक्षा उपकरण उपलब्ध नहीं कराए जाते, जिसके चलते यह हादसा हुआ। अस्पताल पहुंचे लोगों और जनप्रतिनिधियों ने वन विभाग के खिलाफ नारेबाजी करते हुए जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई और मृतक के परिजनों को उचित मुआवजे की मांग की। वहीं वन क्षेत्राधिकारी ललित कार्की ने मामले में जांच के आदेश देते हुए कहा कि घटना की परिस्थितियों की जांच की जा रही है।

ROHILKHAND CANCER INSTITUTE
200 बेड का आधुनिक कैंसर हॉस्पिटल पिछले 5 साल से आप के बीच में
कैंसर की सम्पूर्ण देखभाल एक ही छत के नीचे
बरेली का एकमात्र PET CT
पूरे शरीर का रंगीन सीटी, कैंसर की स्टेज जानने के लिए
हमारी सेवाएं
सर्जिकल ऑन्कोलॉजी
रेडिएशन ऑन्कोलॉजी
डे केयर थेरेपी
इम्यूनोथेरेपी
कैंसर आईसीयू
फ्रोजन सेक्शन और इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री
मैमोग्राफी
कैंसर के रोकथाम की ओपीडी
इण्टरवेंशनल रेडियोलॉजी
Pradhan Mantri Jan Arogya Yojana Ayushman Bharat PM-JAY
प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना के अन्तर्गत पाँच लाख तक का इलाज मुफ्त
Call to find out more
9582831744, 9258116087
8679315050, 8679415050
www.rohilkhandcancerinstitute.com
रोहेलखण्ड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल कैम्पस
सुरेश शर्मा नगर, पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली

पर्यटकों की कार के ब्रेक फेल, पांच घायल

कालाढूंगी। कैंची धाम और नैनीताल घूमकर लौट रहे उत्तर प्रदेश के पर्यटकों की कार शुक्रवार शाम कालाढूंगी-नैनीताल मार्ग पर शिव मंदिर के पास अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में पति-पत्नी व बेटी सहित पांच लोग घायल हो गए।

पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को सीएचसी पहुंचाया गया। गंभीर रूप से घायल सुशील शुक्ला और श्रृष्टि शुक्ला को प्राथमिक उपचार के बाद हल्द्वानी रेफर किया गया, जबकि अन्य घायलों का उपचार कर छुट्टी दे दी गई। परिवार बनारस का निवासी है। चालक ने ब्रेक फेल होना हादसे का कारण बताया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। कोतवाल अरुण कुमार सैनी ने बताया कि दो पर्यटक गंभीर रूप से घायल हैं, हालांकि सभी पर्यटक अब सुरक्षित हैं।

नैनीताल से 150 किलोमीटर दूर गोनियारौ में सड़क, स्वास्थ्य और डिजिटल शिक्षा से जूझने को विवश हैं स्थानीय लोग

डिजिटल इंडिया के दौर में भी सिग्नल की तलाश में पहाड़ चढ़ रहे ग्रामीण

दान सिंह लोधियाल, धानाचूली

अमृत विचारः नैनीताल जनपद से करीब 150 किलोमीटर दूर बसे गोनियारौ गांव की तस्वीर आज भी देश के डिजिटल इंडिया दावों से मेल नहीं खाती। जहां एक ओर भारत 2G से 5G तक का सफर तय कर चुका है, वहीं उत्तराखंड के इस दूरस्थ पर्वतीय गांव में लोग आज भी मोबाइल सिग्नल के लिए पहाड़ों पर चढ़ने को मजबूर हैं।

सिग्नल के लिए पहाड़ चढ़ते हैं ग्रामीणः गांव में मोबाइल नेटवर्क की स्थिति इतनी खराब है कि फोन पर बात करने के लिए लोगों को ऊंची पहाड़ियों का सहारा लेना पड़ता है। घर के भीतर मोबाइल फोन केवल एक शोपीस बनकर रह गया है। परिजनों से संपर्क साधना यहां जोखिम भरा काम बन चुका है। इंटरनेट सुविधा भी बेहद दयनीय है। कभी-कभार बीएसएनएल का सिग्नल आता है, लेकिन कॉल कनेक्ट होते ही गायब हो जाता है। पास का ल्वाड़ डोबा गांव भी इसी समस्या से जूझ रहा है। ग्रामीणों के अनुसार, वर्ष 2017 में लगाया गया बीएसएनएल टॉवर अब महज शोपीस बनकर रह गया है। कई बार अधिकारियों और सीएम पोर्टल पर शिकायत के बावजूद हालात जस के तस हैं।

गोनियारौ गांव को जाने वाली बदहाल सड़क। ● अमृत विचार

खतरे में सफर: जर्जर सड़क बनी मुसीबत

गांव की सड़क व्यवस्था भी बेहद खराब है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत बनी सड़क जगह-जगह से टूट चुकी है और बड़े-बड़े पत्थरों से अटी पड़ी है। गर्मी और वनाग्नि के कारण पहाड़ियों से पत्थर गिरना आम हो गया है, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा लगातार बना रहता है। दोपहिया वाहन चालकों के घायल होने की घटनाएं आम हो चुकी हैं। ग्रामीणों ने कई बार सड़क सुधार और मोबाइल नेटवर्क की मांग उठाई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। हालात इतने गंभीर हैं कि किसी आपात स्थिति में सूचना देने या सहायता पहुंचने में पूरा दिन लग सकता है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों से संपर्क करना भी मुश्किल है कभी फोन स्विच ऑफ मिलता है, तो कभी नेटवर्क ही नहीं रहता। डिजिटल इंडिया के दावों के बीच गोनियारौ और ल्वाड़ डोबा जैसे गांव आज भी विकास की मुख्यधारा से कटे हुए हैं।

इंटरनेट के अभाव में पिछड़ती शिक्षा

गोनियारौ में इंटरनेट की कमी का सबसे अधिक असर बच्चों की पढ़ाई पर पड़ रहा है। स्कूलों में बच्चे डिजिटल तकनीक के बारे में केवल किताबों में पढ़ते हैं, लेकिन उसका उपयोग नहीं कर पाते। डिजिटल शिक्षा के इस दौर में यहां के छात्र तकनीकी रूप से पिछड़ते जा रहे हैं।

> गोनियारौ व ल्वाड़ डोबा में सड़क पर डामरीकरण का कार्य लोनिवि के तहत कराया जा रहा है। गोनियारौ तक सड़क सुधार की डीपीआर शासन को भेजने के निर्देश दिए गए हैं। कार्य पूरा होने पर आवागमन की दिक्कतें दूर होंगी। साथ ही नेटवर्क सुधार के लिए टॉवर की रेंज बढ़ाने के निर्देश भी दिए जाएंगे। **-राम सिंह कैड़ा**, कैबिनेट मंत्री

> डालकन्या से आगे गोनियारौ की सड़क अब पीएमजीएसवाई से स्थानांतरित होकर लोनिवि के पास आ गई है। इसे वन टाइम मेंटेनेंस योजना में शामिल किया गया है। सड़क की स्थिति बेहद खराब है और बजट बढ़ाने का प्रस्ताव भेजा गया है। स्वीकृति के बाद सुधारीकरण कार्य कराया जाएगा। **-केएस बिष्ट**, अवर अभियंता

> कई बार सड़क और मोबाइल नेटवर्क की समस्या अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के सामने रखी, लेकिन अब तक कोई सुनवाई नहीं हुई। देश डिजिटल युग में आगे बढ़ रहा है, लेकिन हमारा क्षेत्र आज भी बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहा है। **- मनोज मटियाली**, सामाजिक कार्यकर्ता

अघोषित विद्युत कटौती के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन

बिंदुखत्ता में लगातार हो रही अघोषित विद्युत कटौती, लोग परेशान

विद्युत कटौती के खिलाफ विद्युत घर पहुंचकर प्रदर्शन करते लोग। ● अमृत विचार

संवाददाता, लालकुआं

अमृत विचारः नगर और बिंदुखत्ता क्षेत्र में लगातार हो रही अघोषित विद्युत कटौती से परेशान स्थानीय निवासियों का गुस्सा शुक्रवार को सड़कों पर फूट पड़ा। नगर कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं और क्षेत्रीय लोगों ने विद्युत घर पहुंचकर प्रदर्शन किया।

प्रदर्शनकारियों ने बिजली विभाग के खिलाफ नारेबाजी करते हुए आरोप लगाया कि बिना पूर्व सूचना के घंटों बिजली कटौती की जा रही है, जिससे आम जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हो गया है। भीषण गर्मी में लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, विशेषकर बुजुर्गों, बच्चों और मरीजों के लिए स्थिति और भी गंभीर है। इस दौरान नगर कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर तत्काल बिजली व्यवस्था सुधारने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द अघोषित कटौती पर रोक नहीं लगाई गई और आपूर्ति व्यवस्था सामान्य नहीं हुई तो कांग्रेस पार्टी क्षेत्रीय जनता के साथ मिलकर आंदोलन करने को बाध्य होगी। वहीं विभाग के अधिकारियों ने जल्द समाधान का आश्वासन दिया। इस मौके पर नगर कांग्रेस अध्यक्ष भवन पांडे, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता हरेंद्र बोरा, बिना जोशी, शहीद सिद्दीकी, विनय रजवार, नरेश चौधरी, मनोज दिवाकर, सुरेंद्र सिंह बिष्ट, वरुण पाठक, विशाल सेन, करण तिवारी, हेमंत पांडे, अमजद खान, दीपक बत्रा, रौनक चंद, मनोज झा रहे।

जनहानि रोकने और सुरक्षात्मक उपायों के संदर्भ में ज्ञापन सौंपा

भीमतालः विकासखंड भीमताल के ग्राम प्रधान संगठन ने वन्यजीवों द्वारा हो रही जनहानि को रोकने के लिए सुरक्षात्मक उपाय किए जाने की मांग को लेकर मुख्य विकास अधिकारी को ज्ञापन सौंपा।

प्रधान संगठन के अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह गंगोला के नेतृत्व में दिए गए ज्ञापन में बताया गया कि विकासखंड भीमताल सहित विधानसभा क्षेत्र भीमताल में पिछले तीन वर्षों में आदमखोर बाघ और गुलदार द्वारा 6 महिलाओं सहित कुल 7 लोगों की जान जा चुकी है। इसी माह अप्रैल में ज्योलीस्यूंर और भद्यूनी ग्राम पंचायतों में भी एक-एक जनहानि हुई है। इन घटनाओं के चलते क्षेत्र में भय और दहशत का माहौल है तथा जनजीवन प्रभावित हो रहा है। स्कूली बच्चे स्कूल जाने से डर रहे हैं, जबकि ग्रामीण महिलाएं पशुओं के लिए चारा लेने जंगलों में जाने से परहेज कर रही हैं। इन समस्याओं को देखते हुए संगठन ने मांग की है कि आदमखोर वन्यजीवों को पकड़ने या आवश्यक होने पर उन्हें नियंत्रित करने के लिए उचित आदेश निर्गत किए जाएं। ज्ञापन सौंपने वालों में ग्राम प्रधान संगठन के कई पदाधिकारी रहे।

मनरेगा सोशल ऑडिट की तिथि आगे बढ़ाने की मांग

खंड विकास अधिकारी को ज्ञापन सौंपते प्रधान संगठन के पदाधिकारी। ● अमृत विचार

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचारः ग्राम प्रधान संगठन के पदाधिकारियों ने सुरक्षा की दृष्टि से मनरेगा सोशल ऑडिट की तिथि आगे बढ़ाए जाने की मांग की है। इस संबंध में उन्होंने सीडीओ को संबोधित ज्ञापन खंड विकास अधिकारी भीमताल को सौंपा।

ज्ञापन में बताया गया कि भीमताल में 3 मई 2026 से 28 मई 2026 तक सभी ग्राम पंचायतों में मनरेगा योजनाओं का सोशल ऑडिट प्रस्तावित है। लेकिन क्षेत्र में बाघ के बढ़ते आतंक के कारण स्थिति गंभीर बनी हुई है। ग्राम पंचायत सूर्यागांव, मालवाताल, ज्योली, बल्यूटी, पिनरो, जंगलिया गांव, चनौती समेत विकासखंड के समीप भक्त्यूड़ा क्षेत्र में आदमखोर बाघ कई लोगों को अपना शिकार बना चुका है। बताया गया कि पिछले तीन दिनों में ही दो लोगों की मौत हो चुकी है। ग्रामीणों ने कहा कि कई ग्राम पंचायतें दूर-दराज और जंगल क्षेत्रों में स्थित हैं, ऐसे में ऑडिट टीम का वहां रुकना और कार्य करना सुरक्षा की दृष्टि से जोखिमपूर्ण है। वर्तमान परिस्थितियों में उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना भी संभव नहीं है। इस दौरान ग्राम प्रधान संगठन के अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह गंगोला (चकबहेड़ी), प्रधान हेडियागांव, प्रधान सोनगांव, प्रधान मेहरागांव सहित कई ग्राम प्रधान मौजूद रहे।

ओवररेटिंग पर सख्ती, 15 निरीक्षण समितियां गठित

नैनीताल : नैनीताल में पर्यटन सीजन के दौरान पर्यटकों से ओवररेटिंग और अभद्रता की शिकायतों पर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। एसडीएम नवाजिश खलीक ने स्पष्ट किया है कि होटल, रिजॉर्ट, होमस्टे या गेस्टहाउस में किसी भी प्रकार की अनियमितता मिलने पर संचालकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

इस संबंध में जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल के निर्देश पर शहर में वार्डवार 15 निरीक्षण समितियों का गठन किया गया है। इन समितियों में राजस्व विभाग, नगर पालिका और जिला विकास प्राधिकरण के कुल 45 कर्मियों को शामिल किया गया है। एसडीएम नवाजिश खलीक ने बताया कि सभी समितियां अपने-अपने क्षेत्रों में होटल, रिजॉर्ट, होमस्टे और गेस्टहाउस का निरीक्षण करेंगी। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से वीकेंड के दौरान अभियान को अधिक सक्रियता से चलाया जाएगा। प्रत्येक समिति को निरीक्षण के बाद अपनी दैनिक रिपोर्ट नैनीताल तहसीलदार को सौंपनी होगी। प्रशासन ने साफ किया है कि यदि किसी भी प्रतिष्ठान में गंभीर अनियमितता या पर्यटकों के साथ दुर्व्यवहार की शिकायत पाई गई, तो सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जवाहर नवोदय विद्यालय में चयनित छात्र अपने शिक्षकों के साथ। ● अमृत विचार

पांच छात्रों का जवाहर नवोदय विद्यालय में चयन

रामनगर, अमृत विचार : रामनगर स्थित जय मोहन इंटर कॉलेज कानिया के पांच छात्रों ने जवाहर नवोदय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। चयनित छात्रों में हर्षित उपाध्याय, अक्षत, इशांक पांडे, रनवीर राय और नैतिक राणा शामिल हैं। इस उपलब्धि से विद्यालय में खुशी का माहौल है और इसे लगातार शैक्षिक प्रगति का परिणाम बताया जा रहा है। विद्यालय के प्रधानाचार्य महेश दत्त तिवाड़ी ने बताया कि यह सफलता छात्रों की मेहनत और शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। विद्यालय के संरक्षक गोपाल दत्त जोशी, उप प्रधानाचार्य देवेंद्र सिंह मनराल और प्रबंधक अमन जोशी ने सभी चयनित छात्रों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि अन्य छात्रों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनेगी। छात्रों की इस सफलता में शिक्षक प्रमोद कुमार बनकोटी सहित समस्त शिक्षकों के निरंतर मार्गदर्शन और सहयोग को महत्वपूर्ण बताया गया।

महिला जनप्रतिनिधि हुईं सम्मानित

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचारः रामनगर में राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने महिला जनप्रतिनिधियों के सम्मान में कार्यक्रम आयोजित किया। इस मौके पर पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी द्वारा पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने के 33 वर्ष पूर्ण होने पर उन्हें याद किया गया।

कांग्रेस कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में महिला जनप्रतिनिधियों को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि पूर्व विधायक रणजीत रावत ने कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार महिला आरक्षण के साथ परिसीमन को जोड़कर इसे जटिल बना रही है, जबकि पंचायतों में राजीव गांधी द्वारा शुरू की गई आरक्षण व्यवस्था ने महिला सशक्तिकरण की मजबूत नींव रखी। उन्होंने कहा कि स्थानीय निकायों में महिलाओं की भागीदारी लोकतंत्र को मजबूत करती है और उत्तराखंड विधानसभा में भी 33 प्रतिशत महिला आरक्षण जल्द लागू किया जाना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन जिला उपाध्यक्ष अनिल अग्रवाल 'खुलासा' ने किया। इस अवसर पर महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष खस्टी बिष्ट, काशीपुर महानगर अध्यक्ष अलका पाल, नगर अध्यक्ष भुवन शर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष देशबंधु रावत, ब्लॉक अध्यक्ष मालधन ओम प्रकाश, नगर अध्यक्ष महिला कांग्रेस ललित उपाध्याय, ब्लॉक अध्यक्ष महिला कांग्रेस उषा जोशी, ब्लॉक अध्यक्ष महिला कांग्रेस मालधन पुष्पा देवी, पूर्व ब्लॉक प्रमुख बसंती आर्या आदि मौजूद रहे।

कार्यक्रम में सम्मानित महिला जनप्रतिनिधि व कांग्रेस पदाधिकारी। ● अमृत विचार

एक माह बाद भी नहीं हटा धर्मशाला पर गिरा पेड़

कालाढूंगी, अमृत विचार : रामनगर वन प्रभाग के कोटा रेंज में स्थित सीतावनी मंदिर में विगत दिनों आए तूफान के कारण विशाल हल्दू का वृक्ष गिरने से पुरातत्व विभाग के अंतर्गत आने वाली सीतावनी धाम की धर्मशाला की छत और महाराज की कुटिया पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त हो गई। एक माह से अधिक समय बीत जाने के बावजूद वन विभाग द्वारा पेड़ नहीं हटाया गया है। सीतावनी मंदिर धार्मिक और पर्यटन दोनों दृष्टियों से प्रसिद्ध है। यह शांत और पवित्र स्थल है, जहां पौराणिक मान्यताओं के अनुसार माता सीता ने वनवास के दौरान समय बिताया और लव-कुश का जन्म हुआ। 15 मार्च को आए आंधी-तूफान में यह पेड़ गिरने से धर्मशाला और दयालु महाराज की कुटिया क्षतिग्रस्त हो गई थी। मंदिर कमेटी के अध्यक्ष दयालु महाराज ने विधायक दीवान सिंह बिष्ट और ब्लॉक प्रमुख मनीषा जंतवाल से पुनर्निर्माण में सहयोग की मांग की है। समिति सदस्य गिरीश पड़लिया ने बताया कि पेड़ हटने के बाद निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा। वहीं डीएफओ ध्रुव सिंह मर्तोलिया ने शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

सीतावनी आश्रम में विशालकाय पेड़ गिरने से क्षतिग्रस्त आश्रम व कुटिया।

लाभार्थियों को चेक वितरित करते विधायक दीवान सिंह बिष्ट। ● अमृत विचार

129 लोगों को सीएम विवेकाधीन कोष के चेक बांटे

रामनगर, अमृत विचार : विधायक दीवान सिंह बिष्ट ने मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से 129 पात्र परिवारों को पुत्री विवाह, उपचार एवं अन्य सहायतार्थ कुल 12.40 लाख रुपये की आर्थिक सहायता के चेक वितरित किए। यह वितरण भाजपा पदाधिकारियों एवं राजस्व उपनिरीक्षकों की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर विधायक बिष्ट ने लाभार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा सरकार हर पात्र परिवार तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि लाभार्थियों को दी गई धनराशि का उपयोग उसी उद्देश्य के लिए करना चाहिए, जिसके लिए यह सहायता प्रदान की गई है। इस कार्यक्रम में भाजपा ग्रामीण मंडल अध्यक्ष घनश्याम शर्मा, मालधन मंडल अध्यक्ष प्रेम कुमार आर्या, क्षेत्र पंचायत प्रतिनिधि पृथ्वी रावत, चंदन अधिकारी, डोरी लाल, वार्ड मेंबर राहुल रावत, महामंत्री दीपक राणा, प्रतिनिधि आशीष कुमार, मनमोहन सिंह बिष्ट, दिवेक सम्मल, अमर सैनी, मनोज पांडे, राजस्व उपनिरीक्षक गोविंद सिंह अधिकारी, सहायक हरीश सिंह, देवेंद्र मेहरा, प्रकाश थापा आदि मौजूद रहे।

आयोजन नैनीताल में पोएट्री : ए टूल फॉर सोशल अवेकनिंग' विषय पर एक व्याख्यान

कविता सामाजिक जागरुकता का सशक्त माध्यम

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचारः नैनीताल स्थित डीएसबी परिसर के समाजशास्त्र विभाग एवं विजिटिंग प्रोफेसर निदेशालय के संयुक्त तत्वावधान में 'पोएट्रीः ए टूल फॉर सोशल अवेकनिंग' विषय पर एक व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किया गया।

मुख्य वक्ता 'आगाज पोएट्री मूवमेंट' के संस्थापक अमिताभ सिंह बघेल रहे। समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. ज्योति जोशी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि समाजशास्त्र के अध्ययन के साथ कविता का पठन भी अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि कई बार दो पंक्तियां वह प्रभाव छोड़ जाती हैं, जिसे विस्तृत शोध भी पूरी तरह व्यक्त नहीं कर पाता। अपने व्याख्यान में अमिताभ सिंह बघेल ने उर्दू एवं हिंदुस्तानी शायरी की समृद्ध परंपरा पर प्रकाश डालते हुए बताया कि कविता सदैव सामाजिक जागरुकता का एक सशक्त माध्यम रही है।

उन्होंने कबीर, फैज अहमद फैज, साहिर लुधियानवी, कैफी आजमी, हबीब जालिब, अदम गोंडवी और मखदूम मोहिउद्दीन जैसे महान रचनाकारों के उदाहरण प्रस्तुत करते हुए समझाया कि किस प्रकार कविता सामाजिक विसंगतियों, जातीय भेदभाव, लैंगिक असमानता और युद्ध जैसी समस्याओं पर प्रहार करती है और समाज को जागरूक बनाती हैं। उन्होंने अपनी पुस्तक 'जिंदगी से डरते हो' का भी उल्लेख किया। सेवानिवृत्त प्रो. नीरजा टंडन ने साहित्य को मन का भोजन बताते हुए कहा कि साहित्य न केवल यथार्थ को दर्शाता है, बल्कि यह भी दिखाता है कि समाज को किस दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। प्रभारी परिसर निदेशक प्रो. चंद्रकला रावत ने कहा कि कबीर से लेकर कुमाऊं के गुमानी पंत तक, सभी रचनाकारों ने मानवता को जागृत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मुख्य वक्ता अमिताभ सिंह बघेल को सम्मानित किया गया। यहां प्रो. ललित तिवारी, प्रो. प्रियंका नीरज रुवाली, प्रो. हरीश बिष्ट, प्रो. नीलू लोधियाल, प्रो. सुषमा टम्टा रहे।

नैनीताल में आयोजित व्याख्यान में अतिथि को सम्मानित करते आयोजक।

पहाड़ी पैंथर्स ने हल्द्वानी राउडी को पराजित किया

कालाढूंगी : देवभूमि कप क्रिकेट टी20 टूर्नामेंट के दूसरे दिन पहाड़ी पैंथर्स ने हल्द्वानी राउडी को 100 रनों से हराकर शानदार जीत दर्ज की।

पूर्व ब्लॉक प्रमुख स्व. बलवंत सिंह कन्याल की स्मृति में आयोजित यह टूर्नामेंट कॉर्बेट एकेडमी में खेला जा रहा है। पहाड़ी पैंथर्स की टीम ने धमाकेदार प्रदर्शन करते हुए 20 ओवर में मात्र 2 विकेट खोकर 261 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। टीम के गौरव और निखिल ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 80-80 रनों की आतिशी पारियां खेलीं। निखिल ने मात्र 25 गेंदों में 80 रन बनाकर मैच का रुख मोड़ दिया। हल्द्वानी राउडी की टीम 161 रनों पर सिमट गई। यहां दीपाली कन्याल, मंडल अध्यक्ष विक्रम जंतवाल, अरविंद कुमार, विनोद बुढलाकोटी, किशोर देउपा, खीम सिंह बोरा, गोविंद पांडे रहे।

सिटी ब्रीफ

प्रगणकों व सुपरवाइजरों को बांटी जनगणना किट

हल्द्वानी : जनगणना में ड्यूटी को लेकर शुक्रवार को नगर निगम में कर्मचारियों को जनगणना किट बांटी गई। निगम सभागार में हुए कार्यक्रम के दौरान किटों का वितरण किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में शिक्षक व अन्य कर्मचारी मौजूद रहे। जनगणना ड्यूटी में प्रगणकों और सुपरवाइजर के रूप में ड्यूटी लगाई गई है। इसके लिए दो तरह के किट बांटे गए हैं। पहला किट प्रगणकों को दिया गया है, जिसमें राइटिंग बोर्ड, बैग, नोटपैड, कैप और आईडी कार्ड होल्डर शामिल हैं। इसी तरह दूसरी किट सुपरवाइजरों को दी गई हैं। इसमें इरेजर, पेन, पेंसिल, शार्पनर और मार्कर पेन शामिल हैं। शहर में जनगणना ड्यूटी में करीब 600 प्रगणक और 115 सुपरवाइजर शामिल हैं।

बाइक पर मिला नाबालिग मालिक पर मुकदमा दर्ज

हल्द्वानी : काठगोदाम थाना क्षेत्र में एसआई अरुण सिंह राणा ने दमुवाढूंगा क्षेत्र में चेकिंग के दौरान कालटैक्स तिराहा काठगोदाम पर एक बिना नंबर प्लेट की स्पोर्ट्स बाइक को रोका। वाहन चालक 16 साल का निकला। उसके पास न तो लाइसेंस था और न ही हेलमेट। जांच में बाइक ओखलकांडा निवासी ललित मोहन के नाम पर रजिस्टर्ड थी। पुलिस ने ललित को फोन किया तो फोन नहीं उठा। जिस पर पुलिस ने चालान कर वाहन को सीज कर दिया। नाबालिग को उसके चचेरे भाई के सुपुर्द कर दिया गया। जबकि वाहन स्वामी के खिलाफ केस दर्ज किया गया।

जनगणना में लगा दी डबल ड्यूटी शिक्षक नाराज, डीएम ने समझाया

ड्यूटी को लेकर दिनभर हुए हंगामे के बाद जिलाधिकारी एलएम रयाल के आदेश पर हुई वार्ता

संवाददाता, हल्द्वानी

डीएम ललित रयाल से मुलाकात के दौरान मौजूद शिक्षक, साथ में मौजूद सिटी मजिस्ट्रेट एपी बाजपेयी। ● अमृत विचार

अमृत विचार : जिले में शिक्षकों की जनगणना ड्यूटी को लेकर घमासान मचा हुआ है। ड्यूटी में संशोधन को लेकर शिक्षक दिनभर भागदौड़ करते रहे। खासकर जनगणना कार्य में ड्यूटी लगने के साथ ही स्कूलों में पढ़ाने के डबल ड्यूटी के आदेश का शिक्षकों ने विरोध किया। उन्होंने दिक्कतों को लेकर डीएम से मुलाकात की।

बताया कि कई शिक्षकों की ड्यूटी उनके स्कूल से कई किमी दूर लगाई गई है। कई स्कूलों के प्रधानाचार्यों, दिव्यांगों और आवश्यक सेवा वाले शिक्षकों की ड्यूटी भी लगाई गई है। जिस पर डीएम ने सिटी मजिस्ट्रेट एपी बाजपेयी को मध्यस्थता कर शिक्षकों से वार्ता कर समस्या का हल निकालने के निर्देश दिए। दोपहर तक डबल ड्यूटी को लेकर जारी आदेश पर अटकलें चलती रहीं। अंततः सिटी मजिस्ट्रेट एपी बाजपेयी और नगर आयुक्त परितोष वर्मा ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों और शिक्षक संगठनों के साथ वीसी के माध्यम से वार्ता की। राजकीय शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष गिरीश चंद्र जोशी ने कहा कि डबल ड्यूटी को लेकर सभी शिक्षक सहयोग करने पर सहमत हैं। बताया कि डीएम की ओर से भी कार्यक्षेत्र के आसपास ही जनगणना ड्यूटी लगाने के लिए आश्वस्त किया गया है। जिससे स्कूलों में शिक्षण ठप नहीं होगा। डीएम से मुलाकात करने वालों में प्राथमिक शिक्षक संगठन के जिला मंत्री डिकर सिंह पडियार, राजकीय शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष गिरीश जोशी, मदन गिरी गोस्वामी, हेमचंद्र पाठक रहे।

नहीं खुल रहा ड्यूटी का लिंक: जनगणना ड्यूटी के लिए उनके पंजीकृत फोन नंबर पर एक लिंक मिल रहा है। कई शिक्षकों ने बताया कि उनके फोन पर मिले अधिकारिक लिंक खुल नहीं पा रहा है। उन्हें ड्यूटी स्थल का पता नहीं चल रहा।

पहाड़ से मैदान को ड्यूटी की दौड़, अपने ही शहर में ड्यूटी नहीं करना चाहते शिक्षक

जनगणना में एक चौंकाने वाली बात सामने आई है, जिसमें कई शिक्षक ऐसे हैं, जो जिले के पर्वतीय क्षेत्रों से हल्द्वानी आकर ड्यूटी करने के इच्छुक हैं। जबकि शहर में ही ड्यूटी करने वाले शिक्षक मनपसंद जगह पर ही जनगणना ड्यूटी करना चाहते हैं। इसके पीछे एक वजह यह भी बताई जा रही है कि पर्वतीय क्षेत्रों में दुर्गम क्षेत्र होने के कारण भवन गणना व अन्य कार्यों में कठिनाई होती है। इसके अलावा कई शिक्षक जिनका परिवार शहर में रहता है, उन्हें ड्यूटी के बाद परिवार के साथ रहने का मौका मिलता है। शहर में घनी आबादी वाला क्षेत्र होने व एकसाथ घर होने से सहूलियत होती है, लेकिन कई शिक्षक यहां भी अपनी सुविधा का ध्यान रखते हुए ड्यूटी करने के लिए तैयार नहीं हैं। ऐसे ही एक शिक्षक ने जिले के पर्वतीय क्षेत्र से ड्यूटी हटवाकर अपनी ड्यूटी हल्द्वानी में लगवाई।

आज से हर द्वार दस्तक देने पहुंचेंगे प्रगणक

हल्द्वानी : जनगणना-2027 के अंतर्गत स्वगणना की मियाद शुक्रवार को समाप्त हो गई। पहली बार हो रही ऑनलाइन स्वगणना में सरकारी अधिकारी-कर्मी समेत नागरिकों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। इस स्वगणना का उद्देश्य जनसंख्या से संबंधित सटीक और अपडेट आंकड़े जुटाना है।

नगर आयुक्त परितोष वर्मा ने बताया कि 10 अप्रैल से अधिकारिक तौर पर स्वगणना शुरू हो गई थी। इसमें जनगणना निदेशालय की ओर से जारी लिंक के जरिए अपनी संपूर्ण जानकारी दी जा सकती है। स्वगणना को लेकर जनता में काफी उत्साह व जागरूकता देखने को मिली। उन्होंने कहा कि नगर निगम व जिला प्रशासन ने भी सोशल मीडिया समेत विभिन्न माध्यमों से लोगों को स्वगणना के प्रति जागरूक किया था। इन आंकड़ों के सत्यापन और विश्लेषण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। संबंधित विभाग इन आंकड़ों के आधार पर भविष्य की योजनाओं और नीतियों को अंतिम रूप देंगे। उन्होंने बताया कि कि डोर टू डोर गणना आज से शुरू होगी। 25 अप्रैल से 24 मई तक होने वाली इस गणना में मकान सूचीकरण व भवन गणना की जाएगी। 33 बिंदुओं पर डाटा एकत्र किया जाएगा। राज्य में 20,859 प्रगणक और 3,670 पर्यवेक्षक तैनात किए गए हैं।

3.89 लाख बच्चों को कृमि नाशक दवा खिलाने का लक्ष्य

मीटिंग करते सीएमओ डॉ. हरीश चंद्र पंत। ● अमृत विचार

संवाददाता, हल्द्वानी/नैनीताल

अमृत विचार: नैनीताल जिले में 7 मई को राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस अभियान के तहत 1 से 19 वर्ष तक के 3,89,860 बच्चों को एल्बेंडाजोल की दवा खिलाने का लक्ष्य है। अभियान को सफल बनाने के लिए मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एचसी पंत की अध्यक्षता में शिविर कार्यालय हल्द्वानी में निजी स्कूल संगठनों के साथ बैठक हुई।

बैठक में खंड शिक्षा अधिकारी तारा सिंह, निजी स्कूल एसोसिएशन के सचिव मनी जोशी आदि रहे। सीएमओ ने निजी स्कूल संगठनों से अपील की कि वे अपने-अपने विद्यालयों में अधिक से अधिक बच्चों को दवा खिलाने के लिए जागरूकता फैलाएं और प्रधानाचार्यों को सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करें। डॉ. पंत ने बताया कि यह दवा पूरी तरह सुरक्षित है और कई वर्षों से बच्चों को नियमित रूप से दी जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि 7 मई को सभी आंगनबाड़ी केंद्रों, सरकारी एवं निजी स्कूलों में दवा खिलाई जाएगी। जो बच्चे किसी कारणवश उस दिन दवा लेने से वंचित रह जाएंगे, उन्हें 14 मई को मॉप-अप राउंड के दौरान दवा दी जाएगी।

अभियान की निगरानी के लिए पूरे जनपद में चिकित्सा अधिकारियों की टीम गठित की गई है, जिनके संपर्क नंबर शिक्षा विभाग को उपलब्ध करा दिए गए हैं। बैठक में अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. श्वेता भंडारी, जिला कार्यक्रम पर प्रबंधक मदन मेहरा, दीवान बिष्ट, हेम जलाल, पूर्णिमा जंतवाल, आरती रहे।

प्रादेशिक पुलिस हॉकी प्रतियोगिता शुरू

संवाददाता, हल्द्वानी

हॉकी प्रतियोगिता के दौरान डीएम ललित मोहन रयाल व एसएसपी मंजूनाथ टीसी।

अमृत विचार: वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. मंजूनाथ टीसी के नेतृत्व में जनपद नैनीताल के मानसभंडार खेल परिसर, अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम गौलापार में 23वीं प्रादेशिक जनपद/वाहिनी पुलिस हॉकी प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। प्रतियोगिता का उद्घाटन जिलाधिकारी नैनीताल ललित मोहन रयाल ने किया।

उद्घाटन समारोह में पुलिस अधीक्षक डॉ. जगदीश चंद्र, पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार कत्याल, एसपी रेवाधर मठपाल सहित विभिन्न क्षेत्राधिकारी, निरीक्षक व थाना प्रभारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान टीमों का फॉल-इन, मुख्य अतिथि का स्वागत, टीम परिचय, मार्च पास्ट एवं सलामी दी गई।

इसके बाद मुख्य अतिथि ने प्रतियोगिता के शुभारंभ की औपचारिक घोषणा की। गत वर्ष के व्यक्तिगत चैंपियन एवं नैनीताल टीम के कप्तान ने सभी खिलाड़ियों को खेल भावना और अनुशासन की शपथ दिलाई। प्रतियोगिता में कुल नौ टीमें भाग ले रही हैं, जिनमें जनपद अल्मोड़ा, पिथौरागढ़, ऊधमसिंह नगर, 31वीं वाहिनी पीएसी, 40वीं वाहिनी पीएसी, 46वीं वाहिनी पीएसी, आईआरबी प्रथम, आईआरबी द्वितीय और जनपद नैनीताल शामिल हैं। प्रतियोगिता का समापन समारोह 26 अप्रैल को आयोजित किया जाएगा।

उद्घाटन दिवस के परिणाम

पहले मैच में 46वीं वाहिनी पीएसी ने जनपद नैनीताल को 7-0 से हराया। दूसरे मैच में आईआरबी प्रथम ने 40वीं वाहिनी पीएसी को 4-1 से पराजित किया। तीसरे मैच में 31वीं वाहिनी पीएसी ने जनपद पिथौरागढ़ को 6-1 से मात दी। चौथे मैच में ऊधमसिंह नगर ने जनपद अल्मोड़ा को 4-1 से हराया।

भीमताल, कैंची धाम के लिए ट्रैफिक प्लान लागू

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: कैंची धाम, भवाली और भीमताल क्षेत्र में वीकेंड पर बढ़ने वाले यातायात दबाव को देखते हुए पुलिस ने विशेष ट्रैफिक और डायवर्जन प्लान लागू किया है। यह व्यवस्था शनिवार व रविवार को प्रभावी रहेगी, जिससे पर्यटकों को सुगम यातायात मिल सके।

योजना के तहत अल्मोड़ा और रानीखेत की ओर से हल्द्वानी आने वाले भारी वाहनों को क्वारब और खैरना से डायवर्ट कर रामगढ़-मुक्तेश्वर मार्ग से भेजा जाएगा, ताकि कैंची धाम और भवाली क्षेत्र में जाम की स्थिति न बने। वहीं, हल्द्वानी से पर्वतीय क्षेत्रों की ओर जाने वाले आवश्यक सेवाओं के भारी वाहनों को निर्धारित मार्ग से जाने की अनुमति रहेगी, जबकि अन्य भारी वाहनों को यातायात दबाव के अनुसार मस्जिद तिराहा, भवाली से पहले रोका जा सकता है या रामगढ़ और खुटानी मार्ग से डायवर्ट किया जाएगा।

भीमताल मार्ग से कैंची धाम जाने वाले पर्यटकों के निजी वाहनों को भीमताल स्थित विकास भवन पार्किंग में खड़ा कराया जाएगा। यहां से श्रद्धालुओं को शटल सेवा के माध्यम से भवाली और कैंची धाम तक पहुंचाया जाएगा। इसी प्रकार, गेठिया-नैनीताल मार्ग से आने वाले पर्यटकों के वाहनों को भवाली सैनेटोरियम पार्किंग में रोका जाएगा और वहां से भी शटल सेवा के जरिए मंदिर तक भेजा जाएगा। पुलिस ने सभी वाहन चालकों से वीकेंड के दौरान ट्रैफिक प्लान का पालन करने की अपील की है।

दीक्षांत में 'लिटराटी' साहित्य उत्सव शुरू

संवाददाता, हल्द्वानी

दीक्षांत स्कूल में प्रबंधक समित टिक्कू, मुख्य अतिथि लेखक अशोक पांडे व प्रधानाचार्य।

अमृत विचार: दीक्षांत इंटरनेशनल स्कूल में शुक्रवार को दो दिवसीय साहित्य उत्सव 'लिटराटी' का शुभारंभ हुआ। 'ए सेलिब्रेशन ऑफ लिटरेचर, आर्ट एंड एक्सप्रेशन' थीम पर आयोजित इस कार्यक्रम में पहले दिन विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम के पहले दिन लेखक अशोक पांडे ने 'लप्पूझन्ना' पर आधारित सत्र में विद्यार्थियों को कहानी-कथन से जोड़ा। वहीं चारु तिवारी की 'चोर मचाए शोर' प्रस्तुति ने बच्चों का खासा ध्यान आकर्षित किया। उत्सव के तहत विभिन्न कक्षाओं के लिए रीसिटेशन, ओपन माइक, जैम सेशन, साउंड सिम्फनी और कविता सम्मेलन जैसी गतिविधियों का आयोजन किया गया। छोटे बच्चों ने आर्ट कॉर्नर में भी अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन किया।

कक्षा एक और दो के विद्यार्थियों ने रीसिटेशन में भाग लिया, जबकि कक्षा तीन से पांच तक के छात्रों के लिए ओपन माइक और जैम सेशन आयोजित किए गए। कक्षा छह से इंटरमीडिएट तक के विद्यार्थियों ने ओपन माइक, साउंड सिम्फनी और हरफनमौला संस्था के सहयोग से आयोजित स्वरचित हिंदी कविता सम्मेलन में भाग लिया। मोनोलॉग और संवाद अदायगी के माध्यम से छात्रों ने अभिनय कौशल का भी प्रदर्शन किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य और प्रबंधन ने विद्यार्थियों को साहित्य और रचनात्मक अभिव्यक्ति के महत्व से अवगत कराया। इस अवसर पर प्रबंधक समित टिक्कू, डायरेक्टर स्मृति टिक्कू, प्रधानाचार्य रूपक पांडे सहित विद्यालय परिवार के सदस्य उपस्थित रहे।

पदक जीतकर बढ़ाया उत्तराखंड का मान

संवाददाता, हल्द्वानी

प्रमाण-पत्र हासिल करते रजनीश यादव मेडल दिखाते हुए। ● अमृत विचार

अमृत विचार: असम, डॉन बॉस्को यूनिवर्सिटी, गुवाहाटी में आयोजित 8वीं यूथ पुरुष एवं महिला बॉक्सिंग चैंपियनशिप (13 से 19 अप्रैल) में हल्द्वानी, नैनीताल के प्रतिभाशाली मुक्केबाज रजनीश यादव ने 70-75 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक जीतकर उत्तराखंड और नैनीताल जिले का नाम रोशन किया है।

कोच भूपेश कुमार भट्ट ने बताया कि रजनीश इससे पहले सीबीएसई जोनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2024-25 एवं 2025-26 में स्वर्ण पदक जीत चुके हैं तथा सीबीएसई नेशनल बॉक्सिंग टूर्नामेंट में भी प्रतिभाग कर अपनी प्रतिभा का परिचय दे चुके हैं। खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर बॉक्सिंग के जनक मुखर्जी निर्वाण, प्रदेश बॉक्सिंग एसोसिएशन के महासचिव गोपाल खोलिया, कोषाध्यक्ष नवीन टम्टा, कोच अजय कुमार, गौरव भंडारी, पुष्पा कार्की धर्मवाल, मनोज कुमार और राष्ट्रीय रेफरी संजय अधिकारी सहित कई खेल प्रेमियों ने खुशी जताई है।

हल्द्वानी क्रिकेटर्स क्लब ने जीता मुकाबला

संवाददाता, हल्द्वानी

जिला क्रिकेट लीग के उद्घाटन पर मुख्य अतिथि पार्षद मुकुल बल्यूटिया व खिलाड़ी।

अमृत विचार: जिला नैनीताल क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से आयोजित अंडर-16 बालक वर्ग जिला क्रिकेट लीग का उद्घाटन मुकाबला शुक्रवार को जीएनजी क्रिकेट एरैना में खेला गया। मुकाबला कुमाऊं क्रिकेट अकादमी और हल्द्वानी क्रिकेटर्स क्लब के बीच हुआ, जिसमें एचसीसी ने 34 रनों से शानदार जीत दर्ज की।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी एचसीसी की टीम 44वें ओवर में 183 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। टीम की ओर से देवांश ने 68 रनों की अहम पारी खेली, जबकि दक्ष ने 27 और तुषार ने 19 रन बनाए। कुमाऊं क्रिकेट अकादमी की ओर से अक्षत पांडे ने 4 विकेट, आदर्श कुमार ने 3 और अमन ने 2 विकेट झटके। 184 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी कुमाऊं क्रिकेट अकादमी की टीम 45वें ओवर में 149 रन पर सिमट गई। टीम की ओर से कप्तान आदर्श कुमार ने 31, अक्षत पांडे ने 30, गौरव ने 29 और अभय पाठक ने 27 रनों का योगदान दिया, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। एचसीसी की ओर से हार्दिक पंत ने 4 विकेट, अंकुश शर्मा ने 3 और विनय जोशी ने 2 विकेट हासिल किए। अंकुश शर्मा को मैन ऑफ द मैच चुना गया। मैच में अंपायर की भूमिका कुशाग्र सिंह और विनोद पंतोला ने निभाई, जबकि स्कोरर निकित जोशी रहे। मुख्य अतिथि पार्षद मुकुल बल्यूटिया ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर मैच का शुभारंभ किया। इस दौरान जिला नैनीताल क्रिकेट एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष कमल पपनै सहित किशन अनेरिया, नरेंद्र अधिकारी, नीरज डसीला, दिग्विजय कनवाल रहे।

समस्याओं को लेकर मेयर को सौंपा ज्ञापन

हल्द्वानी : नगर निगम के अखिल भारतीय सफाई मजदूर संघ ने सफाई कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर मेयर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में संघ पदाधिकारियों के लिए नगर निगम में बैठक कक्ष व फर्नीचर उपलब्ध कराने, अस्थायी कर्मचारियों को गोल्डन कार्ड सुविधा देने और साल 2022 की वेतन वृद्धि का बकाया एरियर भुगतान कराने की मांग की।

साथ ही नए वार्डों में पर्यावरण मित्रों की भर्ती, ठेका प्रथा समाप्त कर दैनिक वेतन पर नियुक्ति और कर्मचारियों को हर माह की 7 तारीख तक देने की मांग की गई। इसके अलावा स्थायी कर्मचारियों को समय पर वर्दी उपलब्ध कराने, सेवानिवृत्त कर्मियों के बकाया भुगतान, रिटायर कर्मचारियों की पुनर्नियुक्ति से जुड़े मुद्दे भी उठाए गए। यहां कुमाऊं मंडल अध्यक्ष सुनील चौधरी आदि रहे।

बदलने जा रहा मौसम मिलेगी गर्मी से राहत

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार : शनिवार से मौसम में बदलाव आने की संभावना मौसम विभाग ने जताई है। मौसम विभाग ने हल्की से मध्यम बारिश का पूर्वानुमान बताया है। मौसम बदलने से गर्मी से राहत मिलेगी तो उच्च हिमालय क्षेत्र में हिमपात चलने और 28 को तेज हवाओं की वार्निंग जारी की है।

मौसम विभाग देहरादून के निदेशक डा सीएस तोमर ने बताया कि इन दिनों तापमान सामान्य से तीन और चार डिग्री सेल्सियस के बीच चढ़े होने से गर्मी बड़ी है। मगर अब तापमान में गिरावट आने जा रही है। पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने के कारण प्रदेश के पर्वतीय क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बारिश का दौर शुरू होने जा रहा है। जिससे तापमान में गिरावट आएगी, जो सामान्य अवस्था में रहेंगे। 28 अप्रैल को प्रदेश के कुछ हिस्सों में 40 से 50 किमी प्रति घंटा तेज हवाएं चलेंगी। जिसका अलर्ट जारी कर दिया गया है।

इस बीच गरज के साथ बिजली गिरने की संभावना भी रहेगी। इधर सरोवर नगरी में शुक्रवार को मौसम सामान्य बना रहा। तापमान अधिक रहने से गर्मी का एहसास पूरे दिन बना रहा। इस बीच तेज हवाएं भी चलती रही। शाम को हल्के बादल आसमान में छा गए। जिस कारण वर्षा की उम्मीद नजर आने लगी है। जीआईसी मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार अधिकतम तापमान 29 व न्यूनतम 20 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

समस्या | पांच दिनों से जारी अघोषित कटौती से जनजीवन प्रभावित, पानी और कारोबार पर पड़ा असर

भीषण गर्मी में बिजली कटौती से हल्द्वानी की जनता बेहाल

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: शहर में बढ़ती गर्मी और बिजली विभाग की लापरवाही ने आम जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। पिछले पांच दिनों से जारी लगातार बिजली कटौती ने लोगों का धैर्य जवाब दे दिया है।

दिन में रोस्टर के नाम पर कटौती और रात में अघोषित बिजली गुल होने से जनता परेशान है। रात करीब 9:30 बजे बिजली चली जाती है, जो 11 बजे से पहले नहीं लौटती। इसके अलावा पूरी रात रुक-रुक कर बिजली आती-जाती रहती है। शुक्रवार को भी लोगों को राहत नहीं मिली। कमलुवागांजा फीडर से जुड़े क्षेत्रों में सुबह 10 बजे से शाम 3 बजे तक बिजली आपूर्ति ठप रही। भीषण गर्मी और उमस के बीच घंटों बिना बिजली के रहना लोगों के लिए मुश्किल बन गया है।

ऊर्जा निगम के ईई (पिटकुल) पंकज आर्या ने बताया कि शुक्रवार को निर्धारित रोस्टिंग के चलते कटौती की गई थी। उन्होंने स्वीकार किया कि गुरुवार रात पिटकुल स्तर से आपूर्ति बाधित हुई थी। विभाग का कहना है कि व्यवस्था सुधारने के प्रयास किए जा रहे हैं।

पढ़ाई से लेकर व्यापार तक प्रभावित

बिजली संकट का असर हर क्षेत्र पर दिख रहा है। बिजली न होने से पानी के पंप नहीं चल पा रहे, जिससे घरों में पानी की समस्या गहरा गई है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्र पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित नहीं कर पा रहे हैं। अस्पतालों में मरीजों को परेशानी हो रही है, वहीं दुकानों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों में कामकाज प्रभावित हो रहा है। स्थिति में सुधार न होने से लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

लोगों की राय

बिजली जाने से पूरा घर अस्त-व्यस्त हो जाता है। सुबह से शाम तक बिजली न होने से पानी की मोटर नहीं चल पाई और इस गर्मी में बच्चों को संभालना मुश्किल हो गया।
-सुनीता बिष्ट, गृहिणी

रात में बिजली जाना अब रोज का नियम बन गया है। नींद पूरी नहीं हो रही, जिससे सेहत पर असर पड़ रहा है। समस्या का स्थायी समाधान होना चाहिए।
-मोहन सिंह, वरिष्ठ नागरिक

अघोषित कटौती से व्यापार पर बुरा असर पड़ रहा है। जनरेटर चलाने से लागत बढ़ रही है और मुनाफा खत्म हो रहा है।
-आरके गुप्ता, व्यापारी

अगले महीने परीक्षा है, लेकिन लगातार बिजली कटौती से रात की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। इन्वर्टर भी ज्यादा देर साथ नहीं देता। **-अंकित पाठक**, प्रतियोगी छात्र

पीसीएस-25 की लिखित परीक्षा 27 व 30 अप्रैल को

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : लोक सेवा आयोग की राज्य सिविल/प्रवर अधीनस्थ सेवा-2025 की लिखित परीक्षा 27 से 30 अप्रैल तक शहर में बनाए गए दो परीक्षा केंद्रों में होगी।

सिटी मजिस्ट्रेट अब्ज प्रसाद बाजपेयी ने कहा कि लोक सेवा आयोग हरिद्वार की ओर से राज्य सिविल/प्रवर अधीनस्थ सेवा मुख्य परीक्षा-2025 सोमवार (27 अप्रैल) और गुरुवार (30 अप्रैल) तक प्रतिदिन दो सत्रों में परीक्षा होगी। इसके लिए श्री गुरुतेग बहादुर पब्लिक स्कूल और खालसा नेशनल गर्ल्स इंटर कॉलेज में परीक्षा केंद्र बनाए जाएंगे। परीक्षा शुरू होने से समाप्ति तक इन परीक्षा केंद्रों के चारों तरफ 100 मीटर की परिधि में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा-163 लागू की गई है। सौ मीटर की परिधि में डीम, एडीएम या सिटी मजिस्ट्रेट की अनुमति के बिना किसी सार्वजनिक स्थान पर पांच या इससे अधिक व्यक्ति समूह के रुप में एकत्रित नही होंगे। कोई सार्वजनिक सभा नहीं होगी। कोई भी परीक्षार्थी/व्यक्ति किसी भी प्रकार शस्त्र, लाठी, डन्डा, बल्ला आदि लेकर इस परिधि में नहीं आ सकता है। ध्वनि विस्तारक यंत्र, डीजे नहीं लगाया जाएगा। उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि परीक्षा को लेकर कोई अफवाह नहीं फैलाई जाएगी और न ही किसी प्रकार के परचों का वितरण किया जाएगा।

जीआरपी ने फरार वारंटी को गिरफ्तार किया

हल्द्वानी : जीआरपी थाना काठगोदाम पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस टीम ने लंबे समय से फरार चल रहे एक वारंटी को गिरफ्तार कर लिया है।

प्रभारी निरीक्षक कमल सिंह कोरंगा के नेतृत्व में जीआरपी काठगोदाम में टीम गठित की गई। आरोपी चोरी के एक पुराने मुकदमे में फरार चल रहा था और पूर्व में जमानत पर रिहा किया गया था, लेकिन वह काफी समय से अदालत में पेश नहीं हो रहा था। इस पर न्यायालय ने उसके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। 24 अप्रैल को पुलिस टीम ने आरोपी हामिद अली उर्फ कलुआ (29 वर्ष) निवासी वार्ड नंबर-2, गदरपुर, ऊधमसिंह नगर को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया।

अमृत विचार

हल्द्वानी, शनिवार, 25 अप्रैल 2026 रुद्रपुर

सिटी ब्रीफ

पिज्जा एजेंसी का झांसा देकर हड़पे 2.65 लाख

रुद्रपुर : थाना ट्रांजिट कैंप इलाके में नामी पिज्जा एजेंसी का झांसा देकर लाखों रुपये हड़पने का मामला सामने आया है। लोहर्रा गणेशपुर ट्रांजिट कैंप निवासी अभिजीत पाठक ने बताया कि उसने ऑनलाइन डॉमिनोज पिज्जा की फ्रेंचाइजी का आवेदन किया था। आवेदन के थोड़ी देर बार एक कॉल आयी जो खुद को कंपनी का प्रतिनिधि बताते हुए खाते में रकम का भुगतान करने को कहा। बातों पर विश्वास करते हुए उनके बताए खाते में 2.65 लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए। बार-बार साइबर ठग रकम की डिमांड करने लगा तो साइबर ठगी का एहसास हुआ। जिसके बाद पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

चेक बाउंस मामले में दोषी को 6 माह की जेल

रुद्रपुर : चेक बाउंस प्रकरण की सुनवाई करते हुए अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट हेमंत सिंह की अदालत ने दोषी को छह माह का कारावास और 3.75 लाख रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है। मामले के अनुसार, किच्छा निवासी नाजिम ने श्रीराम ट्रांसपोर्ट फाइनेंस कंपनी से वाहन ऋण लिया था। ऋण की अदायगी न होने पर बकाया राशि के एवज में दिया गया 3.75 लाख रुपये का चेक जुलाई 2022 में बाउंस हो गया। विधिक नोटिस के बाद भी भुगतान न करने पर कंपनी ने न्यायालय की शरण ली।

जनगणना में ड्यूटी पर नाराज दिखे शिक्षक

जसपुर : मकान जनगणना में स्कूलों के सभी शिक्षकों की ड्यूटी लगाने से शिक्षण कार्य प्रभावित होने की आशंका को देखते हुए शिक्षक नाराज दिखे। शिक्षकों का कहना था कि इस दौरान शिक्षण कार्य के साथ ही विभागीय कार्य भी प्रभावित होंगे। वहीं, एसडीएम ने शिक्षकों से सुबह 11 बजे तक स्कूलों में काम करने की अपील की है। शुक्रवार से जनगणना कार्य शुरू हो गया है। इस कार्य में लगे शिक्षकों ने तहसील पहुंचकर अपने कागजात एकत्र किए। कई शिक्षकों ने बताया कि ब्लाक क्षेत्र के आधे से अधिक स्कूलों के शिक्षकों की ड्यूटी जनगणना में लगा दी गई है। स्कूलों में शिक्षण कार्य तो प्रभावित होगा। साथ ही एमडीएम भी नहीं बन पायेगा। जबकि सुप्रीम कोर्ट की गाइड लाइन के अनुसार स्कूलों में एमडीएम बनना जरूरी है। एसडीएम राहुल शाह ने बताया कि जनगणना शिक्षक जनगणना कार्य करने से पहले स्कूलों में भी काम कर सहयोग कर सकते हैं।

ग्राम्य विकास मंत्री ने की विभागीय कार्यों की सराहना, कहा-दुग्ध का काम परंपरागत व्यवसाय

दुग्ध उत्पादों के मूल्य संवर्धन पर किया जाए कार्य

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचारः ग्राम्य विकास, लघु एवं सूक्ष्म मध्यम उद्यम मंत्री भरत सिंह चौधरी ने ग्राम्य विकास के विभिन्न योजना कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने ग्राम्य विकास के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि जनपद में सभी योजनाओं में अच्छे कार्य हो रहे हैं, लेकिन और बेहतर कार्य करने की हमेशा संभावना रहती है। दुग्ध व्यवसाय हमारा परंपरागत व्यवसाय है इसको बढ़ावा दिया जाए। दुग्ध उत्पादों के वैल्यू एडिशन (मूल्य संवर्धन) पर कार्य किया जाय। साथ ही पशुपालकों को प्रशिक्षण भी दिया जाए।

अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करते ग्राम्य विकास मंत्री भरत सिंह चौधरी। ● अमृत विचार

शुक्रवार को विकास भवन सभागार में मंत्री ने ग्राम्य विकास की अमृत सरोवर, ग्रोथ सेंटर, वीबीजी राम जी, ग्रामोत्थान रिप योजना, एनआरएलएम, लखपति दीदी, डेयरी, मत्स्य पालन योजनाओं के साथ ही उद्योग विभाग की सीएम स्वरोजगार, पीएम रोजगार सृजन योजना, लघु सूक्ष्म, मध्यम उद्यम योजना (एमएसएमई) योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कहा कि महिलाओं के आजीविका संवर्धन के लिए महिला समूहों को जिस क्षेत्र में वे कार्य कर रहे हैं उसका गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण दिया जाय। ताकि वे अपने कार्यों को और बेहतर तरीके से कर सकें।

उन्होंने महिला समूहों द्वार उत्पादित उत्पादों का वैल्यू एडिशन व मार्केटिंग पर कार्य करने के निर्देश दिए। स्वयं सहायता समूह के उत्पादों को ऑनलाइन मार्केटिंग के साथ ही हाउस ऑफ हिमालया के माध्यम से मार्केटिंग कराने के निर्देश भी दिए।

स्वयं सहायता समूह में 82 हजार सदस्य जुड़े

रुद्रपुर : मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शाशनी ने कार्यों की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि जनपद में एलआरएलएम के तहत 8006, स्वयं सहायता समूह में 82 हजार सदस्य जुड़े हैं। उन्होने बताया कि 38275 लखपति दीदी है, 7054 स्वयं सहायता समूहों को 927 लाख का रिवाल्विगं फंड जारी किया गया है। जनपद में 7 ग्रोथ सेंटर संचालित हैं जिनमें महिलाए बेकरी, मसाला, कवील्ट रजाई, डेरी, मुंज घास हैंडीक्राफ्ट हैंडलूम का कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि जनपद में अमृत सरोवर बनाये गये है जिनमें आजीविका संवर्धन के लिए स्वयं सहायता समूहों को मछली पालन के लिए आवंटित किये गये हैं।

लघु उद्योगों के साथ महिला सशक्तिकरण पर दिया जोर

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार : कैबिनेट व चंपावत जनपद के प्रभारी मंत्री भरत चौधरी अपने तीन दिवसीय कुमाऊं भ्रमण के दौरान शुक्रवार को रुद्रपुर पहुंचे। यहां विधायक शिव अरोरा के निजी आवास पर कार्यकर्ताओं और विधायक परिवार ने स्मृति चिह्न व अंग वस्त्र भेंट कर उनका भव्य स्वागत किया।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री चौधरी ने कहा कि सरकार द्वारा सौंपी गई ग्रामीण विकास और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय की जिम्मेदारी को वे पूरी ईमानदारी से निभा रहे हैं। उन्होंने कहा, "हमारा मुख्य लक्ष्य छोटे उद्योगों को बढ़ावा देना और महिलाओं को इन लघु उद्योगों से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है।" विधायक शिव अरोरा ने मंत्री भरत चौधरी को अपना पुराना मित्र और वरिष्ठ नेता बताते हुए कहा कि उनके अनुभव का लाभ निश्चित रूप से प्रदेश की जनता को मिलेगा। इस अवसर पर महापौर विकास शर्मा, ब्लॉक प्रमुख ज्योति ग्रोवर, प्रीत ग्रोवर, मंडल अध्यक्ष धीरेश गुप्ता, मुकेश पाल, जगदीश विश्वास, राजेश बजाज, राजकुमार चौधरी, राजकुमार साह, हरनाम चौधरी, दीपक गोस्वामी, हरीश भट्ट, सचिन मुंजाल, मोर सिंह, आयुष चिल्लाना, मनोज मदान, जीतेंद्र संधू, रमेश कन्याल, सुदीप डे, सुनील यादव, मयंक कक्कड़, सुनील सिंह, सुखदेव सिंह भल्ला, राजीव शुक्ला आदि मौजूद रहे।

सिडकुल में फैली वेतन वृद्धि की चिंगारी, सड़क पर उतरे श्रमिक

वी-गार्ड कंपनी के श्रमिकों ने किया कार्य बहिष्कार, आक्रोश रैली निकाली, पुलिस व श्रम विभाग के अधिकारियों में मचा हड़कंप

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचारः नोएडा वेतन वृद्धि की चिंगारी अब औद्योगिक आस्थान सिडकुल में भी फैलने लगी है। अभी दो कंपनियों के श्रमिकों का आक्रोश थमा भी नहीं था कि अब सिडकुल की वी-गार्ड कंपनी के सैकड़ों श्रमिकों ने कार्य बहिष्कार कर कंपनी गेट पर धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। उन्होंने सिडकुल इलाके में आक्रोश रैली निकालते हुए न्यूनतम वेतनमान वृद्धि सहित कई मुद्दों को उठाया और मांगे पूरी नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी। श्रमिकों के सड़क पर आने की सूचना मिलते ही थाना पंतनगर पुलिस और श्रम विभाग के अधिकारियों में हड़कंप मच गया।

शुक्रवार की सुबह अचानक सिडकुल स्थित वी-गार्ड कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड कंपनी के सैकड़ों की तादाद में श्रमिक गेट के बाहर आए और कार्य बहिष्कार कर वेतन वृद्धि किए जाने का मुद्दा उठाया है। इसके अलावा श्रमिकों ने कंपनी प्रबंधन भी कई गंभीर आरोप लगाए। धरना प्रदर्शन और जोरदार नारेबाजी की भनक लगते ही सिडकुल चौकी प्रभारी सुरेंद्र बिष्ट और एएलसी अरविंद सैनी मौके पर पहुंचे और गुस्साए श्रमिक नेताओं को समझाने की कोशिश करने लगे।

श्रमिकों का कहना था कि नियुक्ति देते वक्त कंपनी प्रबंधन ने 10 हजार रुपये का वेतनमान तय किया था, लेकिन सभी श्रमिकों को कॉन्ट्रेक्ट पर रखा। 9500 रुपये का भुगतान होने लगा, जबकि कंपनी प्रबंधन ने हर सुविधा देने का भी आश्वासन दिया था। उनका कहना था कि कंपनी प्रबंधन वेतन वृद्धि को लेकर भ्रामक प्रचार कर रही है, जबकि वास्तविकता यह है कि भारत सरकार ने न्यूनतम वेतनमान 21 हजार रुपये करने का शासनादेश जारी कर दिया है और राज्य सरकार को अनुपालन का आदेश दिया है। बावजूद अभी तक श्रमिकों का न्यूनतम वेतनमान नहीं दिया गया। जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। समझौता वार्ता को इंकार करते हुए श्रमिकों ने इलाके में आक्रोश रैली निकाली और श्रमिकों से उग्र आंदोलन में कूदने का आह्वान भी किया।

कंपनी गेट के सामने धरना देते श्रमिक। ● अमृत विचार

अप्रशिक्षित महिला श्रमिकों को जबरन लगाया जा रहा मशीनों पर

रुद्रपुर : कंपनी की महिला श्रमिक सुनीता बोरा ने बताया कि कंपनी में 85 फीसदी लड़कियां काम करती हैं, जबकि 15 फीसदी लड़के कार्यरत हैं। बावजूद श्रम नियमों का खुलेआम उल्लंघन हो रहा है। अप्रशिक्षित महिला श्रमिकों को जबरन मशीनों पर लगाया जाता है। कई श्रमिक चोटिल भी हो चुकी हैं, लेकिन श्रमिक उत्पीड़न को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। न्यूनतम वेतनमान का मुद्दा श्रमिकों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करेगा। यही कारण है कि श्रमिकों को संगठित होने की आवश्यकता है।

प्रबंधन सुविधाओं के नाम पर दे रहा सिर्फ धोखा

रुद्रपुर : आंदोलन के दौरान महिला श्रमिक पूजा कार्की का कहना था कि कंपनी प्रबंधन सुविधाओं के नाम पर सिर्फ धोखा दे रही है। श्रमिकों के खाने-पीने, आवाजाही का कोई साधन नहीं है। दुर्घटना होने पर किसी भी प्रकार की संतोषजनक दवाइयां मुहैया नहीं होती है। जब श्रमिक अपनी बातों को रखता है तो कंपनी प्रबंधन नौकरी से निकालने की धमकी देता है। आरोप था कि कंपनी प्रबंधन को न्यूनतम वेतन वृद्धि बढ़ाना पड़ेगा। अन्यथा श्रमिकों के सामने आंदोलन के सिवा कोई रास्ता नहीं है।

महिला श्रमिक को थार ने मारी टक्कर

रुद्रपुर : वेतन वृद्धि के खिलाफ वार्ता में कोई निर्णय नहीं होने के बाद जब सैकड़ों की तादाद में श्रमिकों ने आक्रोश रैली निकाली और सिडकुल इलाके में जुलूस घूमने लगे। तभी अचानक तेज रफ्तार थार गाड़ी ने श्रमिक सतनाम कौर को टक्कर मार दी। जिससे महिला श्रमिक के पैर में चोट लग गई। आनन फानन में सहकर्मियों ने घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टरों का मानना है कि महिला श्रमिक के पैर में फैक्चर हो सकता है और श्रमिक का मेडिकल परीक्षण कराया जा रहा है।

सिडकुल में नहीं मिल रहा 70 फीसदी आरक्षण

सितारगंज (अमृत विचार) : पूर्व विधायक और कांग्रेस नेता नारायण पाल ने प्रदेश सरकार पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि उत्तराखंड के उद्योगों में स्थानीय युवाओं को 70 प्रतिशत रोजगार नहीं मिल रहा है, जिसके कारण युवा पलायन को मजबूर हैं।

शुक्रवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में उन्होंने कहा कि जो युवा अपने हक के लिए आवाज उठा रहे हैं, उन पर फर्जी मुकदमे दर्ज कर दहशत का माहौल बनाया जा रहा है। नारायण पाल ने याद दिलाया कि एन.डी. तिवारी सरकार के समय स्थानीय युवाओं के लिए उद्योगों में 70 प्रतिशत रोजगार का जीओ जारी किया गया था, लेकिन वर्तमान में ठेकेदारी प्रथा के जरिए युवाओं का शोषण हो रहा है। उन्होंने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसे बुनियादी मुद्दों पर सरकार मौन है और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता जैसी जमीनी इकाइयां सड़कों पर आंदोलन करने को विवश हैं। आगामी विधानसभा चुनाव पर चर्चा करते हुए उन्होंने दावा किया कि जनता अब बदलाव का मन बना चुकी है और कांग्रेस भारी बहुमत से जीत दर्ज करेगी।

कार्यालय जिला क्रीड़ाधिकारी
जिला खेल कार्यालय हल्द्वानी (नैनीताल)
दूरभाष नं०/ फैक्स नं० : 05946-220883, ई-मेल rso.haldwani@gmail.com

पत्रांक : 53/2025-2026/ प्रेस विज्ञप्ति दिनांक : 24-04-2026

जिला खेल कार्यालय हल्द्वानी में निष्प्रयोज्य क्रीड़ा सामग्री / उपकरण अन्य सामग्री की निलामी दिनांक 04.05.2026 को अपराह्न 12:00 बजे से की जाएगी। इच्छुक बोली दाता सामग्री का निरीक्षण एवं जमानत राशि रु० 10000.00 (दस हजार रु०) दिनांक - 04.05.2026 मई 2026 को प्रातः 10.30 बजे तक जमा कर सकते हैं। निर्धारित समय के उपरान्त किसी भी प्रकार के प्रतिभागी पर विचार नही किया जाऐगा। बोली स्वीकृत होने के पश्चात अन्य बोली दाताओं को अपने साथ आधार कार्ड की छायाप्रति साथ लाना अनिवार्य होगा। अधिक जानकारी के लिये कार्य दिवसों में खेल कार्यालय हल्द्वानी मे सम्पर्क कर सकते है।

(निर्मला पन्त)
जिला कीड़ा अधिकारी
हल्द्वानी (नैनीताल)

छात्रों को मिला उद्यमिता का नया मंच

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचारः उच्च शिक्षा विभाग, उत्तराखंड सरकार एवं भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में एसबीएस महाविद्यालय में देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित हुआ। इसमें कला संकाय के छात्र-छात्राओं ने स्वरोजगार, नवाचार और स्टार्टअप आधारित उद्यमिता के विविध आयामों की जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अवधेश नारायण सिंह और प्रो. सर्वजीत सिंह ने संयुक्त रूप से किया।

छात्रों के साथ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अवधेश नारायण सिंह और अन्य।

शुक्रवार को कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सिंह ने विद्यार्थियों को स्थानीय संसाधनों के प्रभावी उपयोग, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और नवाचार आधारित स्टार्टअप अपनाने के लिए प्रेरित किया। विशेषज्ञ रजत शर्मा ने विद्यार्थियों को स्टार्टअप इकोसिस्टम से अवगत कराया।

दिनदहाड़े घर पर की फायरिंग

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचारः थाना ट्रांजिट कैंप इलाके में बदमाशों के हौसले इतने बुलंद हो चुके हैं कि दिनदहाड़े एक घर को निशाना बनाते हुए जमकर पथराव कर तोड़फोड़ कर दी। साथ ही एक युवक को गोली मारकर घायल कर दिया। गोली की आवाज सुनते ही इलाके में अफरातफरी मच गई। घायल युवक को आनन-फानन में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां युवक की हालत स्थिर बनी हुई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

थाना ट्रांजिट कैंप के वार्ड-सात व आठ सरदार वाली गली निवासी राजेश कुमार परिवार के साथ रहता है और दिल्ली में मोबाइल की दुकान पर नौकरी करता है। पिछले कुछ दिन पहले वह रिश्तेदारी की शादी में घर आया था और इसी दौरान उसके छोटे भाई हेमंत कुमार का पड़ोसी युवकों से विवाद हो गया था। रंजिश रखते हुए युवकों ने वारदात को अंजाम शुक्रवार की दोपहर सवा बारह बजे के करीब दिया। आरोप था कि गौरव नाम का युवक अपने साथ 12 साथियों के फौज लेकर आया और हाथों में धारदार हथियार और तमंचे देखकर पड़ोसियों में हड़कंप मच गया। हमलावरों ने पहले राजेश के घर पर जमकर पथराव और तोड़फोड़ की घटना को अंजाम दिया। जब भाई पर हमला होता देख बड़ा भाई राजेश बचाने को दौड़ा तो हमलावर ने उस पर दो राउंड गोलियां चला दी। एक गोली के छर्रे युवक के सीने व गर्दन पर धंसे और हमलावर फरार हो गए।

घायल युवक से घटना की जानकारी लेते थाना प्रभारी।

ग्रामीणों को दी गई जानकारी

खटीमा : ग्राम पंचायत नदंना भवन में आयोजित राष्ट्रीय ग्राम पंचायत राज दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में ग्राम प्रधान माया जोशी ने पंचायती राज व्यवस्था को संवैधानिक दर्जा दिए जाने की जानकारी दी।

बच्चों और अभिभावकों को दी जाए पॉक्सो की जानकारी

रुद्रपुर, अमृत विचारः उत्तराखंड बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य योगेश रजवार ने जिला प्रोबेशन कार्यालय में महिला कल्याण विभाग के तहत संचालित योजनाओं की समीक्षा की। इस दौरान जिला प्रोबेशन अधिकारी ने बताया कि वर्तमान में बालकों के लिए राजकीय संप्रेक्षण गृह, विशिष्ट दत्तक ग्रहण एजेंसी और अनमोल फाउंडेशन ने दिव्यांग बालकों के लिए बाल देख-रेख संस्थान संचालित किया है।

शुक्रवार को जिला प्रोबेशन अधिकारी व्योमा जैन ने उत्तराखंड बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य को बताया कि जनपद में रुद्रपुर रेलवे स्टेशन, बस स्टेशन और खटीमा बस स्टेशन पर चाइल्ड हेल्प लाइन की हेल्प डेस्क संचालित है। जहां 24 घंटे कर्मचारियों की तैनाती की गयी है। उन्होंने बताया कि जनपद के स्कूलों में पॉक्सो की जागरूकता के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। जिस पर सदस्य ने निर्देश दिए कि विभिन्न स्कूलों में बच्चों और अभिभावकों के साथ बैठक कर पॉक्सो अधिनियम की जानकारी दी जाए। इस अवसर पर जिला परिविक्षा अधिकारी डॉ.रत्नेश सिंह, अध्यक्ष बाल कल्याण समिति जितेंद्र, सदस्य बाल कल्याण समिति उमेश, शंकर लाल मौजूद रहे।

World Malaria Day 25 April
Theme:-"Driven to End Malaria: Now We Can. Now We Must,"

तेज बुखार कपकपी के साथ आए। पसीना आए और बेचैनी हो। उल्टी या कै आ रही हो।

यह मलेरिया हो सकता है ?
क्या आप जानते हैं। मलेरिया एनाफिलीस मच्छर के कारण होता है।
हमने ठाना है मलेरिया मिटाना है।
तो तुरन्त ही

आइये प्रण करें हम सब मिलकर अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ व समाज को मलेरिया मुक्त बनाने में अपना सुनिश्चित दायित्व पूरा करेंगे।

- मलेरिया के जांच के लिए स्वास्थ्य कार्यकर्ता या निकट्तम स्वास्थ्य केन्द्र से अपने खून की जाँच करायें।
- यदि मलेरिया हो तो पूरा ईलाज लें।
- मच्छर पैदा न हो, इसके लिए घर के इर्द-गिर्द पानी न जमा होने दें। गड्डों को मिट्टी से मर दें तथा पानी की टंकियों तथा कूलरों की सफाई सप्ताह में एक बार जरूर करें। पानी की टंकियों को ढककर रखें व जलाशयों तथा तालाब में लार्वा खाने वाली मछलियां डालें।
- मच्छरों से बचने के लिए दरवाजों और खिड़कियों पर जाली लगाये अथवा मच्छरदानी के अन्दर सोयें।
- कीट नाशकों के छिड़काव के कम से कम दो माह तक घर की लिपाई व पुताई न करायें।

वैक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम, ऊधम सिंह नगर
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन-चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उधम सिंह नगर (उत्तराखण्ड)

डा० के०के० अग्रवाल
मुख्य चिकित्सा अधिकारी,
उधम सिंह नगर

अधिक जानकारी हेतु आप कार्यालय मुख्य चिकित्सा अधिकारी के दूरभाष संख्या 05944-250100 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

श्री नितिन सिंह भदौरिया (IAS)
जिला अधिकारी
उधम सिंह नगर

कार्यालय मुख्य चिकित्सा अधिकारी, उधम सिंह नगर
पत्रांक : एन०वी०बी०डी०सी०पी०/वि०मले०दि०/2026-27/480 दिनांक : 21-04-2026

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड,
लोक निर्माण विभाग, तिकोनिया, हल्द्वानी (नैनीताल)
(Phone/Fax): 05946-223352, E-mail-ee_ndhal@rediffmail.com

पत्रांक : 1287/2ए०सी० अति अल्पकालीन ई-निविदा सूचना (E-Tendering) दिनांक : 24/04/2026

महामहिम राज्यपाल, उत्तराखण्ड की ओर से अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लो०नि०वि०, हल्द्वानी द्वारा निम्नलिखित सिविल कार्य हेतु सिंगल बिड ऑन लाईन आईटम रेट अति-अल्पकालीन ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित सभी सूचनायें वेबसाइट http://www.uktenders.gov.in पर दिनांक 25.04.2026 से उपलब्ध होगी।

क्र० सं०	कार्य का नाम	धरोहर धनराशि (रु०)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु०)	निविदा की वैधता	कार्य पूर्ण करने हेतु समय	ठेकेदार/फर्म की पंजीकृत श्रेणी
1	वर्ष 2026-27 में वार्षिक अनुरक्षण मद के अन्तर्गत विधानसभा क्षेत्र लालकुआं के गौलापार मध्य एवं पूर्वी के आन्तरिक मार्ग में पी०सी० प्लास्टिक वेस्ट द्वारा नवीनीकरण का कार्य।	131700.00	4000.00+ 18% GST	90 दिन	06 माह	श्रेणी "डी" एवं उच्चतर "मार्ग कार्य हेतु"

1. संविदा मूल्य की धनराशि में वस्तु एवं सेवाकर (जी०एस०टी०) भी सम्मलित है एवं तद्नुसार धनराशि पर धरोहर धनराशि आदि का मूल्यांकन किया गया।
2. संविदाकार से आमंत्रित मदवार दरें बिना वस्तु एवं सेवाकर (जी०एस०टी०) की है एवं जिस पर विभाग द्वारा प्रचलित जी०एस०टी० अतिरिक्त देय होगी।
3. किसी भी निविदा अथवा सम्पूर्ण निविदा को स्वीकृत / अस्वीकृत करने का अधिकार सक्षम अधिकारी के पास सुरक्षित होगा।

अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड, लो०नि०वि०
हल्द्वानी नैनीताल

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9532374039 8077909468

सूचना
सूचित करना है कि मेरे ड्राईविंग लाईसेंस सं० UK-19-20190002042 मेरा नाम (TOTA KRISHAN SEMWAL) तोता कृष्ण सेमवाल गलत दर्ज हो गया है। जबकि मेरा सही नाम टी०के० सेमवाल (T.K SEMWAL) है। अतः मेरे ड्राइविंग लाइसेंस में मेरा नाम टी०के० सेमवाल (T.K SEMWAL) दर्ज किया जाए। टी०के सेमवाल पुत्र श्री बची राम सेमवाल निवासी बंगारी भवन लखनपुर, रामनगर (नैनीताल)

ब्रीफ न्यूज

कनाडा भेजी जा रही अफीम दिल्ली में पकड़ी

किच्छा : अंतरराष्ट्रीय नशा तस्करी का पर्दाफाश करते हुए सुरक्षा एजेंसियों ने किच्छा से कनाडा भेजी जा रही अफीम की खेप दिल्ली एयरपोर्ट पर बरामद की है। तस्करों ने नहाने वाली प्लास्टिक की पटली के पैरों में करीब आधा किलो अफीम छिपाकर पार्सल की थी। कस्टम विभाग की सूचना पर उत्तराखंड नारकोटिक्स टीम ने किच्छा की एक कोरियर एजेंसी पर जाल बिछाया और पार्सल वापस लेने पहुंचे व्यक्ति को दबोच लिया। मामले में एक युवती सहित कुछ संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। इस खुलासे से क्षेत्र के नशा तस्करों में हड़कंप मचा है और बड़े गिरोह के पकड़े जाने की उम्मीद है।

मुकेश सदस्य नामित

दिनेशपुर : उत्तराखंड शासन ने दिनेशपुर निवासी एडवोकेट मुकेश सिंह राणा को ''उत्तराखंड जनजाति सलाहकार परिषद'' का सदस्य नामित किया है। अपर सचिव एमएम सेमवाल द्वारा जारी आदेश के अनुसार, खटोला के पूर्व प्रधान मुकेश राणा जनजातीय समाज के कल्याण और विकास योजनाओं पर शासन को सुझाव देंगे। इस मनोनयन से क्षेत्र के बुक्सा समाज और कार्यकर्ताओं में खुशी है। मुकेश राणा ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और भाजपा संगठन का आभार जताया है।

गंगापुर रोड से खोखे हटाए, सामान जब्त

सड़कों को जाम मुक्त करने के लिए महापौर विकास शर्मा ने प्रशासन व पुलिस टीम के साथ चलाया अभियान

संवाददाता, रुद्रपुर

गंगापुर रोड पर सड़क की नापजोख करवाते महापौर विकास शर्मा। ● अमृत विचार

अमृत विचार: महापौर विकास शर्मा, नगर आयुक्त शिप्रा जोशी पांडे ने प्रशासन और पुलिस बल के साथ शहर के उन क्षेत्रों का निरीक्षण किया जहां बड़े विकास कार्य प्रस्तावित हैं। इस दौरान भविष्य की सड़कों का खाका खींचा गया। वहीं दूसरी ओर विकास की राह में रोड़ा बन रहे अतिक्रमणकारियों के खिलाफ नगर निगम का कड़ा रुख भी देखने को मिला। सड़कों को जाम मुक्त करने के लिए नगर निगम ने किच्छा बाईपास और गंगापुर रोड पर अवैध खोखे और अतिक्रमण को जेसीबी से हटाकर सामान जब्त किया।

शुक्रवार को निरीक्षण के दौरान महापौर, नगर आयुक्त लोक निर्माण विभाग, नगर निगम और पुलिस बल सहित लाव लस्कर के साथ किच्छा बाईपास मार्ग खेड़ा पहुंचे। यहां सड़क पर किये गये अतिक्रमण को जेसीबी की मदद से हटाया गया। इसके साथ ही गंगापुर रोड पर भी अतिक्रमण हटाया गया। टीम ने अतिक्रमणकारियों को सख्त चेतावनी दी। महापौर ने कहा कि सड़कों पर अतिक्रमण किसी भी दशा में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जीरो टॉलरेंस के तहत अतिक्रमण हटाया जाएगा।

खेड़ा के बाद महापौर ने संयुक्त टीम के साथ भूरारानी मार्ग और अटरिया चौक से इंदिरा कालोनी तक प्रस्तावित मिनी बाईपास का भी निरीक्षण कर सर्वे किया और अतिक्रमण चिन्हित किए। उन्होंने अधिकारियों को सड़क चौड़ीकरण और नई सड़क के प्रस्तावित कार्य के लिए जल्द प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान महापौर विकास शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रुद्रपुर के विकास के लिए की गई ऐतिहासिक छह घोषणाओं को धरातल पर उतारने की प्रक्रिया शुरू हो गयी है। इसी के तहत स्थलीय निरीक्षण और सर्वे किया गया है। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन ने इन महत्वपूर्ण परियोजनाओं के लिए संबंधित विभागों से तत्काल प्रस्ताव मांगे हैं। इसलिए व्यापक सर्वे किया गया है। इसके बाद प्रस्ताव जिला प्रशासन के माध्यम से शासन को प्रेषित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री धामी के नेतृत्व में रुद्रपुर आज विकास के स्वर्ण युग में है। साथ ही कहा कि ये प्रोजेक्ट रुद्रपुर की दशा और दिशा दोनों बदल देंगे और शहर को आधुनिकता के साथ-साथ अपनी संस्कृति से भी जोड़कर रखेंगे।

दस्तावेज सही नहीं मिले तो त्रिशूल चौक से हटेंगे कब्जाधारी

रुद्रपुर : त्रिशूल चौक पर लगने वाले जाम से जनता को निजात दिलाने के लिए न्यायालय के आदेश पर प्रशासन ने आगे की कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी है। महापौर ने स्पष्ट किया कि न्यायालय ने दुकानदारों को एक सप्ताह का समय दिया है। ताकि वे कमेटी के सामने अपना पक्ष और भूमि से संबंधित साक्ष्य रख सकें। इस पूरी प्रक्रिया के लिए 15 दिन का समय नियत किया गया था। यदि जांच में दस्तावेज सही नहीं पाए गये तो अतिक्रमण को तत्काल ध्वस्त करने की कार्रवाई की जाएगी। शुक्रवार को महापौर विकास शर्मा ने बताया कि त्रिशूल चौक के पास कुछ दुकानें नगर निगम की हैं तो कुछ पर अतिक्रमणकारियों ने अवैध रूप से कब्जा कर रखा है। जिला प्रशासन, लोनिवि और नगर निगम ने संयुक्त रूप से इन कब्जाधारियों को नोटिस जारी किए थे। इन नोटिसों के खिलाफ कुछ दुकानदार न्यायालय की शरण में गए थे।

किच्छा में पूजा अर्चना के बाद मूर्तियां ले जाते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

प्रशासन की सूझबूझ से सुलझा मंदिर विवाद

संवाददाता, किच्छा

अमृत विचार: नगर के हल्द्वानी मार्ग पर स्टेट हाईवे चौड़ीकरण की बाधा को प्रशासन ने शनिवार को शांतिपूर्ण ढंग से दूर कर लिया। चौड़ीकरण की जद में आ रहे प्राचीन काली मंदिर को हटाने के लिए एसडीएम गौरव पांडे और तहसीलदार गिरीश चंद्र त्रिपाठी के नेतृत्व में टीम पहुंची, जिसका स्थानीय ग्रामीणों और हिंदूवादी संगठनों ने कड़ा विरोध किया।

विवाद बढ़ता देख अधिकारियों ने आनंद अखाड़े के साधुओं और संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ गहन वार्ता की। अधिकारियों की समझाइश के बाद सर्वसम्मति से मंदिर की मूर्तियों को स्थानांतरित करने का निर्णय लिया गया। इसके बाद, मंदिर में स्थापित मां काली, शनिदेव और शिवलिंग को विधि-विधान से पूजा-अर्चना के बाद पुलभट्टा स्थित शंकर फार्म (आनंद अखाड़ा) ले जाया गया। वहां मंत्रोच्चारण के बीच मूर्तियों की प्राण-प्रतिष्ठा कर उन्हें पुनर्स्थापित किया गया। इसके बाद किच्छा-नगला स्टेट हाईवे के निर्माण का रास्ता साफ हो गया है। मौके पर सीओ भूपेंद्र सिंह धोनी और प्रभारी प्रकाश सिंह दानू मौजूद रहे।

छात्र-छात्राओं ने दिखाया दम

संवाददाता, खटीमा

क्विज एवं पीपीटी प्रतियोगिता के विजेता और आयोजक।

अमृत विचार: हेमवती नंदन बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के गणित विभाग द्वारा विभागीय परिषद के अंतर्गत आज क्विज प्रतियोगिता एवं पीपीटी प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसका उद्देश्य छात्र-छात्राओं में गणितीय चिंतन, तार्किक क्षमता, शोधपरक दृष्टिकोण और गणित की उपयोगिता के प्रति जागरूकता करना रहा।

चार चरणों में आयोजित क्विज प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में एमएससी चतुर्थ सेमेस्टर के कमल भट्ट ने प्रथम, बीएससी चतुर्थ सेमेस्टर के हर्षित सिंह भंडारी ने द्वितीय तथा दिव्यांशु बिष्ट तृतीय स्थान हासिल किया। "व्यावहारिक जीवन में गणित की उपयोगिता" विषय पर पीपीटी प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें संध्या कुमारी ने प्रथम, प्रतीक पोखरिया ने द्वितीय तथा नंदनी सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। निर्णायक मंडल में डॉ. परवीन पांडे, डॉ. अविनाश कुमार मिश्रा, डॉ. खिलानंद जोशी, डॉ. पिंकी भट्ट और डॉ. संध्या भट्ट रहीं। कार्यक्रम में गणित विभाग के प्राध्यापक डॉ. नवीन मेहरा, डॉ. कुलदीप जोशी एवं डॉ. सुरेंद्र पडियार सहित बच्चे उपस्थित रहे।

मथुरा से दस हजार का इनामी बदमाश दबोचा

संवाददाता, सितारगंज

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश के मथुरा रेलवे स्टेशन से पुलिस और एसटीएफ की संयुक्त टीम ने लूट और हत्या के प्रयास के मुख्य आरोपी चेतन सिंह बिष्ट को गिरफ्तार कर लिया है। हल्द्वानी निवासी चेतन पिछले डेढ़ वर्ष से फरार चल रहा था और उस पर 10 हजार रुपये का इनाम घोषित था।

घटना पिछले वर्ष 1 फरवरी की है, जब सितारगंज के एचएस अस्पताल के पास चाय के खोखे में राकेश सक्सेना नामक व्यक्ति पर कुल्हाड़ी से जानलेवा हमला कर लूटपाट की गई थी। इस हमले में राकेश को गंभीर चोटें आई थीं, जिसके कारण वह आज भी मरणासन्न स्थिति में बिस्तर पर है। मामले में दो आरोपी विकास पाल और रोहित पाल पहले ही पकड़े जा चुके थे, लेकिन कुल्हाड़ी से वार करने वाला मुख्य आरोपी चेतन पुलिस को चकमा दे रहा था।

सीओ बीएस धौनी ने बताया कि आरोपी मथुरा में पहचान छिपाकर खानाबदोश की तरह रह रहा था। कोतवाल सुंदरम शर्मा और एसटीएफ की टीम ने घेराबंदी कर उसे दबोच लिया। पुलिस अब आरोपी के खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

जंगल में फौजी का शव मिला सड़क दुर्घटनाओं में दो की मौत

संवाददाता, किच्छा

संजय बैरागी। (फाइल फोटो)

अमृत विचार: किच्छा तहसील और आसपास के क्षेत्रों में पिछले 24 घंटों के भीतर तीन अलग-अलग हृदयविदारक घटनाएं सामने आई हैं, जिनमें एक सेवानिवृत्त फौजी समेत तीन लोगों की जान चली गई।

शक्तिफार्म मार्ग स्थित बाराकोली वन रेंज (पुलभट्टा थाना क्षेत्र) में रविवार को एक व्यक्ति का शव पेड़ से लटका मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान ग्राम सिसोना (सितारगंज) निवासी महेश लाल के रूप में हुई है। महेश लाल कुमाऊं रेजिमेंट के पूर्व सैनिक थे और मूल रूप से पिथौरागढ़ के धारचूला के निवासी थे।

प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का लग रहा है, हालांकि पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। क्षेत्राधिकार को लेकर यूपी की सिरसा पुलिस और उत्तराखंड की बरा पुलिस के बीच शुरुआती ऊहापोह के बाद, बरा चौकी पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

किच्छा-रुद्रपुर हाईवे पर नालंदा स्कूल के पास एक तेज रफ्तार निजी बस ने बाइक सवार को रौंद दिया। हादसे में ग्राम रामेश्वरपुर (लालपुर) निवासी संजय बैरागी (38 वर्ष) की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। लालपुर पुलिस ने बस और बाइक को कब्जे में ले लिया है। बस स्वामी मंजीत सिंह भी सूचना के बाद मौके पर पहुंचे। संजय की मौत से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।

एक अन्य सड़क दुर्घटना में पुलभट्टा थाना क्षेत्र के सिरौली कला निवासी मोहम्मद आरिफ गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे तत्काल सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस इन सभी मामलों में जांच आगे बढ़ा रही है।

पीजी महाविद्यालय सितारगंज में आयोजित शिविर में रक्तदान करती महिला।

रक्तदान शिविर में 15 यूनिट रक्त एकत्रित

सितारगंज : राजकीय पीजी महाविद्यालय में शुक्रवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। वीरा फाउंडेशन और स्वर्गीय बालकृष्ण देवकी जोशी चैरिटेबल ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस शिविर में कुल 15 यूनिट रक्तदान हुआ। रक्तदान करने वालों में मुख्य रूप से महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. सोहनी, डॉ. संजय टम्टा, डॉ. एमसी आर्य, संजय कुमार और रमेश चंद शामिल रहे। शिक्षकों ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि रक्तदान जीवनदान है और युवाओं को इस सामाजिक कार्य में आगे आना चाहिए। इस अवसर पर प्राचार्या प्रो. डॉ. रेनू रानी बंसल, रेड क्रॉस प्रभारी डॉ. सुधा पाल और छात्रसंघ अध्यक्ष राजविंदर कौर सहित डॉ. विमला सिंह, डॉ. दीपा मखोलिया, डॉ. कामना दीक्षित और डॉ. अजय लटवाल मौजूद रहे।

नितिन सफाई कर्मचारी आयोग के सदस्य बने

नितिन वाल्मीकि।

किच्छा: उत्तराखंड सरकार द्वारा युवा भाजपा नेता नितिन वाल्मीकि को उत्तराखंड सफाई कर्मचारी आयोग का सदस्य मनोनीत किया गया है।

पूर्व में भाजपा अनुसूचित मोर्चा के जिला महामंत्री रहे नितिन वाल्मीकि ने अपनी नियुक्ति पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और प्रदेश नेतृत्व का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पार्टी ने एक छोटे कार्यकर्ता को सम्मान देकर अपनी परंपरा को आगे बढ़ाया है।

नितिन वाल्मीकि ने प्रतिबद्धता जताते हुए कहा कि वह सफाई कर्मचारियों के हितों की रक्षा और उनके कल्याण के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे।

भाजपा विधायक के पुत्र को तहसील प्रशासन का नोटिस

संवाददाता, बाजपुर

● जनजाति की भूमि पर कब्जे का लगाया गया है आरोप

अमृत विचार: बाजपुर क्षेत्र में जनजाति भूमि प्रकरण को लेकर विवाद एक बार फिर गहरा गया है। गदरपुर से भाजपा विधायक अरविंद पांडेय के पुत्र अतुल पांडेय पर अनुसूचित जनजाति की भूमि पर कथित रूप से फर्जी तरीके से कब्जा करने और उसे बेचने का गंभीर आरोप लगा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए तहसील प्रशासन ने अतुल पांडेय को नोटिस जारी कर एक सप्ताह के भीतर जवाब मांगा है।

तहसीलदार प्रताप सिंह चौहान द्वारा जारी नोटिस के अनुसार, गुलरभोज निवासी अतुल कुमार पर आरोप है कि उन्होंने ग्राम सेमलपुरी स्थित जनजाति समुदाय की भूमि को फर्जी दस्तावेजों के आधार पर अपने नाम दर्ज कराया। बताया गया है कि वर्ष 2010-11 में न्यायालय में भ्रामक साक्ष्य प्रस्तुत कर यह भूमि अपने नाम करवाई गई, जबकि यह भूमि मूल रूप से एक जनजाति परिवार की थी। आरोप है कि बाद में इस भूमि को अवैध रूप से बेचकर करीब 28 लाख रुपये प्राप्त किए गए।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि 'जमींदारी विनाश एवं भूमि सुधार अधिनियम-1950' की धारा 157 के तहत अनुसूचित जनजाति की भूमि का हस्तांतरण प्रतिबंधित है। नोटिस में चेतावनी दी गई है कि यदि एक सप्ताह के भीतर जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया, तो प्रशासन एकपक्षीय कानूनी कार्रवाई अमल में लाएगा।

उम्र और कब्जे के दावे पर सवाल

अभिलेखों के अनुसार, वर्ष 2010 में अतुल पांडेय की उम्र मात्र 16 वर्ष थी, जिससे लंबे समय से कब्जे के दावे पर संदेह खड़ा हो रहा है। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि मंडलायुक्त न्यायालय उनके पक्ष में निर्णय दे चुका है, लेकिन राजनीतिक रसूख के कारण उन्हें अब तक वास्तविक कब्जा नहीं मिल पाया है। इस मामले के सामने आने के बाद क्षेत्र की राजनीति और प्रशासनिक गलियारों में हलचल तेज हो गई है।

खटीमा के नोजगे पब्लिक स्कूल में आग से सुरक्षा की जानकारी देते फायर कर्मी।

नोजगे में हुआ अग्नि सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम

खटीमा : अग्निशमन विभाग द्वारा नोज़गे पब्लिक स्कूल में अग्नि सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें सभी छात्रों और कैडेट्स को आग से बचाव एवं सुरक्षा के आवश्यक उपायों की जानकारी दी गई। अग्निशमन विभाग की टीम ने छात्रों को आग लगने की स्थिति में घबराने के बजाय सतर्कता से कार्य करने, अग्निशमन यंत्रों के सही उपयोग तथा सुरक्षित तरीके से बाहर निकलने की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से समझाया। कार्यक्रम में फायर विभाग के एफएसएसओ लक्ष्मण सिंह नागी, राजेंद्र सिंह मल्ल, मकबूल हुसैन, त्रिभुवन प्रसाद, राजेश मेहता, आशा भट्ट, सोनिया राय और ज्योति बिष्ट आदि ने जागरूक किया। प्रबंधिका सुरेंद्र कौर और प्रधानाचार्य एचसी पंत ने सभी का आभार जताया।

निर्माण कार्यों का किया शिलान्यास

रुद्रपुर: वार्ड 5 मुखर्जी नगर के निवासियों की वर्षों पुरानी मांगों को प्राथमिकता देते हुए महापौर विकास शर्मा ने 27.61 लाख रुपये की लागत से बनने वाली विभिन्न सीसी रोड और नाली निर्माण कार्यों का नारियल फोड़कर और फीता काटकर शिलान्यास किया। इस दौरान क्षेत्रवासियों ने महापौर का जोरदार स्वागत किया। शुक्रवार को शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान महापौर शर्मा ने कहा राज्य सरकार के सहयोग से ही नगर निगम रुद्रपुर आज हर वार्ड के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने में सक्षम हो पा रहा है। सरकार का विजन केवल घोषणाएं करना नहीं, बल्कि धरातल पर काम उतारना है। इस अवसर पर पार्षद कुसुम शर्मा, राधेश शर्मा, योगेश उपाध्याय, अमन मिश्रा, दीवान सिंह, सत्येंद्र सिंह, सचिन मिश्रा, सुभाष बिष्ट, प्रभु यादव, खूब करन, मलई विश्वास, संतोष गुप्ता, अमित मिश्रा, कमला फुलारा, मोहित कुमार, प्रीतम लाल, संजीव मंडल, रिंकू मौर्या मौजूद रहे।

शिक्षकों को प्रशिक्षण के बाद बांटी गई किट

खटीमा में शिक्षकों को सामग्री किट वितरित करते पालिकाध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी।

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: आज से एक माह तक चलने वाली राष्ट्रीय जनगणना के तहत शिक्षकों का नौ दिवसीय प्रशिक्षण शुक्रवार को संपन्न हो गया। पालिकाध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी ने जनगणना की सामग्री की किट शिक्षकों को सौंपी।

नगर पालिका सभागार में आयोजित कार्यक्रम में पालिकाध्यक्ष जोशी ने प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद जनगणना कार्य में तैनात शिक्षकों को आवश्यक किट वितरित की। उन्होंने कहा कि किट वितरण का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि फील्ड में कार्य के दौरान गणना कर्मियों को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो और प्रक्रिया सुचारू रूप से संपन्न हो सके। उन्होंने सभी शिक्षकों से इस राष्ट्रीय कार्य को पूरी निष्ठा और सटीकता के साथ करने की अपील की। इस अवसर पर नोडल अधिकारी एवं ईओ प्रियंका सिंह ने भी शिक्षकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर कोमल भुल्लर, सुरेश शर्मा, कमल सिंह सामंत, दीपिका मौजूद रहे।

खटीमा में डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा का अनावरण करते विधायक कापड़ी।

बाबा साहब की प्रतिमा का अनावरण किया

खटीमा : क्षेत्र के मोहम्मदपुर भुड़िया में भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती के उपलक्ष्य में बाबा साहब की प्रतिमा का भव्य अनावरण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक भुवन चंद्र कापड़ी ने ग्रामवासियों को बाबा साहब की प्रतिमा भेंट की और विधिवत अनावरण किया। जनसमूह को संबोधित करते हुए विधायक कापड़ी ने बाबा साहब के मूल मंत्र "शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो" पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही समाज के उत्थान का एकमात्र शक्तिशाली शस्त्र है। विशिष्ट अतिथि समाजसेवी मीना देवी ने महिला अधिकारों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि महिलाओं की वर्तमान स्वतंत्रता बाबा साहब के विजन की ही देन है। कार्यक्रम का संचालन कपिल देव ने किया। इस अवसर पर हरिप्रसाद, विनोद कुमार, डॉ. उत्तम कुमार सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

बच्चों के विवाद में भिड़े दो पक्ष

सितारगंज : बलीनगर क्षेत्र में बच्चों के बीच हुआ मामूली विवाद बड़ों की जंग में तब्दील हो गया। दो बच्चों की लड़ाई में उनके परिजन आपस में भिड़ गए, जिसके बाद पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायतों के आधार पर कुल छह लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। पहले पक्ष के राशिद का आरोप है कि 7 अप्रैल को उनके बेटे सैम रजा का विवाद पड़ोसी कौसर अली के बच्चों से हुआ था। जब उनकी पत्नी रिफा शिकायत करने गईं, तो शबाना और आमना ने उनकी पिटाई कर दी। राशिद ने यह भी आरोप लगाया कि कोतवाली से लौटते समय जेल कैंप रोड पर रशीद और नफीस ने उन्हें सड़क पर गिराकर पीटा और जान से मारने की धमकी दी। घायल दंपति को हायर सेंटर रेफर किया गया है। वहीं, दूसरे पक्ष की आमना ने आरोप लगाया कि जब वह बच्चों के बीच बचाव करने पहुंचीं, तो पड़ोसी राशिद और उसकी पत्नी रिफा ने उन पर बेल्ट और लात-घूंसों से हमला किया।

तराई में 40 डिग्री के पार पहुंचा तापमान

संवाददाता, रुद्रपुर

● मौसम वैज्ञानिकों ने अभी और गर्मी बढ़ने की जताई संभावना

अमृत विचार: तराई में पिछले एक सप्ताह से तापमान लगातार बढ़ रहा है। शुक्रवार को तराई का अधिकतम तापमान 40.2 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया है। इससे लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मौसम वैज्ञानिकों ने आने वाले दिनों में मौसम शुष्क रहने और तापमान में बढ़ोतरी होने की संभावना जताई है।

तराई में पिछले एक सप्ताह से चटक धूप निकल रही है। इससे लोगों को गर्मी का अहसास हो रहा है। पिछले एक सप्ताह से तापमान लगातार बढ़ रहा है। मौसम विभाग के पिछले एक सप्ताह के आंकड़ों को गौर करें तो शुक्रवार को अधिकतम तापमान 40.2 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 21.5 डिग्री सेल्सियस रहा।

गुरुवार को अधिकतम तापमान 39.7 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 18.1 डिग्री सेल्सियस रहा।

इसी तरह बुधवार को अधिकतम तापमान 38.5 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 16.3 डिग्री सेल्सियस, मंगलवार को अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस, सोमवार को अधिकतम तापमान 39.5 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 17.4 डिग्री सेल्सियस, रविवार को अधिकतम तापमान 39.4 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 18.9 डिग्री सेल्सियस रहा। जीबी पंत विवि के मौसम वैज्ञानिक डॉ.एएस नैन ने बताया कि आने वाले दिनों में तापमान में और अधिक वृद्धि होगी।

सिटी ब्रीफ

बीमारी के चलते हेड कांस्टेबल का निधन

खटीमा : कैंसर की बीमारी से ग्रस्त हेड कांस्टेबल भूपाल चंद हाल निवासी ग्राम भूड़ का निधन हो गया। उनके निधन से क्षेत्र व पुलिस विभाग में शोक की लहर छा गई। हैड कांस्टेबल भूपाल चंद पुलिस लाइन जनपद उधम सिंह नगर में कार्यरत थे। वह काफी समय से कैंसर की बीमारी से ग्रस्त थे। जिनका 23 अप्रैल की रात्रि लगभग 10 बजे उनके निवास स्थान भूड़ में निधन हो गया है। पुलिस ने पोस्टमार्टम कर मृतक के शव को परिजनों के सुपुर्द किया। मृतक अपने पीछे पत्नी मंजू चंद व दो पुत्रों को रोता बिलखता छोड़ गए है। मृतक का अंतिम संस्कार शुक्रवार को शारदा घाट बनबसा में सम्मान के साथ किया गया।

तेज रफ्तार कार ने पकौड़ी के ठेले को रौंदा

बाजपुर : नगर में एक तेज रफ्तार कार चालक ने सड़क किनारे खड़े पकौड़ी के ठेले को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में ठेला पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है, जिससे पीड़ित संचालक को भारी आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ा है। मुड़िया कलां खेड़ा निवासी पीड़ित महेश कुमार ने पुलिस को बताया कि वह चीनी मिल गेस्ट हाउस के पास ठेला लगाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करता है। 23 अप्रैल की देर रात करीब 10 बजे, पीछे से आई एक अनियंत्रित कार ने उसके ठेले में टक्कर मार दी। महेश का आरोप है कि कार सवार लोग नशे में धुत्त थे और वारदात के बाद मौके से फरार हो गए। महेश कुमार ने बताया कि आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण वह ठेले की मरम्मत कराने में असमर्थ है, जिससे उसके सामने परिवार के पालन-पोषण की समस्या खड़ी हो गई है।

सट्टे की खाईबाड़ी करते एक आरोपी गिरफ्तार

काशीपुर : कोतवाली पुलिस ने अवैध सट्टे के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। बांसफोड़ान चौकी पुलिस के एसआई देवेंद्र सिंह मेहता अपनी टीम के साथ गश्त पर थे, तभी गंगे बाबा रोड स्थित श्मशान घाट के पास सट्टे की खाईबाड़ी कर रहे मोहल्ला महेशपुरा निवासी फईम को दबोच लिया गया। तलाशी के दौरान आरोपी के पास से सट्टा पर्ची, डायरी, पेन और 2800 रुपये की नकदी बरामद हुई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

युवती से छेड़छाड़ और मारपीट, चेन लूटी

बाजपुर : नगर क्षेत्र में एक युवती के साथ छेड़छाड़, मारपीट और लूटपाट का मामला सामने आया है। पीड़िता ने पड़ोस के ही एक युवक और उसके साथियों के खिलाफ कोतवाली में नामजद तहरीर देकर सख्त कार्रवाई की मांग की है। गुरुवार रात करीब 9 :20 बजे वह खाना खाने के बाद अपने घर के बाहर टहल रही थी। घर से कुछ ही दूरी पर खड़े युवकों ने उसे रोककर अभद्र व्यवहार और छेड़छाड़ शुरू कर दी। जब युवती ने इसका विरोध किया, तो आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की। शोर सुनकर आए एक पड़ोसी ने जब बीच-बचाव की कोशिश की, तो हमलावरों ने उन्हें भी नहीं बख्शा और उनके साथ भी मारपीट की। पीड़िता ने तहरीर में आरोप लगाया है कि छीना-झपटी के दौरान आरोपी उसके गले से करीब 6 ग्राम सोने की चेन लूटकर फरार हो गए।

चेक बाउंस मामले में तीन माह की सजा

काशीपुर : प्लॉट के नाम पर धोखाधड़ी और चेक बाउंस के मामले में न्यायिक मजिस्ट्रेट पूनम टोडी की अदालत ने आरोपी साकिर को दोषी करार देते हुए तीन माह के कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही कोर्ट ने दोषी पर 3 लाख 25 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। कुंडा निवासी अब्दुल गफ्फार ने परिवाद में बताया कि रामनगर निवासी साकिर ने एक प्लॉट का सौदा कर उनसे 3 लाख 5 हजार रुपये हड़प लिए थे। बैनामा न करने पर जब पैसे वापस मांगे गए, तो साकिर का दिया चेक बैंक में बाउंस हो गया। अदालत ने साक्ष्यों के आधार पर साकिर को सजा सुनाई।

सिक्योरिटी गार्ड की मौत मामले में केस दर्ज

काशीपुर : ड्यूटी पर जा रहे एक सिक्योरिटी गार्ड को तेज रफ्तार बाइक ने पीछे से टक्कर मार दी, जिससे उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। मूल रूप से कुशीनगर निवासी सत्याचरण दुबे अलीगंज रोड स्थित एक स्कूल में तैनात थे। 11 अप्रैल की सुबह स्कूल जाते समय पीछे से आ रहे अज्ञात बाइक चालक ने उन्हें लापरवाही से टक्कर मार दी थी। गंभीर हालत में उन्हें दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उन्होंने दम तोड़ दिया। मृतक के पुत्र आदर्श दुबे की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।

काशीपुर में फॉर्मर आईडी बनाने की प्रक्रिया हुई शुरू

किसान विकास क्लब की बैठक में जैविक खेती पर जोर दिया

संवाददाता, काशीपुर

बैठक में किसानों को संबोधित करते मुख्य कृषि अधिकारी वीके सिंह।

अमृत विचार: अनाज मंडी स्थित गेस्ट हाउस में किसान विकास क्लब की मासिक बैठक प्रदेश अध्यक्ष अरुण कुमार शर्मा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। कार्यक्रम का सफल संचालन हास्य कवि संजय राजपूत ने किया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ समाजसेवी खिलेंद्र चौधरी और विशिष्ट अतिथि के रूप में मुख्य कृषि अधिकारी वी.के. सिंह उपस्थित रहे।

बैठक का मुख्य आकर्षण फॉर्मर आईडी बनाने के कार्य की शुरुआत रही, जिससे बड़ी संख्या में किसान लाभान्वित हुए। पोर्टल पर नाम न होने या तकनीकी त्रुटि के कारण वंचित रहे किसानों को अध्यक्ष अरुण शर्मा ने लेखपालों से मिलकर सुधार कराने की सलाह दी। इस पर मुख्य कृषि अधिकारी वी.के. सिंह ने भरोसा दिलाया कि गांव-गांव में आईडी बनाने की व्यवस्था की गई है और आवश्यकता पड़ने पर 3-4 दिन बाद मंडी में पुनः शिविर लगाया जाएगा। समाजसेवी खिलेंद्र चौधरी ने किसानों से जैविक एवं प्राकृतिक खेती अपनाने का आह्वान किया और उनकी समस्याओं को शासन तक पहुंचाने का वादा किया। अंत में वेलवैक्स कंपनी और इगनोवा लाइटिंग के प्रतिनिधियों ने कृषि यंत्रों व उपकरणों की प्रदर्शनी लगाकर किसानों को गुणवत्तापूर्ण जानकारी दी। इस दौरान प्रेम सिंह सहोता, दर्शन दयाल मौजूद रहे।

घर में घुसकर हमला दो की हालत नाजुक

बाजपुर: ग्राम टांडा अनीचंद में पुरानी रंजिश के चलते दर्जनों हमलावरों ने एक घर में घुसकर परिवार पर लाठी-डंडों, लोहे की रॉड और धारदार हथियारों से जानलेवा हमला कर दिया। इस हमले में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिनमें से दो की हालत आईसीयू में नाजुक बनी हुई है। पीड़िता विमला कौर ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 23 अप्रैल की दोपहर करीब 2 बजे हमलावरों ने घर का दरवाजा तोड़कर प्रवेश किया। आरोपियों ने उनके पति बलजीत सिंह, सास जोगेंद्र कौर और दोस्त असलम पर हमला बोल दिया। हमले में असलम के सिर में गहरी चोट आई है और करीब 30 टांके लगे हैं, जबकि बलजीत के सिर व गर्दन पर गंभीर वार किए गए हैं।

विमला कौर का आरोप है कि विरोध करने पर उनके साथ भी मारपीट की गई और पुलिस को सूचना देने पर मोबाइल छीन लिया गया। शोर मचने पर आरोपी धमकी देते हुए फरार हो गए।

काशीपुर में सड़क का शिलान्यास करते मेयर दीपक बाली व अन्य। ● अमृत विचार

मेयर ने किया विकास कार्यों का शिलान्यास

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: नगर को बुनियादी सुविधाओं से संतृप्त करने के संकल्प के साथ मेयर दीपक बाली ने वार्ड संख्या 2, जसपुर खुर्द में विकास कार्यों की झड़ी लगा दी है। मेयर ने क्षेत्र में 1 करोड़ 58 लाख 10 हजार रुपये की लागत से बनने वाली 8 सड़कों के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर मेयर बाली ने कहा कि काशीपुर में लगभग 2,500 सड़कें बनाने का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें से 900 सड़कों का निर्माण कार्य गतिमान है। उन्होंने जोर देकर कहा कि शहर के हर वार्ड को मजबूत बुनियादी ढांचा प्रदान करना उनकी प्राथमिकता है।

सड़क निर्माण के साथ ही पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कदम उठाते हुए मेयर ने यूपीसीएल कार्यालय परिसर में 31 लाख 66 हजार रुपये की लागत से 'वॉटर हार्वेस्टिंग' परियोजना का शिलान्यास भी किया। उन्होंने बताया कि यह परियोजना जल संकट से निपटने में मील का पत्थर साबित होगी। इस मौके पर मंडल अध्यक्ष अर्जुन सिंह, यूपीसीएल के अधिशासी अभियंता अजित यादव, पार्षद मनोज जग्गा मौजूद रहे।

अजय किंग्स और बसगर फाइनल में

शक्तिफार्म : हेमवती नंदन बहुगुणा क्रिकेट टूर्नामेंट में शुक्रवार को खेले गए मैचों में अजय किंग्स और बसगर ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। पहले मैच में सिसौना की टीम अजय किंग्स की धारदार गेंदबाजी के आगे 93 रनों पर सिमट गई। अजय किंग्स के मोहम्मद अशद ने 3 विकेट लिए, जबकि शिवम अग्रवाल ने 44 रनों की पारी खेलकर अपनी टीम को जीत दिलाई। दूसरे सेमीफाइनल में पिपलिया इलेवन ने 140 रन बनाए, लेकिन बसगर के अमन कुमार (4 विकेट) की घातक गेंदबाजी और गौरव व धीरज की पारियों ने बसगर को फाइनल का टिकट दिला दिया।

रविवार को होने वाले फाइनल मुकाबले को लेकर क्षेत्र में जबरदस्त उत्साह है। आयोजन समिति के अनुसार, भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज आरपी सिंह फाइनल में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। मैच में राकेश बिष्ट व राहुल कुमार ने अंपायरिंग और विक्रम सिंह स्कोरर रहे।

काशीपुर के राधेहरि राजकीय महाविद्यालय में विजेताओं के साथ अतिथि।

सामान्य ज्ञान में टीम डार्विन ने बाजी मारी

काशीपुर : राधे हरि राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के जंतु विज्ञान विभाग द्वारा विभागीय परिषद की विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं के सम्मान में पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य प्रो. कल्पनाथ यादव ने की, जिन्होंने छात्रों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं व्यक्तित्व विकास के लिए अनिवार्य हैं। जंतु विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित पोस्टर, शोध पत्र लेखन, स्किट और सामान्य ज्ञान जैसी प्रतियोगिताओं में बी.एससी. एवं एम.एससी. के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। पोस्टर प्रतियोगिता में ममता, एक्सटेम्पोर में अल्फेज और शोध पत्र लेखन में ममता ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। स्किट में अंशिका व हर्षिता की टीम अव्वल रही, जबकि सामान्य ज्ञान में 'टीम डार्विन' ने बाजी मारी। प्राचार्य ने सभी विजेताओं को प्रमाण-पत्र एवं पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ. ममतेश कुमारी, डॉ. आकाश चंद्र मिश्रा, डॉ. पद्मा वशिष्ट, डॉ. बबिता सेलाकोटी और डॉ. सचिन बोहरा आदि उपस्थित रहे।

संदिग्ध हालात में युवक की मौत

संवाददाता, दिनेशपुर

- परिवार का अकेला खेवनहार था मृतक, परिजनों में कोहराम
- पुलिस जांच में जुटी, पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार

अमृत विचार: युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतक अमृतनगर नंबर- एक निवासी था। शुक्रवार की सुबह गांव के ही एक खाली घर के एक कमरे में वह मृत अवस्था में मिला। परिजनों ने युवक के साथियों पर हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मौके पर पहुंची फोरेंसिक टीम ने घटना स्थल से साक्ष्य जुटाए हैं।

सुजय हीरा। (फाइल)

मृतक सुजय हीरा पुत्र सुभाष हीरा अपनी पत्नी पूजा हीरा, 8 वर्षीय पुत्र शिवांश हीरा, 18 माह की मासूम पुत्री सृष्टि हीरा, माता संताना हीरा और नानी तुलाबती के साथ ग्राम पंचायत श्रीरामपुर के अमृत नगर नंबर- 1 गांव में रहता था। वह परिवार के गुजर बसर के लिए अशोक लीलैंड में सामान्य मजदूरी (हेल्परी) का काम करता था। मां संताना सामान्य लेबरी का कार्य करती है। परिजनों के अनुसार, गुरुवार रात्रि करीब 9 बजे सुजय हीरा को अपने कुछ दोस्तों ने फोन कर घर से बुलाकर साथ ले गए। रात को सुजय हीरा घर नहीं लौटा। शुक्रवार सुबह गांव के ही एक खाली घर के कमरे में सुजय हीरा का शव मिला। रोते- बिलखते परिजनों का कहना है कि सुजय हीरा रात को बिल्कुल ठीक-ठाक घर से निकला था। सुबह उसकी मौत की खबर आई। परिजनों में कोहराम मच गया।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। मामले की गंभीरता को देखते हुए उत्तराखंड पुलिस की फोरेंसिक टीम को भी बुलाया गया। टीम ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए हैं।

थाना अध्यक्ष रविंद्र सिंह बिष्ट ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया है। फिलहाल सुजय हीरा की मौत एक पहेली बनी हुई है। पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है कि यह आपसी रंजिश का मामला है, या इसके पीछे कोई और वजह है। जांच के बाद कार्रवाई होगी।

जसपुर में मेधावियों के साथ स्कूल प्रबंधक।

वीएसएम सनफ्लावर में मेधावियों को किया सम्मानित

जसपुर : सीबीएसई बोर्ड परीक्षाओं में उम्दा प्रदर्शन करने वाले मेधावियों को स्कूल प्रबंधन द्वारा नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। शुक्रवार को महुवाडाबरा स्थित वीएसएम सनफ्लावर पब्लिक स्कूल में कार्यक्रम आयोजित कर स्कूल की छात्रा यशस्वी चौहान द्वारा सीबीएसई बोर्ड में 95 .2 प्रतिशत अंक लाने पर प्रबंधन द्वारा एक हजार रुपए नगद एवं मेडल देकर सम्मानित किया गया। वहीं गरिमा चौहान को 90 .6 प्रतिशत अंक हासिल करने पर पांच सौ रुपए एवं मेडल देकर सम्मानित किया। स्कूल प्रबंधक अजय चौधरी द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों की हौसलाअफजाई कर उज्जवल भव्य की शुभकामना दी। इस मौके पर प्रधानाचार्य हरिओम सपरा, अनमोल रोहेला, यशपाल सिंह, जितेंद्र कुमार आदि मौजूद रहे।

पं. सत्येंद्र चंद्र गुड़िया की 16वीं पुण्यतिथि पर दी गई श्रद्धांजलि

संवाददाता, काशीपुर

काशीपुर में पुस्तकालय का लोकार्पण करते नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य।

अमृत विचार: सत्येंद्र चंद्र गुड़िया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड लॉ कॉलेज में संस्थान के संस्थापक स्वर्गीय पं. सत्येंद्र चंद्र गुड़िया की 16वीं पुण्यतिथि श्रद्धापूर्वक मनाई गई।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने स्व. गुड़िया की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस दौरान उन्होंने अपनी विधायक निधि से नवनिर्मित ''पंडित नारायण दत्त तिवारी स्मृति पुस्तकालय कक्ष'' का लोकार्पण भी किया। आर्य ने पं. तिवारी और पं. गुड़िया के प्रगाढ़ संबंधों को याद करते हुए कहा कि काशीपुर के विकास में इन दोनों विभूतियों का योगदान सदैव अविस्मरणीय रहेगा।

इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता अनुपम शर्मा, अरुण चौहान, अर्पित मेहरोत्रा, मुशर्रफ हुसैन, जय सिंह गौतम, अलका पाल, इंदु मान, जितेंद्र सरस्वती, सौरभ शर्मा एडवोकेट, महेंद्र बेदी, संदीप सहगल, उमेश जोशी एडवोकेट, मनोज जोशी एडवोकेट, रोशनी बेगम, उषा चौधरी, मुक्ता सिंह, लता शर्मा, ब्रह्मपाल, संजय चतुर्वेदी, पंकज पंत, राजू छीना, इकबाल अदीब, मनोज पाल, सुरेश शर्मा जंगी, सरदार कश्मीर सिंह, फिरोज हुसैन, अंशुमान, विधु शेखर शर्मा आदि मौजूद रहे।

इंडिया ग्लाइकोल्स को मिला सम्मान

काशीपुर: हरित केमिकल्स उत्पाद के क्षेत्र में अग्रणी संस्थान इंडिया ग्लाइकोल्स लिमिटेड ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। वैश्विक स्तर पर मान्य ''ग्रेट प्लेस टू वर्क'' संस्थान द्वारा आईजीएल को प्रमाणित किया गया है। यह गौरव संस्थान की उत्कृष्ट कार्यस्थल संस्कृति, विश्वास आधारित वातावरण और अपने कर्मचारियों के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

इस पर खुशी जाहिर करते हुए आईजीएल के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर आलोक सिंघल ने कहा कि यह उपलब्धि टीम भावना और कर्मचारियों के समर्पण का परिणाम है। प्रबंधक आर.सी. उपाध्याय और मुख्य मानव संसाधन अधिकारी देव झा ने इस मौके पर कहा कि कर्मचारियों की संतुष्टि और उनका सर्वांगीण विकास ही संस्थान की सफलता की असली कुंजी है।

मेडिकल टेस्ट के आदेश पर आक्रोश

बाजपुर: सहकारी चीनी मिल के स्थायी कर्मचारियों ने प्रबंधन द्वारा जारी चिकित्सकीय परीक्षण (मेडिकल टेस्ट) के आदेश के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। कर्मचारियों ने इस प्रक्रिया का पूर्ण बहिष्कार करते हुए प्रबंधन को पत्र सौंपकर आदेश निरस्त करने की मांग की है।

प्रधान प्रबंधक को दिए पत्र में कर्मचारियों ने तर्क दिया कि वे नियुक्ति के समय सभी नियमों के तहत मेडिकल टेस्ट करा चुके हैं। वर्ष 2018 के शासनादेश के बाद से मिल में कर्मचारियों की चिकित्सा सुविधाएं और भत्ते पहले ही स्थगित हैं। कर्मचारियों का आरोप है कि एक ओर उन्हें कोई स्वास्थ्य लाभ नहीं दिया जा रहा, वहीं दूसरी ओर मेडिकल बोर्ड के बहाने कर्मचारियों की छंटनी की साजिश रची जा रही है। कर्मचारियों ने दो टूक कहा है कि जब तक प्रबंधन इस निर्णय पर पुनर्विचार नहीं करता, तब तक वे इस प्रक्रिया में शामिल नहीं होंगे। प्रदर्शन में रामसरन, गुरदयाल, छोटे लाल, सुभाष, राजू शामिल रहे।

खटीमा के झनकइया में शारदा नहर से कलश में जल भरतीं महिलाएं। ● अमृत विचार

कलश यात्रा के साथ धार्मिक अनुष्ठान शुरू

संवाददाता, खटीमा

- नारायण नगर में तीन दिनी अखंड महानाम संकीर्तन शुरू

अमृत विचार: नारायण नगर नगरा तराई स्थित शिव एवं कृष्ण मंदिर में विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का उल्लासपूर्वक शुभारंभ हो गया है। कार्यक्रम की शुरुआत भव्य कलश यात्रा से हुई, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में शारदा नदी से पवित्र जल लाकर जलाभिषेक किया।

महंत सपन विश्वास की देखरेख में आयोजित इस उत्सव में 16 प्रहर व्यापी अखंड महानाम संकीर्तन, तीन दिवसीय विशाल भंडारा और भव्य मेले का आयोजन किया जाएगा। इससे पूर्व महंत विश्वास, पुजारी सोनू घोष, अध्यक्ष राकेश बडाल और सचिव सुकांतो घोष के सानिध्य में मां काली का भव्य पूजन संपन्न हुआ। उत्सव के क्रम में शाम को महाओ दिवस, महाप्रभु मंगलघाट स्थापना और महाभोग जैसे विशेष अनुष्ठान संपन्न किए जाएंगे। कलश यात्रा में रंदीप पोखरिया, सूरज धामी, संकेशी ब्रिजन, दीपक मेहर, कमलेश विश्वास, नित्यानंद विश्वास, सरजीत राय, रजत विश्वास, कार्तिक सरदार आदि मौजूद रहे।

सिटी डायरी

डॉ. रुचि को बधाई देते मुख्य प्रशासनिक अधिकारी डॉ. केके जोशी।

डॉ. रुचि जलाल को मिला 'एक्सीलेंस रिसर्च' पुरस्कार

किच्छा : सूरजमल अग्रवाल गर्ल्स पीजी कॉलेज की सहायक प्राध्यापिका डॉ. रुचि जलाल ने राष्ट्रीय स्तर पर संस्थान का मान बढ़ाया है। देहरादून के तुलाज इंस्टीट्यूट में आयोजित आठवें राष्ट्रीय सम्मेलन ''प्लांटिका-प्लांट साइंस रिसर्च मीट'' में डॉ. जलाल को सर्वश्रेष्ठ शोध प्रबंध और ''एक्सीलेंस रिसर्च अवार्ड 2026'' से सम्मानित किया गया। डॉ. रुचि जलाल को यह सम्मान वनस्पति विज्ञान के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट शोध कार्य हेतु प्रदान किया गया। इस उपलब्धि पर कॉलेज प्रबंधन में खुशी है।

जसपुर में सड़क का लोकार्पण करते विधायक आदेश चौहान।

जसपुर में विधायक आदेश चौहान ने किया 6 सड़कों का लोकार्पण

जसपुर : क्षेत्र के विकास को गति देते हुए विधायक आदेश चौहान ने विभिन्न ग्राम पंचायतों में जनहित के कार्यों को समर्पित किया। शुक्रवार को विधायक ने ग्राम रामनगर, फजलपुर, सीपका, अमियावाला और भगवन्तपुर में 35 लाख रुपये की लागत से नवनिर्मित 6 सीसी टाइल्स रोड का ग्रामीणों संग लोकार्पण किया। सीसी टाइल्स रोड बनने से स्थानीय ग्रामीणों को जलभराव और कीचड़ जैसी समस्याओं से निजात मिलेगी। लोकार्पण के मौके पर ग्रामीणों ने विधायक का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर जीवनजीत सिंह, त्रिलोचन सिंह, कोमल सिंह, मुजाहिद, शाहिद हुसैन, ख़ेम सिंह, सुरजीत ढिल्लो, राजीव चौहान, सर्वेश चौहान, सरनदीप कौर, रीना देवी, आदि मौजूद रहे।

रक्तदान करते निरंकारी मिशन के अनुयायी।

निरंकारियों ने किया रक्तदान

रुद्रपुर : संत निरंकारी मिशन की स्थानीय शाखा ने नैनीताल हाईवे स्थित निरंकारी भवन में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया। जहां मानव एकता दिवस पर सद्भाव का संदेश दिया गया। रक्तदान शिविर का शुभारंभ संयोजक सुरेंद्र सिंह, ज्ञान प्रचारक सुरेंद्र चावला और महापौर विकास शर्मा ने किया। शुक्रवार को शिविर के दौरान महापौर विकास शर्मा ने कहा कि निरंकारी मिशन देश भर में मानव एकता दिवस मनाता है। इसी दिन को रक्तदान शिविर का आयोजन करता है। यही कारण है कि निरंकारी मिशन सबसे ज्यादा रक्तदान करने वाला मिशन बन चुका है। शिविर में 100 से अधिक सेवादारों ने रक्त देकर मानव एकता का संदेश दिया। इस मौके पर चरणजीत सिंह, दीदार सिंह, गीतांजलि, पूनम गुलियानी, सन्नी गाबा, पवन गाबा, शारदा गाबा आदि मौजूद रहे।

छात्राओं ने मॉडल के माध्यम से प्रतिभा का किया प्रदर्शन

किच्छा : नगर के सूरजमल अग्रवाल कन्या महाविद्यालय में छात्राओं द्वारा एक भव्य विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी में छात्राओं ने विज्ञान के विभिन्न विषयों पर आधारित आकर्षक मॉडल प्रस्तुत कर अपनी वैज्ञानिक प्रतिभा और रचनात्मक कौशल का प्रदर्शन किया। निर्णायक मंडल ने छात्राओं के प्रोजेक्ट्स की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। प्राचार्य डॉ. बी.सी. जोशी व अन्य अतिथियों ने छात्राओं को प्रोत्साहित करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस दौरान समस्त स्टाफ व छात्राएं मौजूद रहीं।

किच्छा में प्रदर्शनी का निरीक्षण करते अतिथि।

ब्रीफ न्यूज

छात्र अनुज का जेईई एडवांस के लिए चयन

टनकपुर : नंदा कान्वेंट स्कूल, टनकपुर के मेधावी छात्र अनुज प्रजापति ने जेईई मेन (बीई/बीटेक) 2026 के पेपर-1 को सफलतापूर्वक उत्तीर्ण कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। इस उपलब्धि के साथ ही अनुज अब जेईई एडवांस्ड 2026 में प्रतिस्पर्धा करने के लिए पात्र हो गए हैं। अनुज प्रजापति ने अपनी सफलता का श्रेय कड़ी मेहनत, समर्पण और शिक्षकों के मार्गदर्शन को दिया। विद्यालय की प्रबंधक जानकी खर्कवाल और प्रधानाचार्य ज्योति चंद सहित समस्त विद्यालय परिवार ने छात्र की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

बनबसा पुलिस ने दो वारंटी किए गिरफ्तार

बनबसा : बनबसा पुलिस ने अभियान चलाकर दो वारंटियों को गिरफ्तार किया। पुलिस टीम ने अरुण कुमार (24) पुत्र प्रेमपाल, निवासी आर्मी कैंप फागपुर, थाना बनबसा हाल पता वार्ड नंबर-04, टैक्सी स्टैंड, कोतवाली टनकपुर तथा सुरेश राम (35) पुत्र गोपाल राम, निवासी ग्राम व पोस्ट चंदनी, थाना बनबसा, जिला चम्पावत को गिरफ्तार किया। दोनों को न्यायालय में पेश किया गया।

बागेश्वर में जिला योजना के लिए 59.61 करोड़ रुपये का बजट पास

प्रभारी मंत्री राम सिंह कैड़ा ने जिला योजना को दी मंजूरी, कार्यों में गुणवत्ता पर जोर

संवाददाता, बागेश्वर

अमृत विचार: जनपद बागेश्वर में वित्तीय वर्ष 2026-27 के दौरान 59.61 करोड़ रुपये के परिव्यय से विभिन्न विकास कार्य कराए जाएंगे। जनपद के प्रभारी मंत्री राम सिंह कैड़ा ने वार्षिक जिला योजना के तहत विभिन्न योजनाओं को मंजूरी प्रदान करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्य समयबद्ध और गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं।

विकास सभागार में आयोजित वार्षिक जिला योजना बैठक में वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए विभागवार कुल 59.61 करोड़ रुपये का परिव्यय निर्धारित करते हुए योजना को अनुमोदित किया गया। बैठक के दौरान जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे ने प्रभारी मंत्री का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने अपने-अपने विभागों से संबंधित प्रस्तावित योजनाओं, निर्धारित बजट के उपयोग और कार्यों की रूपरेखा प्रस्तुत की। प्रभारी मंत्री ने निर्देश दिए कि जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आवश्यक योजनाओं को जिला योजना में शामिल किया जाए। उन्होंने कहा कि समन्वित प्रयास और पारदर्शी कार्यप्रणाली से ही जनपद को विकास की अग्रिम पंक्ति में लाया जा सकता है।

जिला योजना बैठक में उपस्थित प्रभारी मंत्रीराम सिंह कैड़ा व अधिकारी। ● अमृत विचार

जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे ने जनपद में चल रहे विकास कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि योजनाओं की नियमित समीक्षा की जा रही है और अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की गई है।

बैठक से पूर्व प्रभारी मंत्री ने स्वयं सहायता समूहों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण किया और महिला समूहों से संवाद कर उनके प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर बागेश्वर विधायक पार्वती दास, कपकोट विधायक सुरेश गड़िया, दर्जा राज्य मंत्री शिव सिंह बिष्ट, दर्जा राज्य मंत्री भूपेश उपाध्याय, जिला पंचायत अध्यक्ष शोभा आर्या, मुख्य विकास अधिकारी आरसी तिवारी, पुलिस अधीक्षक जितेंद्र मेहरा, प्रभागीय वनाधिकारी आदित्य रत्न, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी दिनेश रावत सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

अस्पतालों को मिले आधुनिक लेंसमीटर

टनकपुर: मुख्यमंत्री के निर्देशों के क्रम में जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के समन्वित प्रयासों से एनएचपीसी लिमिटेड ने कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के अंतर्गत जिला चिकित्सालय चम्पावत व उप जिला चिकित्सालय टनकपुर को नेत्र परीक्षण के लिए अत्याधुनिक लेंसमीटर उपकरण उपलब्ध कराए हैं।

इस पहल से जनपद के नागरिकों को अब अपने ही क्षेत्र में उच्च गुणवत्ता वाली नेत्र जांच सुविधाएं मिल सकेंगी, जिससे उन्हें दूरस्थ स्थानों पर जाने की आवश्यकता कम होगी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. देवेश चौहान ने बताया कि लेंसमीटर जैसे उन्नत उपकरण की उपलब्धता से चश्मों के लेंस की पावर, गुणवत्ता और सटीकता की जांच अब स्थानीय स्तर पर ही संभव हो सकेगी। उन्होंने कहा कि इस तकनीक से नेत्र परीक्षण सेवाओं को मजबूती मिलेगी और दृष्टिदोष से संबंधित जांचें अधिक सटीकता के साथ की जा सकेंगी। जिलाधिकारी मनीष कुमार ने कहा कि यह पहल विशेष रूप से दूरस्थ एवं सीमांत क्षेत्रों के लोगों के लिए लाभकारी साबित होगी। उन्होंने एनएचपीसी लिमिटेड के सहयोग को जनहित में सराहनीय कदम बताते हुए आभार व्यक्त किया।

मेडिकल स्टोर का निरीक्षण करते अधिकारी। ● अमृत विचार

बागेश्वर में मेडिकल स्टोरों का औचक निरीक्षण किया

संवाददाता, बागेश्वर

अमृत विचार: जिला आयुर्वेद एवं यूनानी अधिकारी डॉ. निष्ठा शर्मा कोहली ने विभिन्न मेडिकल स्टोरों का औचक निरीक्षण कर दवाओं की बिक्री नियमों के अनुरूप करने के निर्देश दिए। इस दौरान दवाओं के सैंपल भी जांच के लिए लिए गए।

निरीक्षण के दौरान स्टोरों में उपलब्ध आयुर्वेदिक औषधियों के रखरखाव, एक्सपायरी तिथियों, बिल बुक, स्टॉक पंजिका एवं अन्य आवश्यक अभिलेखों की जांच की गई। जांच के उपरांत कुछ कमियां पाई गईं, जिन पर संबंधित संचालकों को आवश्यक सुधार के निर्देश दिए गए। डॉ. कोहली ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी औषधियों की बिक्री केवल पंजीकृत चिकित्सक की सलाह पर ही की जाए और बिना प्रिस्क्रिप्शन किसी भी प्रकार की दवा का वितरण पूर्णतः प्रतिबंधित रहे। उन्होंने कहा कि औषधि विक्रेताओं द्वारा नियमों का कड़ाई से पालन करना जनस्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है।

निरीक्षण के दौरान दो औषधियों के सैंपल जांच के लिए लिए गए। टीम में मुख्य फार्मेसी अधिकारी ओम प्रकाश रतूड़ी एवं चिकित्सा अधिकारी डॉ. एजल पटेल भी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने बताया कि भविष्य में भी इस प्रकार के औचक निरीक्षण नियमित रूप से किए जाते रहेंगे।

अपनी मांगों को लेकर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने किया मौन प्रदर्शन

संवाददाता, चम्पावत

अमृत विचार : 24 हजार रुपये मासिक मानदेय दिए जाने सहित विभिन्न मांगों को लेकर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने धरना प्रदर्शन जारी रखा। शुक्रवार को चम्पावत में कार्यकर्ताओं ने मौन होकर धरना दिया। गुरुवार को उन्होंने सरकार की सदबुद्धि के लिए हनुमान चालीसा का पाठ किया था।

भैरवा स्थित टैक्सी स्टेंड पहुंचने के बाद कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष दीपा पांडेय के नेतृत्व में मौन धरना शुरू कर दिया। इससे पूर्व उन्होंने मानदेय में वृद्धि करने के साथ बायोमैट्रिक से उपस्थिति की अनिवार्यता समाप्त करने, सेवानिवृत्ति पर 10 लाख रुपये की एकमुश्त धनराशि देने,

चम्पावत में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने किया मौन प्रदर्शन।

विभाग में रिक्त पदों पर जिलेवार पदोन्नति देने आदि मांगे प्रमुखता से उठाई। संगठन की प्रदेश सदस्य विमला पनेरू ने कहा कि सरकार आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की जायज मांगों को अनसुना कर रही है। कार्यकर्ता 22 दिन से धरना प्रदर्शन कर रही हैं, लेकिन सरकार का कोई भी नुमाइंदा उनकी सुध लेने नहीं पहुंचा। इस दौरान शशि प्रभा, शांति देवी, चंद्रकला, पुष्पा मेहरा, मीना देवी, जीवंती जोशी, राधा बिष्ट, सुमन बिष्ट, प्रवीना गड़कोटी, विमला शर्मा, हेमा जोशी, विनीता आर्या, कमला तड़ागी आदि मौजूद रहीं।

नर्सिंग कॉलेज के शिक्षक पर लगाया अभद्रता का आरोप

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: नगर के एक निजी नर्सिंग कॉलेज के छात्रों ने शिक्षक पर अभद्रता का आरोप लगाया है। शुक्रवार को मामले को लेकर छात्रों ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के बाद कॉलेज में दिन माहौल गरमाया रहा।

नर्सिंग कॉलेज के छात्रों ने शिक्षक पर प्रताड़ना और अभद्रता का आरोप लगाते हुए डायल 112 में फोन कर पुलिस को बुला लिया। बताया कि इंटर्नशिप के दौरान एक छात्र ने शिक्षक की आपत्तिजनक फोटो खींच ली। इससे विवाद शुरू हो गया। शुक्रवार को कॉलेज खुलने के बाद छात्रों और शिक्षक के बीच विवाद खड़ा हो गया। इस दौरान छात्रों ने एक शिक्षक पर सजा के तौर पर पेंट उतारने और गाली गलौच का आरोप लगाया। जिससे कुछ छात्र भड़क गए। दिन भर कॉलेज में छात्रों और कॉलेज प्रशासन के बीच विवाद चलता रहा। छात्रों ने कॉलेज प्रशासन से मामले में कार्रवाई की मांग उठाई। इधर, विवाद के बाद कवरेज को पहुंचे पत्रकारों से कॉलेज प्रबंधक द्वारा अभद्रता करने का मामला सामने आया है। वहीं, पत्रकारों ने मामले को लेकर एसएसपी से मुलाकात कर कार्रवाई की मांग उठाई है। उधर, बेस चौकी प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि कॉलेज के एक छात्र की ओर से डायल 112 में शिकायत की गई थी। मामले को लेकर अभी की तहरीर नहीं मिली है। तहरीर के बाद अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

फार्मेसी अधिकारियों ने काली पट्टी बांधकर किया प्रदर्शन, जताया रोष

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: जिले के सरकारी अस्पतालों में फार्मेसी अधिकारियों ने चारधाम यात्रा ड्यूटी का भुगतान लंबित रहने के विरोध में सांकेतिक प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने बांह पर काली पट्टी बांधकर कार्य करते हुए अपनी नाराजगी जताई और बकाया राशि शीघ्र जारी करने की मांग की।

शुक्रवार को डिप्लोमा फार्मासिस्ट एसोसिएशन के आह्वान पर जिले के विभिन्न अस्पतालों में फार्मेसी अधिकारियों ने काली पट्टी बांधकर कार्य किया और सरकार के खिलाफ रोष व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि वर्ष 2024-25 की चारधाम यात्रा के दौरान उन्होंने अपनी सेवाएं दी

काली पट्टी बांधकर विरोध जताते फार्मेसी अधिकारी। ● अमृत विचार

थीं, लेकिन अब तक उनके यात्रा बिलों का भुगतान नहीं किया गया है। फार्मेसी अधिकारियों ने कहा कि लगातार मांग के बावजूद उनकी समस्या का समाधान नहीं हो रहा है, जिससे कर्मचारियों में भारी आक्रोश है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द भुगतान नहीं किया गया तो वे उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

इस दौरान एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष डीके जोशी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष जेएस मनराल, उपाध्यक्ष गोपाल सिंह, मंत्री रजनीश जोशी, संयुक्त मंत्री ललित नेगी, कोषाध्यक्ष कैलाश पपने और संप्रेक्षक माया पांडे सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

सीएम कैंप कार्यालय में ज्ञापन सौंपते व्यापार मंडल के पदाधिकारी।

खाटू श्याम को एसी बस सेवा फिर शुरू करने की मांग

टनकपुर : नगर उद्योग व्यापार मंडल ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर खाटू श्याम के लिए पूर्व में संचालित एसी बस सेवा को पुन: शुरू करने की मांग की है। व्यापार मंडल अध्यक्ष वैभव अग्रवाल के नेतृत्व में सीएम कैंप कार्यालय के माध्यम से ज्ञापन प्रेषित किया गया। ज्ञापन में कहा गया है कि टनकपुर से खाटू श्याम के लिए संचालित एसी बस सेवा बंद होने से श्रद्धालुओं एवं अन्य यात्रियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। व्यापारियों का आरोप है कि परिवहन निगम के अधिकारियों ने बिना पूर्व सूचना के एसी बस सेवा बंद कर दी और इसके स्थान पर साधारण (सीएनजी) बस सेवा शुरू की गई है, जो अक्सर खराब रहती है। इससे व्यापारियों और स्थानीय लोगों में रोष व्याप्त है। ज्ञापन में जल्द पूर्व की तरह एसी बस सेवा का संचालन शुरूकरने की मांग की गई है। इस दौरान महामंत्री संजय पांडेय, उपाध्यक्ष अंकित अग्रवाल, कोषाध्यक्ष गिरीश वर्मा आदि रहे।

कार्यों को समय पर पूरा करने पर जोर

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: डीएम अंशुल सिंह ने शुक्रवार को जिला गंगा सुरक्षा समिति की बैठक ली। इस दौरान बैठक में जल संरक्षण, स्वच्छता एवं पर्यावरणीय प्रबंधन से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर समीक्षा की गई।

कलक्ट्रेट में आयोजित बैठक में डीएम ने कहा कि दोनों एसटीपी के संचालन संबंधी प्रक्रियाओं को जल्द पूरा किया जाए। नगर क्षेत्र में जल निकासी व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए अल्मोड़ा शहर की ड्रेनेज प्रणाली की समीक्षा की गई तथा आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के अंतर्गत लीगेसी वेस्ट के निस्तारण की प्रगति पर चर्चा करते हुए कार्यों

अल्मोड़ा में शुक्रवार को डीएम ने गंगा सुरक्षा समिति की बैठक ली।

में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा स्वजल विभाग द्वारा सोक पिट निर्माण की प्रगति पर भी प्रस्तुतीकरण दिया गया। जिसमें कार्यों को समयबद्ध एवं प्रभावी ढंग से पूर्ण करने पर जोर दिया गया। बैठक में सोमेश्वर क्षेत्र स्थित कोसी एवं साई नदी के समीप त्रिवेणी घाट परिसर के संचालन को लेकर भी चर्चा की गई।

डीएम ने इस परिसर की समुचित साफ सफाई के लिए अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत को जरूरी दिशा निर्देश दिए। साथ ही वर्तमान व्यवस्थाओं में सुधार लाते हुए उचित प्रबंधन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। यहां बैठक में डीएफओ दीपक सिंह, सीडीओ रामजी शरण शर्मा, परियोजना अधिकारी गंगा सुरक्षा समिति रंजीता समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

अवैध शराब के साथ दो गिरफ्तार

बनबसा: पुलिस अधीक्षक रेखा यादव के निर्देश पर शुक्रवार को क्षेत्राधिकारी टनकपुर विमल प्रसाद के पर्यवेक्षण एवं प्रभारी थानाध्यक्ष बनबसा सुरेंद्र कोरंगा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने दो अभियुक्तों को अवैध शराब के साथ गिरफ्तार किया।

पुलिस टीम ने ग्राम फागपुर, बनबसा से ललित मोहन उर्फ सोनू (33) पुत्र बलवीर सिंह को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 54 टेट्रा पैक अवैध देशी मसालेदार शराब बरामद की। वहीं धनुषपुल के उत्तरी छोर से मोहन राम (53) पुत्र स्व. देवराम, निवासी नई बस्ती गुदमी गढ़ीकोठ, बनबसा को गिरफ्तार किया गया, जिसके कब्जे से 12 पव्वे नेपाली अंग्रेजी शराब बरामद हुई। दोनों के विरुद्ध थाना बनबसा में मुकदमा दर्ज किया गया है।

लोहाघाट में जिला कराटे चैंपियनशिप का शुभारंभ

संवाददाता, लोहाघाट

अमृत विचार: युवाओं में खेल भावना को सशक्त बनाने तथा आत्मरक्षा की महत्वपूर्ण विधा मार्शल आर्ट्स के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से शुक्रवार को लोहाघाट स्थित युवा भवन में जिला कराटे चैंपियनशिप का शुभारंभ जिलाधिकारी चम्पावत मनीष कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया।

जनपद के विभिन्न विकासखंडों एवं दूरस्थ क्षेत्रों से पहुंचे खिलाड़ियों की बड़ी संख्या ने प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता को सब-जूनियर, कैडेट, जूनियर एवं सीनियर आयु वर्गों में विभाजित किया गया, जिससे सभी प्रतिभागियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिला। उद्घाटन अवसर पर जिलाधिकारी मनीष कुमार ने कहा कि खेल केवल शारीरिक सुदृढ़ता का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व विकास का महत्वपूर्ण आधार भी है। खेलों के माध्यम से अनुशासन, आत्मविश्वास, धैर्य, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना का विकास होता है, जो जीवन के हर क्षेत्र में सफलता दिलाने में सहायक होते हैं। इस मौके पर जिला पंचायत अध्यक्ष आनंद सिंह अधिकारी, नगर पालिका अध्यक्ष गोविंद वर्मा, जिला क्रीड़ा अधिकारी चंदन सिंह बिष्ट, कराटे कोच दीपक सिंह अधिकारी, आयोजक मंडल के सदस्य, खेल प्रेमी, अभिभावक उपस्थित रहे।

वार्षिकोत्सव में रंगारंग कार्यक्रमों की धूम, मेधावी किए सम्मानित

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज का वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर छात्र-छात्राओं ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए। साथ ही मेधावी व अन्य क्षेत्र में विशिष्ट कार्यों के लिए छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया।

वार्षिकोत्सव में जीआईसी के प्रधानाचार्य राजेश बिष्ट ने साल 2025 की आख्या प्रस्तुत की। विधायक मनोज तिवारी ने कहा कि स्कूल तीव्र गति से उन्नति की ओर अग्रसर हो रहा है। मेयर अजय वर्मा ने स्कूल के प्रधानाचार्य व शिक्षकों की सराहना की। जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक चंदन सिंह

अल्मोड़ा जीआईसी के वार्षिकोत्सव में समूह गीत प्रस्तुत करतीं छात्राएं।

बिष्ट ने कहा कि यह स्कूल अपने प्राचीन गौरव को फिर से स्थापित करने का कार्य कर रहा है। कार्यक्रम में शिक्षक-शिक्षिकाओं को भी सम्मानित किया गया। अभिभावकों ने स्कूल के परीक्षा फल व पाठ्येत्तर क्रियाकलापों पर हर्ष व्यक्त किया। यहां प्रो. एएस हामिद, प्रो. जेएस नयाल, डॉ. जेसी दुर्गापाल, वैभव पांडे, हेम चंद्र तिवारी, डॉ. कपिल नयाल, मदन सिंह मेर, नंदन सिंह बिष्ट, आनंद सिंह बिष्ट, भूपाल चिलवाल, विजया पंत, सुशील जोशी, दीपक पांडे, तरुण, नंदा बल्लभ पांडेय, मयंक तिवारी, डॉ. प्रेरणा गुरुरानी, श्रेया जोशी रहे।

प्रश्नोत्तरी में आरती, निबंध प्रतियोगिता में गौरव विजेता

संवाददाता, रानीखेत

अमृत विचार: स्वर्गीय जय दत्त वैला स्वतंत्रता संग्राम सेनानी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रानीखेत के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा 'उत्तराखंड में जल विद्युत परियोजनाओं का आर्थिक विकास में योगदान' विषय पर प्रश्नोत्तरी एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

विभागीय परिषद द्वारा आयोजित इन प्रतियोगिताओं का उद्देश्य अर्थशास्त्र के विद्यार्थियों को उत्तराखंड के आर्थिक विकास से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्यों के प्रति जागरूक करना था। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में आरती मेहरा (बीए द्वितीय सेमेस्टर) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। तनुजा मेहरा (एमए चतुर्थ सेमेस्टर) द्वितीय, शगुन पंत (बीए द्वितीय सेमेस्टर) एवं हर्षिता बिष्ट (बीए चतुर्थ सेमेस्टर) संयुक्त रूप से तृतीय स्थान पर रहे। सांत्वना पुरस्कार प्रतीक्षा मेहरा (एमए चतुर्थ सेमेस्टर) एवं हर्षित बिष्ट (बीए द्वितीय सेमेस्टर) को संयुक्त रूप से प्रदान किया गया।

निबंध प्रतियोगिता में गौरव (एमए द्वितीय सेमेस्टर) प्रथम, दिव्यानी (एमए चतुर्थ सेमेस्टर) द्वितीय, ऋतु (एमए द्वितीय सेमेस्टर) एवं शगुन पंत (बीए द्वितीय सेमेस्टर) तृतीय स्थान पर रहे। वहीं सोनिया एवं निर्जला (बीए द्वितीय सेमेस्टर) को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। निर्णायक के रूप में डॉ. बीबी भट्ट, डॉ. पंकज प्रियदर्शी एवं डॉ. आस्था अधिकारी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

महिला आरक्षण बिल को लेकर भ्रम फैला रही है भाजपा: तिवारी

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: महिला आरक्षण बिल को लेकर आरोप प्रत्यारोप का दौर थमने का नाम नहीं ले रहा है। कांग्रेस विधायक मनोज तिवारी ने आरोप लगाए कि भाजपा उस महिला आरक्षण बिल पर लोगों के बीच भ्रम फैला रही है, जो सितम्बर 2023 में ही पारित हो चुका है।

शुक्रवार को नगर के एक होटल सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता में विधायक मनोज तिवारी ने कहा कि यह महिला आरक्षण बिल नहीं परिसीमन बिल था। महिलाओं को आड़ में लेकर सरकार लोकसभा की सीटों को खुर्द-बुर्द करने की फिराक में थी। जिन राज्यों ने वर्षों के प्रयास के बाद जनसंख्या वृद्धि पर लगाम लगाई उन राज्यों में सीटें कम करने

अल्मोड़ा में शुक्रवार को पत्रकार वार्ता करते मनोज तिवारी।

की साजिश रची जा रही थी। अगर सरकार महिलाओं की हितैशी थी तो वर्तमान सीटों में ही महिलाओं को आरक्षण क्यों नहीं दिया। उन्होंने सरकार को चुनौती दी कि अगर वह महिलाओं को अधिकार दिलाना चाहते हैं तो उत्तराखंड में विधानसभा चुनाव से पहले महिलाओं के लिए आरक्षण लागू करें। आरक्षण लागू होता है तो सबसे पहले वह अपनी सीट को महिलाओं के लिए छोड़ेंगे। विधायक तिवारी ने तंज कसा कि भाजपा शासन में महिलाओं के साथ अत्याचार, हत्या, दुष्कर्म, छेड़छाड़ की घटनाओं में राज्य को पहला स्थान मिला है। प्रेस वार्ता में महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष राधा बिष्ट, पार्षद मधु बिष्ट, चंचल दुर्गापाल, रीना टम्टा, जानकी पांडे, तुलसी देवी, अंजू बिष्ट, वंदना वर्मा आदि रहे।

मनुष्य का कर्तव्य है, प्रयास करना और मेहनत करना। सफलता संयोग और परिस्थितियों पर निर्भर करती है।

-शहीदे आजम भगत सिंह

अशोभनीय टिप्पणी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत 'नरक का द्वार' है, जैसी टिप्पणी कूटनीतिक मर्यादाओं के विपरीत है, इस तरह की भाषा उस परिपक्व वैश्विक नेतृत्व की अपेक्षाओं पर प्रश्न चिह्न लगाती है, जिसकी जिम्मेदारी किसी भी महाशक्ति के नेता पर होती है। ट्रंप ने बात पलटते हुए भारत को महान बताया, यह बात अमेरिकी दूतावास के प्रवक्ता ने कही और यह नहीं बताया कि ट्रंप ने कब और कहां कहा, इसकी प्रमाणिकता संदिग्ध है।

विदेश मंत्रालय द्वारा ट्रंप के बयान को 'अज्ञानतापूर्ण, अनुचित और खराब सोच वाला' बताया जाना एक संतुलित और संस्थागत प्रतिक्रिया है, किंतु देश के बारे में ऐसी ओछी टिप्पणी के विरोध में उच्च राजनीतिक स्तर से प्रत्यक्ष टिप्पणी का अभाव भी अपने आप में अलग संकेत देता है। भारत की यह चुप्पी कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी परिपक्व कूटनीति का हिस्सा मानी जानी चाहिए। भारत और अमेरिका के संबंध दशकों से साझा हितों, रणनीतिक सहयोग और वैश्विक संतुलन पर आधारित रहे हैं। ऐसे में किसी एक व्यक्ति के विवादास्पद बयान को द्विपक्षीय रिश्तों के व्यापक ढांचे पर हावी होने देना व्यावहारिक नहीं होगा, इसीलिए भारत अक्सर 'व्यक्ति नहीं, नीति' के स्तर पर प्रतिक्रिया देता है। यह भी ध्यान देने योग्य है कि ट्रंप का यह पहला विवादास्पद बयान नहीं है। उन्होंने पहले भी भारत के व्यापार, कश्मीर और आंतरिक राजनीति पर असामान्य टिप्पणियां की हैं, जिनमें कई बार बाद में यू-टर्न भी लिया गया। यह उनकी राजनीतिक शैली का हिस्सा है, जहां तीखे बयान देकर घरेलू राजनीति में चर्चा बटोरी जाती है और फिर परिस्थितियों के अनुसार नरमी दिखाई जाती है। ट्रंप ने भारत जैसी ही टिप्पणी चीन के बारे में भी की, वहां की प्रतिक्रिया अपेक्षाकृत अधिक तीखी और प्रत्यक्ष रही। यह दोनों देशों की कूटनीतिक शैली का अंतर दर्शाता है, जहां चीन सार्वजनिक आक्रामकता दिखाता है, वहीं भारत संयमित और दीर्घकालिक दृष्टिकोण अपनाता है। ट्रंप के बयान अक्सर अगंभीर और विरोधाभासी होते हैं। एक ओर वे भारत के प्रधानमंत्री को 'अच्छा मित्र' बताते हैं, तो दूसरी ओर उनका राजनीतिक करियर 'तबाह करने' जैसी बातें करते हैं। यह असंगति उनके व्यक्तित्व और राजनीतिक रणनीति दोनों को उजागर करती है। कई अमेरिकी विश्लेषक इसे 'पॉपुलिस्ट पॉलिटिक्स' का हिस्सा मानते हैं, जहां उत्तेजक बयान देकर जनभावनाओं को भुनाया जाता है, खासकर तब जब घरेलू मोर्चे पर चुनौतियां बढ़ रही हों।

भारत को चाहिए कि वह ऐसी परिस्थितियों में अपनी गरिमा बनाए रखते हुए अमेरिका और ट्रंप को स्पष्ट संदेश भी दे। सरकार आवश्यक होने पर अधिक मुखर और दृढ़ रुख अपनाए, ताकि भविष्य में कोई भी नेता भारत के प्रति इस तरह की टिप्पणी करने से पहले दो बार सोचे। साथ ही, यह भी सुनिश्चित किया जाए कि द्विपक्षीय संबंध किसी व्यक्ति विशेष की बयानबाज़ी के बजाय संस्थागत मजबूती पर टिके रहें। कुल मिलाकर ट्रंप का बयान भारत-अमेरिका संबंधों की वास्तविकता को प्रतिबिंबित नहीं करता। यह एक क्षणिक राजनीतिक अभिव्यक्ति है, न कि स्थायी कूटनीतिक दृष्टिकोण।

प्रसंगवश

सुकून की तलाश में रिवायत की ओर लौटता जीवन

मानव सभ्यता ने पिछले कुछ दशकों में जितनी तीव्र गति से प्रगति की है, उतनी शायद इतिहास के किसी अन्य कालखंड में नहीं हुई। आज मनुष्य सुविधा-संपन्न जीवन जी रहा है। आज पक्के मकान हैं, बिजली, पानी, वातानुकूलन, आधुनिक फर्नीचर, यातायात के लिए ट्रेन, बस, कार, स्कूटर, मोटरसाइकिल और विमान जैसी अनेक सुविधाएं उपलब्ध हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि संचार क्रांति ने आज पूरी दुनिया को एक छोटे से गांव में बदल दिया है।

इंटरनेट, मोबाइल, स्मार्टफोन, लैपटॉप और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) जैसी तकनीकों ने जीवन को तेज, आसान और बहुत ज्यादा सुविधाजनक बना दिया है। परंतु यह भी उतना ही सत्य है कि इन सब उपलब्धियों के बीच मनुष्य के जीवन से शांति, संतोष और आत्मीयता कम होती चली गई है। सच तो यह है कि आज का मनुष्य जितना साधनों, मशीनों से समृद्ध हुआ है, उतना ही मानसिक रूप से वह व्यस्त, तनावग्रस्त और अकेला भी हुआ है। आधुनिक जीवनशैली ने मनुष्य को सुविधाएं तो दी हैं, लेकिन यह भी एक कटु सत्य है कि इन सबने मानव का चैन-सुकून छीन लिया है।

सुनील कुमार महला

लेखक

पहले के समय में मनुष्य का जीवन प्रकृति के अधिक निकट था। लोग पैदल चलते थे, खेत-खलिहानों से जुड़े रहते थे, दिन-भर अथाह परिश्रम करते थे और शारीरिक रूप से अधिक स्वस्थ रहते थे। गांवों में बच्चे कई-कई कोस पैदल चलकर स्कूल जाते थे। बाजार जाना हो, खेत जाना हो या किसी रिश्तेदार से मिलने जाना हो, पैदल चलना सामान्य बात थी। इस कारण मनुष्य का शरीर सक्रिय रहता था, बीमारियां कम होती थीं और जीवन में अनुशासन भी बना रहता था।

आशा की किरण यह है कि अब समाज धीरे-धीरे अपनी जड़ों की ओर लौटने लगा है। लोगों को समझ में आने लगा है कि केवल आधुनिक साधन जीवन का समाधान नहीं हैं, इसलिए मिलेट्स यानी मोटे अनाजों की ओर फिर से ध्यान बढ़ा है। बाजरा, ज्वार, रागी, कोदो, सांवा जैसे अनाज फिर से थालियों में लौट रहे हैं। दादी-नानी के घरेलू नुस्खों को महत्व दिया जा रहा है। आयुर्वेद, योग, प्राणायाम और प्राकृतिक चिकित्सा के प्रति रुचि बढ़ रही है।

सुबह-शाम टहलने, योग करने, व्यायाम करने और पार्कों में समय बिताने की प्रवृत्ति पुनः बढ़ी है। लोग जैविक खेती (आर्गेनिक खेती) की ओर आकर्षित हो रहे हैं। खेती के साथ आज पुनः पशुपालन को महत्व दिया जा रहा है। घरों में फिर से तुलसी, नीम, एलोवेरा, फूल-पौधे लगाए जा रहे हैं। पक्षियों के लिए पानी के परिंडे लगाए जा रहे हैं। मिट्टी के घड़े और पारंपरिक रसोई के साधनों का प्रयोग पुनः आरंभ हो रहा है।

भोजन में भी लोग पारंपरिक व्यंजनों की ओर लौट रहे हैं। दाल-बाटी-चूरमा, खीर, खिचड़ी, सत्तू, राबड़ी, दलिया, लस्सी, छाछ और घर के बने पकवानों का महत्व पुनः बढ़ा है। लोग समझ रहे हैं कि स्वाद और स्वास्थ्य का वास्तविक मेल घर के भोजन में ही है। वास्तव में मनुष्य को जीवन में केवल धन-पैसा नहीं चाहिए। धन आवश्यक है, पर पर्याप्त नहीं। यदि घर में शांति न हो, मन में संतोष न हो, संबंधों में प्रेम न हो और समाज में मानवीयता न हो, तो वैभव भी अधूरा है। आदमी को सुकून चाहिए, अपनापन चाहिए, चैन की नींद चाहिए, स्वस्थ शरीर चाहिए और ऐसा समाज चाहिए जहां संवेदना जीवित हो।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)

बंगाल में ऐतिहासिक मतदान, तमिलनाडु भी पीछे नहीं

प्रमोद भार्गव

वरिष्ठ पत्रकार

पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में हुए बढ़-चढ़कर मतदान ने इतिहास रच दिया। इसे 'वोट क्रांति' कह सकते है। बंगाल में पहले चरण में 294 सीटों में से 152 सीटों पर मतदान हुआ। पहले चरण में 92.72 प्रतिशत मतदान हुआ। वहीं, तमिलनाडु की सभी 234 सीटों पर 85.14 प्रतिशत मतदान ने पिछले सब रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। इससे पहले तमिलनाडु में सबसे ज्यादा मतदान 2011 में 78.29 प्रतिशत था, जबकि बंगाल में 2011 में 84.72 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया था। आजादी के बाद हुए निर्वाचन के इतिहास में किसी भी राज्य एवं केंद्र शासित राज्य में इतना मतदान पहले कभी नहीं हुआ। इससे पहले रिकॉर्ड पुडुचेरी में नौ अप्रैल 2026 को हुए विधानसभा चुनाव का मतदान 89.87 प्रतिशत रहा है। परिणाम जो भी आएं, इस मतदान से परिपक्व संवैधानिक भारतीय लोकतंत्र की मजबूती दिखाई देती है।

दूसरे राज्यों में रह रहे मतदाता बड़ी संख्या में वापस लौटे और मतदान किया। खासकर मालदा, मुर्शिदाबाद, कूचबिहार, जलपाईगुड़ी और उत्तर दिनाजपुर पहुंचने वाले मतदाताओं की संख्या अधिक रही। मुस्लिम मतदाताओं ने भी दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, सूरत और केरल से आकर बड़ी संख्या में वोट डाले। एसआईआर की प्रक्रिया के चलते मतदाताओं में यह धारणा बनी कि मतदान नहीं करने पर मतदाता सूची से नाम कट सकता है। इस कारण नागरिकता भी गंवानी पड़ सकती है। ममता बनर्जी ने इस मुद्दे को बार-बार उछाला।

> पश्चिम बंगाल के मतदाताओं ने कमाल कर दिया। उन्होंने आजादी के बाद अब तक की सबसे ज्यादा वोटिंग की है। बंगाल में 92.72 फीसदी वोट पड़े हैं, तो तमिलनाडु में 85.14 प्रतिशत।

तृणमूल यहां मोदी और शाह के आक्रामक चुनाव प्रचार के आगे अस्तित्व बचाए रखने के लिए जूझ रही है। कांग्रेस और वाममोर्चा का प्रयास रहा है कि अपने-अपने पारंपरिक और छिटक चुके मतदाताओं तक पहुंच बनाकर वोट डलवा लें। गोया, इस बार सभी राजनीतिक दल पूरे समय अधिकतम मतदान के लिए सक्रिय रहे। इसी का नतीजा रहा कि रिकॉर्ड मतदान ईवीएम में कैद हो गया। यह मतदान उस गहरी राजनीतिक हलचल और विभाजित सामाजिक चेतना के संकेत हैं, जो इस बार के चुनाव को असाधारण बना रही हैं। यह रिकॉर्ड इसलिए भी बना, क्योंकि एसआईआर के चलते 91 लाख वोट हटाए गए हैं। ग्रामीण महिलाएं समूहों के रूप में मतदान के लिए आईं।

इसी तरह तमिलनाडु में भी पहली बार मतदाताओं ने बढ़े तापमान के बीच भारी मतदान किया। यहां सभी 234 सीटों पर एक ही चरण में मतदान हुआ है। तमिलनाडु के 5.73 करोड़ मतदाताओं ने 85.14 प्रतिशत मतदान करके इतिहास रच दिया है। इसके पहले सर्वाधिक 78.12 प्रतिशत मतदान 2011 में हुआ था। तब एआईए-डीएमके की मुखिया रहीं जयललिता ने डीएमके को करारी शिकस्त देकर सत्ता के गलियारे से बाहर कर दिया था। यहां एसआईआर प्रक्रिया के जरिए 74 लाख मतदाता बाहर हुए हैं। अतिम शाह बंगाल में इस बढ़े मतदान को टीएमसी का सूपड़ा साफ हो जाने का आधार बता रहे हैं, हालांकि यहां अन्नाद्रमुक और द्रमुक के बीच कड़ा मुकाबला है। बहरहाल, ऊंट किस करवट बैठता है, यह तो परिणाम के बाद ही पता चलेगा।

बड़े मत-प्रतिशत का सबसे अहम, सुखद व सकारात्मक पहलू है कि यह अनिवार्य मतदान की जरूरत की पूर्ति कर रहा है। फिलहाल हमारे देश में अनिवार्य मतदान की संवैधानिक बाध्यता नहीं है। मेरी सोच के मुताबिक ज्यादा मतदान की जो बड़ी खूबी है, वह है कि अब अल्पसंख्यक व जातीय समूहों को वोट बैंक की लाचारगी से छुटकारा मिल रहा है। इससे कालांतर में राजनीतिक दलों को भी तुष्टिकरण की मजबूरी से मुक्ति मिलेगी, क्योंकि जब मतदान प्रतिशत 75 से 85 होने लगता है, तो किसी धर्म, जाति, भाषा या क्षेत्र विशेष से जुड़े मतदाताओं की अहमियत कम हो जाती है। नतीजतन उनका संख्याबल जीत या हार की गारंटी नहीं रह जाता, लिहाजा सांप्रदायिक व जातीय आधार पर ध्रवीकरण की राजनीति नगण्य हो जाती है।

कालांतर में यह स्थिति मतदाता को धन व शराब के लालच से भी मुक्त कर देगी, क्योंकि कोई प्रत्याशी छोटे मतदाता समूहों को तो लालच का चुग्गा डालकर बरगला सकता है, लेकिन संख्यात्मक दृष्टि से बड़े समूहों को लुभाना मुश्किल होता है? बावजूद इन चुनावों में जातीय और अल्पसंख्यक राजनीति सभी दलों की कार्यशैली में खुले रूप में दिखाई दी है। साफ है, जातीय कुचक्र का धरातल नीचे से नहीं, बल्कि ऊपर से बनाए रखने के उपाय किए जा रहे हैं।

बढ़ा हुआ यह मतदान विशुद्ध रूप से मतदाता की मनस्थिति से उपजा प्रतिशत है। कई मुद्दों पर वह चिंतित होकर मतदान के लिए घर से निकल गया तो मतदान-यज्ञ में अपने मत की आहुति देकर ही लौटा। ज्यादातर चुनावों में कुलीन मतदाता इसलिए मतदान नहीं करते हैं, क्योंकि एक तो वे मौसम की मार झेलने में स्वयं को समर्थ नहीं पाते, दूसरे वे अपनी बड़ी हैसियत का ख्याल रखते हुए लंबी कतारों में खड़े होकर मतदान से बचते हैं, लेकिन बंगाल और तमिलनाडु में हुए मतदान से पता चलता है कि इस बार कुलीन मतदाताओं ने भी चुनावी यज्ञ में मतदान की आहुतियां दी हैं। अन्यथा मतदान का प्रतिशत इतना ऊंचा नहीं पहुंचता।

यह स्थिति मतदाता में बढ़ती राजनीतिक चेतना का प्रतीक भी है। वैसे भी लोकतंत्र की असली ताकत नागरिकों की अधिकतम भागीदारी में निहित है। बावजूद भारतीय लोकतंत्र की विशेषता है कि अंत तक कोई भी चुनावी विश्लेषक और चुनावी सर्वे एजेंसियां परिणाम से पूर्व हार-जीत का अनुमान लगाकर परिणामों के शत-प्रतिशत सटीक अनुमान नहीं लगा सकते हैं।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

आमने सामने

यहां (अमेरिका में) पैदा होने वाला बच्चा तुरंत नागरिक बन जाता है, फिर वो चीन, भारत या धरती के किसी दूसरे नर्क से अपने पूरे परिवार को यहां ले आते हैं। ऐसे उदाहरण अब आम हो गए हैं और इसके कारण अमेरिका में भाषा और पहचान बदल रही है।

-डोनाल्ड ट्रंप
अमेरिकी राष्ट्रपति

ट्रंप की टिप्पणियां अज्ञानतापूर्ण, अनुचित और भद्दी हैं। ये बयान भारत और अमेरिका के मजबूत रिश्तों का सही चित्रण नहीं करते। ट्रंप का बयान न केवल भारतीयों के लिए अपमानजनक है, बल्कि यह अमेरिका के साथ भारत के संबंधों पर भी नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है।

-रणधीर जायसवाल
प्रवक्ता, विदेश मंत्रालय, भारत

तपती धरती का असर अनौपचारिक श्रमबल पर

प्रो. आरके जैन

शिक्षाविद्

तपता हुआ आसमान अब सिर्फ मौसम का मिज़ाज नहीं, बल्कि एक सुलगता संकट है, जो हमारी सांसों, श्रम और अस्तित्व को चुपचाप निगल रहा है। आर्थिक मोर्चे पर भी यह संकट अदृश्य चोट की तरह गहरा असर डाल रहा है। लैंसेट काउंटडाउन 2025 के अनुसार 2024 में गर्मी ने भारत से करीब 247 बिलियन श्रम घंटे छीन लिए, जिससे लगभग 194 बिलियन डॉलर की आय हानि हुई। 2030 तक गर्मी से 34 मिलियन पूर्णकालिक नौकरियां प्रभावित होने का अनुमान है। बढ़ती गर्मी ने श्रम उत्पादकता को इस हद तक प्रभावित किया है कि काम की रफ्तार धीमी पड़ रही है, जिससे मजदूरों की कमाई घट रही है और देश की आर्थिक प्रगति भी बाधित हो रही है। अनौपचारिक क्षेत्र के श्रमिकों की स्थिति सबसे अधिक दयनीय है, जहां बीमारी के दौरान विश्राम या आय-सुरक्षा जैसी कोई व्यवस्था नहीं होती, इसलिए वे मजबूरी में काम जारी रखते हैं और अपनी सेहत को और गहरे संकट में धकेलते जाते हैं।

इसके बावजूद, नीति स्तर पर यह संकट अब भी अपेक्षित प्राथमिकता हासिल नहीं कर पाया है। हीटवेव को अभी राष्ट्रीय आपदा का दर्जा नहीं मिला है, जिसके कारण राहत, पुनर्वास और मुआवजे की व्यवस्था सीमित और धीमी बनी हुई है। नतीजतन, सबसे अधिक प्रभावित वर्ग ही सबसे कम संरक्षित रह जाता है। यदि जलवायु परिवर्तन को सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया जाए, तो संसाधनों का अधिक प्रभावी और त्वरित आवंटन संभव होगा, निर्णय प्रक्रिया मंस तेजी आएगी और जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन मजबूत होगा। यह कदम औपचारिकता नहीं, बल्कि ठोस और निर्णायक बदलाव की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित हो सकता है।

> तपता हुआ आसमान अब सिर्फ मौसम का मिजाज नहीं, बल्कि एक सुलगता संकट है, जो हमारी सांसों, श्रम और अस्तित्व को चुपचाप निगल रहा है।

गर्मी अब सहनशीलता की सीमा नहीं, बल्कि सीधे स्वास्थ्य पर प्रहार करने वाली ताकत बन गई है। बढ़ती हीटवेव की आवृत्ति और तीव्रता साफ दिखाती है कि यह अस्थायी नहीं, बल्कि स्थायी और गहराता संकट है। ऐसे में इसे केवल पर्यावरण का मुद्दा मानना भूल होगी। इसे सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल के रूप में स्वीकार करना अब न केवल आवश्यक, बल्कि अपरिहार्य हो गया है।

इस उभरते संकट की सबसे निर्मम मार उसी विशाल अनौपचारिक श्रमबल पर पड़ रही है, जो देश की अर्थव्यवस्था की धुरी है, फिर भी नीतिगत प्राथमिकताओं में हाशिये पर रहता है। भारत में अनौपचारिक क्षेत्र के करीब 12.8 करोड़ कार्यकर्ता निर्माण स्थलों की धूल, सड़कों की तपिश, बाजारों की भीड़ और डिलीवरी के चक्र में जुटे मजदूर खुले आसमान के नीचे बिना सुरक्षा के काम करने को विवश हैं। उन्हें न पर्याप्त छाया मिलती है, न स्वच्छ व ठंडे पानी की नियमित उपलब्धता और न ही स्वास्थ्य सुरक्षा का भरोसेमंद तंत्र। यह विडंबना है कि जो हाथ देश की प्रगति को गति देते हैं, वही जलवायु संकट के सामने सबसे अधिक असहाय और असुरक्षित हैं।

स्वास्थ्य के मोर्चे पर बढ़ती गर्मी के दुष्प्रभाव अब गहरे, व्यापक और चिंताजनक रूप ले चुके हैं। ऊंचा तापमान हृदय संबंधी बीमारियों से होने वाली मौतों के खतरे को बढ़ा रहा है, वहीं गर्भवती महिलाओं में समय से पहले प्रसव का जोखिम 15-16 प्रतिशत तक बढ़ जाता है। निर्जलीकरण, अत्यधिक थकावट, गुर्दे की खराबी और मांसपेशियों में ऐंठन जैसे लक्षण अब अपवाद नहीं, बल्कि रोजमर्रा की सच्चाई बन रहे हैं। जो आंकड़े सामने आते हैं, वे इस संकट की केवल ऊपरी परत दिखाते हैं, असल तस्वीर कहीं अधिक भयावह है, जहां अनगिनत पीड़ाएं और मामले बिना दर्ज हुए चुपचाप दब जाते हैं।

गर्मी का प्रभाव अब केवल शरीर की सहनशक्ति तक सीमित नहीं रहा, यह बीमारियों की प्रकृति, उनकी गति और उनके फैलाव की दिशा तक को बदल रहा है। तापमान में निरंतर वृद्धि और वर्षा के अस्थिर पैटर्न ने मच्छरों के जीवनचक्र को इस तरह परिवर्तित किया है कि डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियां तेजी से नए भूभागों, यहां तक कि हिमालयी क्षेत्रों में भी पैर पसार रही हैं। जो संक्रमण कभी सीमित भौगोलिक दायरों में बंधे थे, वे अब उन क्षेत्रों में भी उभर रहे हैं, जहां पहले उनका नामोनिशान नहीं था। इस बदलाव ने स्वास्थ्य व्यवस्था पर असामान्य दबाव डाला है। पहले से ही वंचित और कमजोर समुदाय और अधिक खतरे में आ गए हैं।

समाधान के स्तर पर अब आधे-अधूरे उपायों से आगे बढ़कर ठोस और व्यापक कार्रवाई की जरूरत है। अनौपचारिक मजदूरों के लिए हीट-सेफ्टी कानून लागू करना, हर कार्यस्थल पर छाया और स्वच्छ पानी की अनिवार्य उपलब्धता सुनिश्चित करना तथा काम के घंटों को तापमान के अनुसार वैज्ञानिक ढंग से पुनर्निर्धारित करना बेहद जरूरी है। शहरी इलाकों में हरित क्षेत्र बढ़ाना, सुलभ कूलिंग सेंटर विकसित करना और जलवायु-लचीला स्वास्थ्य ढांचा तैयार करना इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम होंगे।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

सोशल फोरम

परिवार में बुजुर्ग पुरुष

हर वृद्ध पुरुष को इसे पढ़कर चिंतन अवश्य करना चाहिए। पुरुष बूढ़ा होता है, जबकि स्त्री परिपक्व होती है। जैसे ही पुरुष अपने बच्चों की शादी कर देता है और परिवार की आर्थिक नींव मजबूत कर देता है, परिवार में उसका वरिष्ठ और सम्मानित स्थान धीरे-धीरे समाप्त होने लगता है। इसके बाद उसे बोझ समझा जाने लगता है। चिड़चिड़ा, गुस्सैल और अनिश्चित स्वभाव वाला बूढ़ा व्यक्ति। जिन कठोर निर्णयों से उसने कभी पत्नी और बच्चों के लिए व्यवस्था बनाई थी, आज उन्हीं निर्णयों की चीर-फाड़ होकर आलोचना होती है। एक न एक कारण से उसे दोषी ठहरा दिया जाता है और यदि वास्तव में उससे कोई गलती हुई हो तो भगवान ही रक्षा करे। वृद्ध स्त्री को इसके विपरीत, बच्चों और बहुओं से सहानुभूति मिलती है, क्योंकि उसके माध्यम से अभी भी कई काम करवाने होते हैं। सही समय आने पर वह समझदारी से पति के पक्ष से बच्चों के पक्ष में चली जाती है। जब पति उम्र में बड़ा हो, तो पत्नी बहू के साथ तालमेल बना लेती है, ताकि बेटा उससे दूर न हो और उसकी देखभाल करता रहे।

भूमिका पांडेय

राइटर

पुरुष ने जीवन में चाहे कितनी ही महान उपलब्धियां हासिल की हों, बुढ़ापे में वे किसी काम नहीं आतीं, जबकि वृद्ध स्त्री अपने पुराने पुण्यों का ब्याज जीवन भर पाती रहती है। जिन लोगों के पास पैतृक संपत्ति या खेती होती है (जिसकी बच्चों को अब भी इच्छा रहती है) उनकी स्थिति थोड़ी बेहतर होती है, लेकिन जिन्होंने भविष्य के झगड़ों से बचने के लिए समय से पहले संपत्ति बांट दी वे अक्सर उपरोक्त ही दुःखद स्थिति का सामना करते हैं, इसलिए संपत्ति समय से पहले न बांटना ही बेहतर है। किसी भी अस्पताल में चले जाएं, रिश्तेदारों की आंख देखकर ही पता चल जाता है कि भर्ती वृद्ध पुरुष है या वृद्ध स्त्री। यदि वृद्ध पुरुष हो, तो उसकी बेटी को छोड़कर शायद ही किसी की आंख नम होती है। जैसे ही पुरुष वृद्ध होता है, उसे सीख लेना चाहिए कि दूसरों से किसी भी प्रकार की अपेक्षा न रखे। याद रखें, मनुष्य जीवन भर विद्यार्थी है। समझ लें कि इस संसार में कोई किसी का नहीं है। विरक्ति, आत्मनिर्भरता और आत्मसम्मान के साथ जीना सीखें।

आपने दूसरों के लिए क्या-क्या किया, यह सोचना भी छोड़ दें और इस बारे में बात करना भी बंद कर दें। प्राचीन शास्त्रों में कहीं भी ऐसा उदाहरण नहीं मिलता कि किसी स्त्री ने वानप्रस्थ या संन्यास ग्रहण किया हो। ये आश्रम केवल पुरुषों के लिए निर्धारित थे। इनके महत्व को समझें, तब ज्ञात होगा कि हमारे पूर्वज कितने दूरदर्शी थे।

-फेसबुक वॉल से

सामयिकी

यूपीः स्टार्टअप के क्षेत्र में महिलाओं का बढ़ता प्रभाव

उत्तर प्रदेश अब केवल पारंपरिक कृषि और उद्योग तक सीमित राज्य नहीं रहा, बल्कि तेजी से देश के प्रमुख स्टार्टअप हब के रूप में उभर रहा है। इस बदलाव की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें महिलाओं की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। आज महिलाएं न केवल स्टार्टअप शुरू कर रही हैं, बल्कि उन्हें सफलतापूर्वक चला भी रही हैं, जिससे प्रदेश की अर्थव्यवस्था और सामाजिक ढांचे दोनों में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है।

उत्तर प्रदेश में महिला सशक्तिकरण अब केवल सामाजिक बदलाव का विषय नहीं रह गया है, बल्कि यह राज्य की अर्थव्यवस्था को गति देने वाला एक मजबूत इंजन बन चुका है। महिलाओं की उद्यमिता को जो प्रोत्साहन मिला है, उसने राज्य के स्टार्टअप इकोसिस्टम को नई दिशा दी है। आज महिलाएं न केवल नौकरी तलाशने वाली हैं, बल्कि रोजगार देने वाली भी बन रही हैं।

धनीश शर्मा

लेखक

जहां पहले उत्तर प्रदेश में महिलाओं की स्थिति काफ़ी दयनीय हुआ करती थी, वहीं अब प्रदेश की महिलाएं पुरुषों की भांति कंधे से कंधा मिलाकर प्रदेश को आगे बढ़ाने के लिए मजबूती के साथ बढ़ रही हैं। एक वक्त वह था जब महिलाएं केवल घर तक ही सीमित थीं, लेकिन समय के बदलाव के साथ समाज में उनकी सोच और भूमिका दोनों में बड़ा परिवर्तन आया है।

किसी भी प्रदेश की महिलाएं तभी तरक्की के रास्ते पर आगे बढ़ सकती हैं, जब वहां उन्हें अवसरों के साथ-साथ सुरक्षा और मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर भी मिले। यह कोई अनायास नहीं है कि जहां वर्ष 2017 में केवल 174 महिला-निदेशक स्टार्टअप्स थे, वही संख्या वर्ष 2025 तक बढ़कर 2525 हो गई है।

उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (DPIIT) के आंकड़े इस बदलाव की स्पष्ट तस्वीर पेश करते हैं। यह वृद्धि सिर्फ आंकड़ों का खेल नहीं है, बल्कि इसके पीछे सरकार की दूरदर्शी नीतियां, बेहतर निवेश माहौल और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की प्रतिबद्धता है।

राज्य सरकार ने महिला उद्यमियों के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं, जिनमें आसान ऋण, प्रशिक्षण, मेंटरशिप और मार्केट तक पहुंच जैसी सुविधाएं शामिल हैं। स्टार्टअप इंडिया जैसी पहल ने भी महिलाओं को अपने विचारों को व्यवसाय में बदलने के लिए मंच दिया है। इसके साथ ही वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ODOP) योजना ने स्थानीय स्तर पर महिला कारीगरों और उद्यमियों को नई पहचान दिलाई है।

महिलाओं की बढ़ती भागीदारी का सबसे बड़ा लाभ यह है कि इससे आर्थिक विकास के साथ-साथ सामाजिक बदलाव भी तेजी से हो रहा है। जब महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त होती हैं, तो उनके परिवार, समाज और आने वाली पीढ़ियों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। शिक्षा, स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार देखने को मिलता है।

इसके अलावा, डिजिटल प्लेटफॉर्म्स और ई-कॉमर्स के विस्तार ने भी महिला उद्यमियों को अपने उत्पादों को बड़े बाजार तक पहुंचाने का अवसर दिया है। अब गांवों और छोटे शहरों की महिलाएं भी अपने व्यवसाय को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक ले जा रही हैं। यह बदलाव उत्तर प्रदेश को एक नए आर्थिक मॉडल की ओर ले जा रहा है, जहां विकास का केंद्र केवल बड़े शहर नहीं, बल्कि हर जिला और हर गांव है, हालांकि चुनौतियां अभी भी मौजूद हैं। वित्तीय साक्षरता की कमी, सामाजिक बाधाएं और तकनीकी ज्ञान का अभाव कुछ ऐसे मुद्दे हैं, जिन पर लगातार काम करने की जरूरत है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं मकान नं.197/1, समता आश्रम गली, रामपुर रोड, हल्द्वानी, जिला नैनीताल, उत्तराखंड-263139 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक - अमित शर्मा*** 05946292618 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UTTHIN/2021/79698, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नैनीताल होगा)।

प्राकृतिक सौंदर्य का दर्शनीय स्थल
अमरकंटक

मध्य प्रदेश भारत के उत्तर और दक्षिण तथा पूर्व और पश्चिम का संधि-स्थल ही नहीं है, अपितु भौगोलिक दृष्टि से यहां पहाड़ पठार, घने वन, विस्तृत मैदान और नदी घाटियों का आकर्षक एवं समृद्ध प्रकृति का वरदान भी है। प्रकृति, कला और सौंदर्य की दृष्टि से यह पर्यटकों के लिए स्वर्ग है। ऐसा संयोग कम ही स्थलों को मिलता है, जहां प्रकृति की सुंदर छटा भी बिखरी हो और साथ ही धार्मिकता का पुण्य-लाभ भी प्राप्त हो, कदाचित मध्य प्रदेश का अमरकंटक ऐसा ही अनुपम स्थान है।

गौरीशंकर वैश्य विनम्र
लखनऊ

अमरकंटक में प्रकृति रोमांचित करती है। घने जंगल आनंदित करते हैं तथा अध्यात्म और धर्म इस नगरी को एक विशिष्ट पहचान दिलाते हैं। वास्तव में यह ऐसी जगह भी है, जो दो बड़ी नदियों नर्मदा और सोन का उद्गम स्थल भी है। पूर्व से पश्चिम की दिशा में बहने वाली देश की दो नदियों में एक नर्मदा का उद्गम एक छोटे कुंड से हुआ देखकर आश्चर्य होता है। पानी की झिर इस कुंड से होकर बड़े आयताकार कुंड में एकत्र होती है। इस जलसंरचना का निर्माण कल्चुरी काल में किया गया। इसी प्रकार सोनमूढ़ा नर्मदाकुंड से 1.5 किलोमीटर की दूरी पर मैकल पहाड़ियों के किनारे पर है। सोन नदी 100 फीट ऊंची पहाड़ी से एक झरने के रूप में यहां से गिरती है। इनके उद्गम को देखेंगे, तो लगेगा ही नहीं कि छोटे-छोटे कुंडों से निकलकर काफी दूर तक बहुत पतली धारा में बहने वाली ये नदियां देश की संस्कृति और धार्मिकता एवं विकास को नए आयाम देती हैं।

पहाड़ों पर बसावट

मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले में विंध्य और सतपुड़ा पर्वत श्रृंखला के बीच स्थित अमरकंटक को तीर्थराज की संज्ञा भी दी गई है। यह समुद्र तट से लगभग 1065 मीटर ऊंचाई पर स्थित हिल स्टेशन की अनुभूति कराता है। कल्चुरी कालीन प्राचीन मंदिरों के लिए प्रसिद्ध अमरकंटक घने जंगल तथा औषधीय गुणों से भरपूर पौधों की संपदा के लिए प्रसिद्ध है। यहां खदानें भी हैं और जलप्रपात भी, जल के अदृश्य स्रोत भी और सुंदर आश्रम तथा मंदिर भी। यहां का शांत वातावरण पर्यटकों को सहज ही आत्ममुग्ध कर देता है। अमरकंटक की यात्रा आध्यात्मिक स्पर्श कराती है। यहां आते ही हवा में ताजगी और शुद्धता का आभास होने लगता है। प्राचीन मान्यताओं के अनुसार माता सती के दो अंग इस क्षेत्र में गिरे थे, अतः यह क्षेत्र दो शक्तिपीठों का क्षेत्र होने के कारण अति पवित्र है। उन दो स्थानों में से एक सोनमूढ़ा सोन नदी के उद्गम स्थल के पास है और दूसरा मां नर्मदा के उद्गम के पास स्थित देवी पार्वती जी का मंदिर है। यहां से मनमोहक झरने, पवित्र तालाब, ऊंची पहाड़ियों और शांत वातावरण यात्रियों को मंत्रमुग्ध कर देते हैं।

यहां कैसे पहुंचें

अमरकंटक जबलपुर और बिलासपुर के निकट है। शहडोल से भी सड़क मार्ग से पहुंचा जा सकता है। अमरकंटक का निकटतम हवाई अड्डा जबलपुर में है। यहां से अमरकंटक की दूरी 245 किमी है। जबलपुर - बिलासपुर ट्रैक पर पेंड्रा रोड स्टेशन अमरकंटक के सबसे समीपस्थ रेलवे स्टेशन है। बिलासपुर, अनूपपुर और जबलपुर जंक्शन से भी अमरकंटक पहुंचा जा सकता है। शहडोल रेलवे-स्टेशन से अमरकंटक से 80 किमी तथा अनूपपुर रेलवे-स्टेशन से 72 किमी दूर है, जहां से लगातार बसें और टैक्सियां चलती रहती हैं।

प्रमुख स्थल

- **भगवान शिव का त्रिमुखी मंदिर** – अमरकंटक के प्रमुख मंदिरों में भगवान शिव का त्रिमुखी मंदिर है। इसे कल्चुरी शासक कर्ण देव महाचंद्र ने 1041-1073 ई. में निर्माण कराया था। मंदिर में कल्चुरी कालीन शिल्पकारों की बनाई आकृतियां सम्मोहित करती हैं।
- **कपिलाधारा**– अमरकंटक की यात्रा कपिलाधारा देखे बिना अधूरी रहेगी। यहां 100 फीट की ऊंचाई से पानी गिरता है। धर्मग्रंथों में कहा गया है कि कपिल मुनि यहां रहते थे। कपिल मुनि ने सांख्य दर्शन की रचना इसी स्थान पर की थी। कपिलाधारा के निकट ही कपिलेश्वर मंदिर भी बना है। इस जगह के आसपास कई गुफाएं हैं, जहां अब भी साधु-संत ध्यानमग्न देखे जा सकते हैं।
- **कबीर चबूतरा** – कबीरपंथियों के लिए इस स्थान का बहुत महत्व है। कहा जाता है कि संत कबीरदास संवत 1569 में बांधवगढ़ से जगन्नाथपुरी प्रवास के समय यहां लंबे समय तक रहे थे। उन्होंने यहां पर ध्यान लगाया था। ऐसी मान्यता है कि इस स्थान पर कबीरदास के प्रवास के बीच गुरु नानक देव जी उनसे मिलने आए थे। कबीर चबूतरे के निकट ही रानी झरना (कबीर झरना) भी है। कबीर चबूतरे के ठीक नीचे एक जलकुंड है, जिसके बारे में कहा जाता है कि सुबह की किरणों के साथ ही यहां के जलकुंड का पानी दूध की तरह सफेद हो जाता है।
- **धूनी पानी** – यहां गर्म पानी का झरना है। इसके बारे में कहा जाता है कि यह झरना औषधीय गुणों से भरपूर है। इसमें स्नान करने से शरीर के असाध्य रोग ठीक हो जाते हैं।
- **दुग्धधारा** – दुग्धधारा एक ऐसा झरना है, जिसका जल दूध के समान प्रतीत होता है, इसीलिए इसे दुग्धधारा के नाम से जाना जाता है।
- **सोनमूढ़ा**– यह सोन नदी का उद्गम स्थल है। यहां से घाटी और जंगल से ढकी पहाड़ियों के सुंदर दृश्य देखे जा सकते हैं।
- **मां की बगिया**– यह माता नर्मदा को समर्पित है। कहा जाता है कि इस हरी-भरी बगिया से शिव जी की पुत्री नर्मदा पुष्पों को चुनती थीं। यह बगिया नर्मदा कुंड से एक किलोमीटर की दूरी पर है।

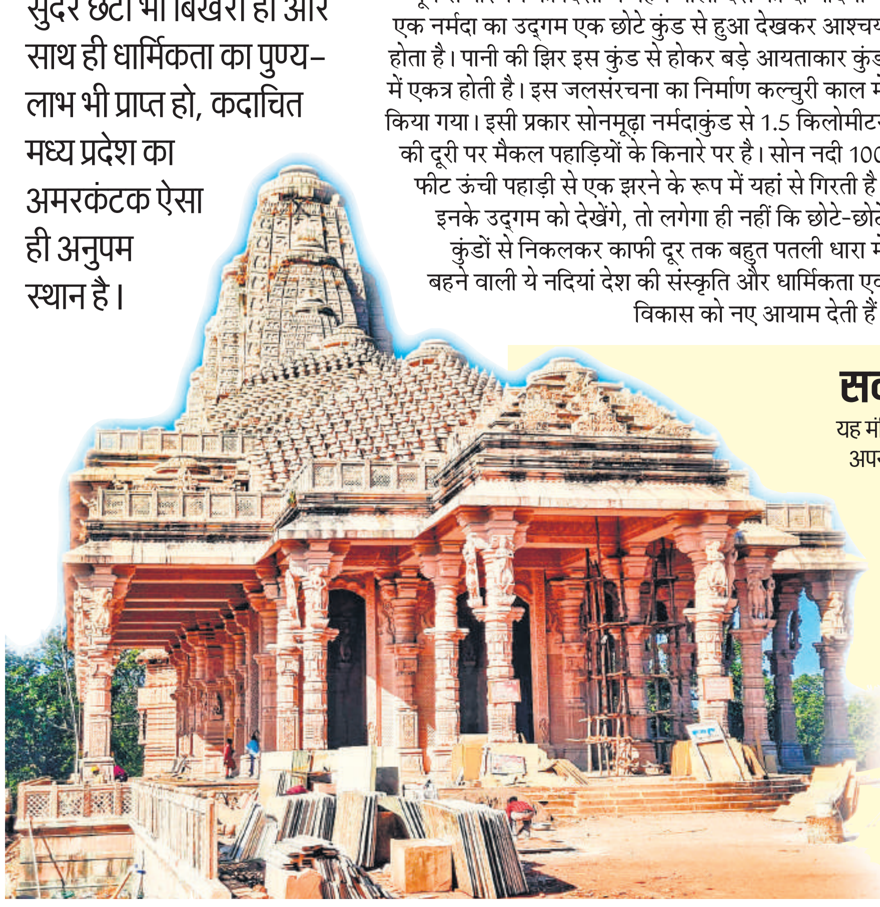

सर्वोदय जैन मंदिर

यह मंदिर भारत के अद्वितीय मंदिरों में अपना विशिष्ट स्थान रखता है। इस मंदिर को बनाने में सीमेंट और लोहे का प्रयोग नहीं किया गया है। मंदिर में स्थित मूर्ति का वजन 24 टन के लगभग है। भगवान आदिनाथ अष्ट धातु के कमल सिंहासन पर विराजमान हैं, कमल सिंहासन का वजन 17 टन है। प्रतिमा को मुनि श्री विद्यासागर जी महाराज ने 6 नवंबर, 2006 को विधि-विधान से स्थापित किया था।

100 फीट ऊंचा जलप्रपात

पहले अमरकंटक शहडोल जिले में था। अब यह अनूपपुर जिले में है। यह मैकल पर्वत श्रृंखला पर स्थित है। पत्थरों की चारदीवारी के अंदर पत्थर से निर्मित नर्मदाकुंड मंदिर, शिव परिवार, कार्तिकेय मंदिर, श्री सूर्यनारायण मंदिर, सिद्धेश्वर महादेव मंदिर, ग्यारह रुद्र मंदिर, अन्नपूर्णा, गुरु गोरखनाथ, श्री रामजानकी, श्री राधाकृष्ण मंदिर, श्री ज्वालेश्वर महादेव, सर्वोदय जैन मंदिर, कबीर चबूतरा, कपिलाधारा, माई की बगिया आदि स्थल सदियों पुरानी स्थापत्यकला को सहेजे हुए हैं, जहां धार्मिक पर्यटकों को आना उपकृत करता है। मंदिर परिसर के आसपास परिक्रमावासियों के समूह अमरकंटक को तपस्थली के रूप में प्रतिबिंबित करते हैं। नर्मदा विश्व की एक मात्र सरिता है, जिसकी परिक्रमा की जाती है। कुंड से आगे निकलकर नर्मदा कल-कल बहने लगती है। लगभग 6 किलोमीटर की यात्रा कर नर्मदा 100 फीट ऊंचा जलप्रपात बनाती है, जिसे कपिलाधारा के नाम से जाना जाता है। हरे-भरे वातावरण से घिरे इस झरने के आगे दूध धारा है, जो छोटा जलप्रपात है। यहां पर्यटक निडर होकर स्नान करते हैं। कालिदास भी यहां आए थे और वे यहां की सुंदरता में निमग्न हो गए। उनके मेघदूत के बादल इसी अमरकंटक नगरी के ऊपर से विचरण करते हैं। जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ ने भी यहां आकर तप किया था।

नर्मदा परिक्रमा

नर्मदा परिक्रमा विधि-विधान नियम से की जाए, तो 1300 किमी से भी अधिक लंबी परिक्रमा होती है, जो 3 वर्ष 3 महीने 13 दिन में पूर्ण होती है, किंतु आज के समय में मोटरसाइकिल या चौपहिया वाहन के द्वारा यात्रा को जल्दी पूरा कर लिया जाता है। नर्मदा परिक्रमा में नर्मदा नदी को पार नहीं किया जाता है। परिक्रमा में सभी स्थानों पर दर्शनीय स्थल देखने को मिलते हैं।

बीती यादें

कहां खो गया इक्का!

पता नहीं इक्का कहां खो गया? पहले शहरों-कस्बों में आवागमन का यही मुख्य साधन हुआ करता था। बैलगाड़ी गांव-देहात में आवागमन और भार वाहन का साधन थी।

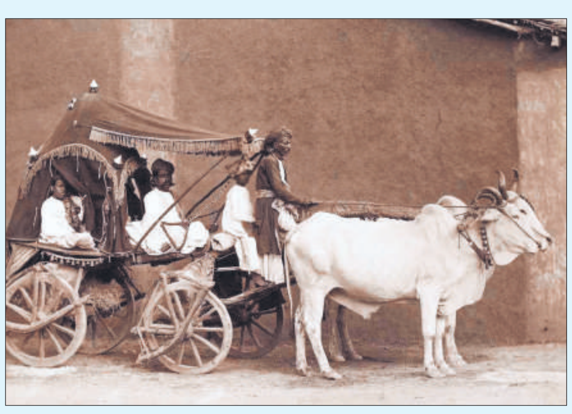

मोहनजोदड़ो, हड़प्पा की खुदाई में बैल की एक प्रतिमा मिली है। तांबे का एक इक्का मिला है। इससे प्रमाणित होता है कि इक्का भारत सहित एशिया के एक बड़े भूभाग में आवागमन का प्रमुख साधन था। अब करनाल की राखीगढ़ी की खुदाई में कुछ ऐसी ही चीजें मिल रही हैं। इक्का को एक घोड़ा या एक बैल खींचता था। एक धुरी पर दो पहिए लगे होते थे और ऊपर छाया के लिए एक छतरी। गाय दूध देती थी और उसके बछड़े खेत में हल चलाते थे। यही बैल गाड़ी भी खींचते थे। रथ, रब्बा, बहल, छकड़ा और सग्गड़ भी। प्राचीन काल में इक्का घोड़ा दौड़ और बैल और बैल गाड़ी की दौड़ प्रतियोगिता होती थी।

शिवचरण चौहान
लेखक

एक्का, तांगा, खड़खड़ा, टमटम, रथ, रब्बा, सग्गड़ और बैलगाड़ी यही आवागमन के प्रमुख साधन थे। जब तक डीजल और पेट्रोल की खोज नहीं हुई थी। बिजली और सौर ऊर्जा की खोज नहीं हुई थी। इन सबका बहुत महत्व था। गांव की बारात बैलगाड़ियों से जाती थीं। कतार में गाड़ियां कच्ची सड़कों पर चलती दिखाई देती थीं। गाड़ी वाले बैला धीरे हांक रे तथा जरा ललकार के बैला हांकों, मेरे सैंया गाड़ीवान जैसे गीत फिल्मों में लोकप्रिय होते थे।

फिल्म तीसरी कसम का गाड़ीवान बहुत लोकप्रिय हुआ था। टमटम चार पहियों की गाड़ी होती थी। जबकि इक्का दो पहियों की जिसमें सिर्फ एक सवारी बैठती थी। बग्घी भी चार पहियों की सवारी होती थी। पहले राजा महाराजा और बादशाह अमीर लोग बग्घी पर चला करते थे। बग्घी पर अभी भी बारातें निकलती हैं। डेकोरेटेड बग्घी कई शहरों में शादी-बारात के लिए बुक की जाती थी। अब सब बीती यादें हैं। चंद्रधर शर्मा गुलेरी की कहानी उसने कहा था में तांगे वाले का जिक्र आया है।

अब पेट्रोल-डीजल बैटरी और बिजली सौर ऊर्जा से चलने वाली कारें, बसें आ गई हैं, तो इक्के वालों को कौन पूछेगा? एक संस्कृति विलुप्त हो रही है। आवागमन के साधन इतिहास में पढ़ाए जाएंगे इक्का, तांगा, टमटम और बग्घी।

जॉब का पहला दिन

एक नई सोच को स्थापित करने वाला पहला कदम

जीवन में कुछ पल ऐसे होते हैं, जो बिना किसी पूर्व सूचना के आ जाते हैं और आपने कभी सपने में भी नहीं सोचा होता है कि इसी राह पर आपका करियर बनेगा, पर नियति आपको उसी दिशा में मोड़ देती है, जिसके लिए आप बने हैं। बात उन दिनों की है जब मैं मैनेजमेंट की पढ़ाई पूरी कर नई दिल्ली में एक निजी कंपनी में अपना भविष्य टटोल रहा था। एक कंपनी में 15 दिन की ट्रेनिंग के लिए मैं दिल्ली में ही था। संयोग देखिए – 11 सितंबर 2001, जिस दिन न्यूयॉर्क के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर दुनिया का सबसे भीषण आतंकी हमला हुआ, उसी दिन छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट से एक संदेश मिला: "आपका चयन मास्टर इन टूरिज्म मैनेजमेंट के पहले बैच में अतिथि शिक्षक के रूप में हो गया है।" वही क्षण मेरे जीवन का टर्निंग पॉइंट बना, जब मैंने अकादमिक जगत में पहला कदम रखा। मन में हलचल थी, 25 साल की उम्र और सामने लगभग हमउम्र विद्यार्थियों को पढ़ाने की जिम्मेदारी, भीतर कहीं डर भी था, मगर पहली कक्षा के बाद संस्थान के वरिष्ठ शिक्षकों, खासकर निदेशक महोदय और वरिष्ठ प्रोफेसर ने जब कहा, "धीरे-धीरे सब परिपक्व होते हैं," तो उन्हीं शब्दों ने मेरे भीतर नई ऊर्जा भर दी।

नौकरी का पहला दिन था। पिताजी ने सहज भाव से कहा, "यह तो प्रोफेसर बन गया।" अगले दो दिन रिश्तेदारों के फोन आते रहे- सब यही दोहराते, "आपका बेटा प्रोफेसर हो गया।" किसी को यह एहसास ही नहीं था कि प्रोफेसर एक बड़ा पद होता है, जबकि मैं तो केवल पार्ट-टाइम गेस्ट फैकल्टी, यानी लेक्चरर के रूप में जुड़ा था। मैं जब स्वयं विद्यार्थी था, तभी से डायरी लिखने का शौक था। जब पुराने पन्ने पलटे तो कहीं नहीं लिखा था कि मुझे शिक्षक बनना है। मैं तो देश-शहर सुधारने के सपने देखता हुआ सिविल या डिफेंस सर्विस में जाना चाहता था। किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। बिना हिचक मैंने शिक्षण को अपनाया। पहले ही वर्ष संस्थान में पहचान बनने लगी और दो साल के भीतर मैं नियमित लेक्चरर के पद पर चुन लिया गया। जीवन अनिश्चितताओं और संघर्ष का ही दूसरा नाम है। मेरा जीवन भी उससे अलग नहीं था। इन्हीं संघर्षों ने मेरे व्यक्तित्व को तराशा, एक नई पहचान दी। वह दौर था जब कई युवा शिक्षक एक साथ आए थे, प्रतिस्पर्धा चरम पर थी। इन्हीं संघर्षों और मेरे शांत स्वभाव ने मुझे स्थायित्व दिया।

शुरुआत में लगता था कि सब पीछे खींचना चाहते हैं, पर वह केवल भ्रम था। पहले वर्ष से ही मैंने इसे स्वीकार कर अपने व्यक्तित्व को निखारना शुरू कर दिया। धीरे-धीरे नए पड़ाव आते गए। अपने शुरुआती विचारों को साकार करने का अवसर मिला। विश्वविद्यालय के भीतर रचनात्मकता दिखाने का मौका मिला। विश्वविद्यालय में प्लेसमेंट सेल, काउंसलिंग सेल, होटल एवं टूरिज्म मैनेजमेंट विभाग की स्थापना और राष्ट्रीय सेवा योजना जैसे नए कॉन्सेप्ट स्थापित किए। एनएसएस ने समाज के प्रति मेरा दृष्टिकोण व्यापक किया। एक नई विचारधारा जन्मी-शैक्षिक दायित्व के साथ-साथ समाज के प्रति भी हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है, इस सोच के साथ सामाजिक कार्यों में भागीदारी बढ़ी। कुछ ही वर्षों में पर्यटन, सामाजिक विकास और जन-जागरूकता जैसे विषयों पर पकड़ बनी। आज कानपुर शहर को केंद्र में रखकर हैप्पीनेस, स्वास्थ्य और विजन कानपुर पर काम हो रहा है। "मुस्कुराए कानपुर", "कानपुर हेल्थ कमेटी" और "कानपुर सुपर 100" जैसी संस्थाएं खड़ी कर शहर के हर क्षेत्र के प्रतिष्ठित नागरिकों को जोड़ते हुए "नव कानपुर, कुशल कानपुर" बनाने का प्रयास जारी है। सामाजिक दृष्टिकोण और प्रबंधन क्षमता के साथ जिला प्रशासन के साथ भी पर्यटन विकास और शहर के विकास में सलाहकार की भूमिका निभाकर आत्मिक संतुष्टि मिल रही है। हर इंसान के जीवन में अलग-अलग पड़ावों पर रोल मॉडल होते हैं। माता-पिता के बाद प्रारंभिक काल में एक सरकारी कार्यालय के अधीक्षक रोल मॉडल थे। सेवा भाव से भरे हुए, आज कुलपति महोदय की प्रशासनिक क्षमता, कार्य के प्रति समर्पण और दूरदर्शिता मुझे प्रेरित करती है।

डॉ. सुधांशु राय
असिस्टेंट प्रोफेसर
कानपुर

आज जहां भी खड़ा हूं, अपने परिवार के समर्पण एवं सहयोग से। मैं मानता हूं कि मैंने सब कुछ नहीं पाया, पर काफी हद तक जीवन में संतुष्ट हूं खुश हूं। शैक्षिक दायित्व को पूरी निष्ठा से निभाते हुए समाज को नया नेतृत्व देने की कोशिश कर रहा हूं। ऐसा नेतृत्व जो अपने शहर कानपुर को "नया कानपुर, खुशहाल कानपुर" बनाने की दिशा में कुछ सार्थक कर सके।

कालजयी उपन्यास 'देवदास' के रचयिता शरतचंद्र

भारत में कई ऐसे यशस्वी साहित्यकार हुए हैं, जिनकी कृतियां विश्व भर में पढ़ी जाती हैं। इन साहित्यकारों में शरत चंद्र चट्टोपाध्याय की गणना प्रथम पंक्ति में की जाती है। आम आदमी को केंद्र में रखकर सामाजिक और पारिवारिक ताने-बाने पर बुने उनके उपन्यास और कहानियां पाठकों में बहुत लोकप्रिय हुईं।

शरतचंद्र चट्टोपाध्याय, एक ऐसे उपन्यासकार हैं, जिन्होंने अपने शब्दों और कुछ अविस्मरणीय लेखन के कारण लोगों के मन-मस्तिष्क पर एक गहरी छाप छोड़ी। उन्हें पश्चिम बंगाल के लोगों के मनोभावों, उनकी रुचियों, परंपराओं तथा उनकी जीवन शैली की गहरी समझ थी। एक विख्यात लेखक, जिनकी स्पष्ट और अविस्मरणीय लेखन की सरल शैली उस समय के नियमित पाठकों को पढ़ने के लिए एक बेहतरीन समाग्री थी। शरतचंद्र ने अपने उपन्यास और कहानियों में बंगाल के ग्रामीण अंचल में प्रचलित संस्कृति और वहां की जीवन शैली को एक नया आयाम दिया। उनके उपन्यासों और कहानियों के अधिकांश पात्र समाज के सामान्य वर्ग का प्रतिनिधित्व करते हैं और उनके आचरण तथा व्यवहार में सादगी तथा भोलापन स्पष्ट रूप से झलकता है।

सुरेश बाबू मिश्रा
लेखक

शरतचंद्र का जन्म हुगली जिले के देवानंदपुर गांव में हुआ था। उन्होंने अपना बचपन भागलपुर में अपने मामा के घर में बिताया। 1894 में, उन्होंने टीएन जुबली कॉलेजिएट स्कूल से प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण की और उन्हें एफए क्लास में भर्ती कराया गया, लेकिन गरीबी के कारण अपनी आगे की शिक्षा जारी रखने में असमर्थ हो गए।

शरतचंद्र का व्यक्तित्व बहुमुखी प्रतिभा का धनी था, इसलिए उन्होंने जीवन के कई क्षेत्रों में कार्य किया। सबसे पहले उन्होंने बनाली एस्टेट में सहायक सेटलमेंट ऑफिसर के रूप में कार्य करना शुरू किया। इसके बाद उन्होंने कलकत्ता के उच्च न्यायालय में एक अनुवादक के रूप में काम किया। फिर उन्होंने बर्मा रेलवे में लेखा विभाग में क्लर्क के रूप में काम किया। शरतचंद्र चट्टोपाध्याय बंगाल कांग्रेस के सक्रिय सदस्य भी रहे। वे भारतीय कांग्रेस द्वारा देश की आजादी के लिए चलाए जा रहे असहयोग आंदोलन में भाग लेते थे। बाद में, उन्हें हावड़ा जिला कांग्रेस का अध्यक्ष नियुक्त किया गया।

शरतचंद्र चट्टोपाध्याय को एक ऐसा लेखक माना जाता है, जिन्होंने बंगाल के ग्रामीण परिवेश को अपने लेखन में अच्छी तरह से समाहित किया है। उनके कृतियों में ग्रामीण सार है, क्योंकि इनमें साधारण परिवारों, शहरों से बहुत दूर प्रकृति की गोद में, नदियों, पेड़ों और कृषि भूमि के बीच के जीवनकाल को कहानियों के रूप में दर्शाया गया है। उन्होंने महिलाओं के बारे में बहुत अधिक लिखा और एक पितृसत्तामक समाज में उनकी स्थिति के बारे में स्पष्ट रूप से और ईमानदारी से बताया। उन्होंने धर्म के नाम पर हो रहे सामाजिक भेदभाव, अन्याय और अंधविश्वास के खिलाफ विरोध किया।

शरतचंद्र का पहला उपन्यास 'बड़ीदीदी' 1907 में प्रकाशित हुआ। यह उपन्यास पाठकों के मध्य बहुत लोकप्रिय हुआ। इसके बाद उनका उपन्यास 'बिंदुर छेले' सन् 1913 में और एक अन्य उपन्यास 'परिणीता' 1914 में प्रकाशित हुआ। उनके इन उपन्यासों को पाठकों ने हाथों-हाथ लिया और उन्हें अपार लोकप्रियता हासिल हुई।

सन् 2016 में उनका उपन्यास 'बैकुन्ठेर उइल' सन् 1917 में 'देवदास', 'श्रीकांत' और 'चरित्रहीन' प्रकाशित हुए। देवदास और चरित्रहीन उपन्यास के प्रकाशन के बाद शरतचंद्र की गणना देश के चोटी के उपन्यासकारों में होने लगी।

सन् 1926 में शरतचंद्र चट्टोपाध्याय का उपन्यास 'पाथेर दाबी' प्रकाशित हुआ। इस उपन्यास का कथानक क्रांतिकारी विषयवस्तु पर आधारित था और पाठकों को आजादी के लिए प्रेरित करता था, इसलिए ब्रिटिश सरकार द्वारा इसे प्रतिबंधित कर दिया गया। अपनी साहित्य यात्रा के दौरान शरतचंद्र चट्टोपाध्याय ने बच्चों के लिए कई कहानियां और उपन्यास लिखे। इनमें 'रामर शुमाती' तथा 'लालू और उनके दोस्त' जैसी लघु कथाएं शामिल हैं। उनके उपन्यास और कहानियों पर सफल फिल्में भी बनाई गईं। इन फिल्मों में 'देवदास', 'परिणीता', और 'श्रीकांत' जैसी फिल्मों ने अपार सफलता अर्जित की और वे दर्शकों के मध्य बहुत लोकप्रिय हुईं। शरतचंद्र को बंगाली साहित्य में योगदान देने के लिए कई पुरस्कार मिले। इनमें सन् 1903 में उन्हें मिला 'कुंतालिन पुरस्कार' सबसे महत्वपूर्ण है। सन् 1923 में बंकिम चंद्र चटर्जी को 'जगत्तारिणी स्वर्ण पदक' से विभूषित किया गया। सन् 1934 में उन्हे 'बंगाली संगीत परिषद' की सदस्यता प्रदान की गई।

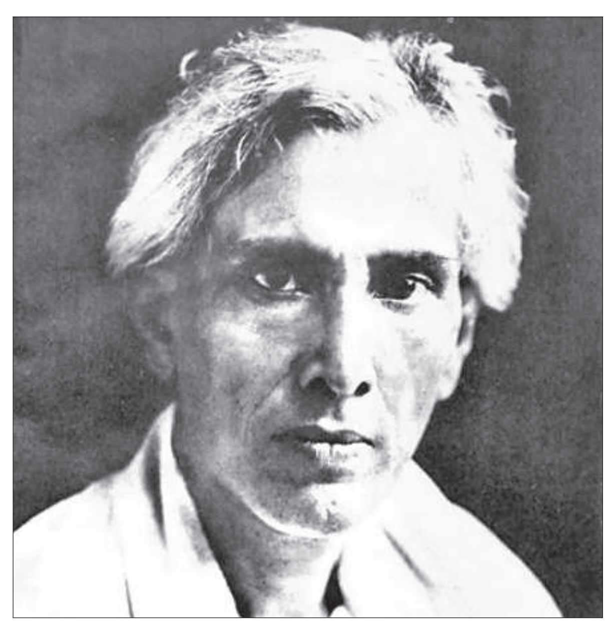

16 जनवरी 1938 को उनकी मृत्यु से बंगाल साहित्य को भारी नुकसान हुआ। उनके द्वारा लिखे गए उपन्यास हिंदी साहित्य की भी अनमोल धरोहर हैं। उनके विश्व प्रसिद्ध उपन्यासों के लिए उनका सदैव स्मरण किया जाएगा। यह देश और समाज उनका ऋणी रहेगा।

बाजार	सेंसेक्स	निफ्टी
बंद हुआ	76,664.21	23,897.95
गिरावट	999.79	275.10
प्रतिशत में	1.29	1.14

सोना 1,55,900 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,47,000 प्रति किलो

अमृत विचार
हल्द्वानी, शनिवार, 25 अप्रैल 2026
www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2550, राज श्री 1960, फॉर्चून कि. 2680, रविन्द्रा 2540, फॉर्चुन 13 किग्रा 2360, जय जवान 2095, सचिन 2300, सूरज 2095, अवसर 2065, उजाला 2100, गृहणी 13 किग्रा 2130, क्लासिक (किग्रा) 2455, मोर 2300, चक्र टिन 2520, ब्लू 2380, आशीर्वाद मस्टर्ड 2420, स्वास्तिक 2505

किराना : निजामाबाद हल्दी 16000-18000, जीरा 25500, लाल मिर्च 21500-24000, धनिया 14000-18000, अजवाइन 14000-19000, मेथी 7000-8000 सौंफ 11000-20000, सोंठ 33000, **प्रति किलो :** लौंग 850-1000, बादाम 750-1050, काजू 2 पीस 830, किशमिश पीली 330-380, मखाना 800-1150

चावल प्रति कुंटल : डबल चाबी सेला 10800, आभा स्पाइस 8300, शरबती कच्ची 6500, शर्बती स्टीम 6500, मंसूरी 4500, महबूब सेला 4600, गौरी रॉयल 10200, राजभोग 8250, हरी पत्ती (1 किग्रा, 5 किग्रा) 11700, हरी पत्ती नेचुरल 10900, गौरी स्पेशल 10100, गौरी प्रीमियम 11500, जन्नत 3700, गौरी डिलाइट 10800, मंसूरी पनघट 4400, लाडली 4400

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9900, मूंग धोवा 10100, राजमा चित्रा 11500-13000, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7450-9600, मलका छांटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 8800-9800, मसूर दाल छोटी 10700-12200, दाल उड़द दिल्ली 11200, उड़द साबुत दिल्ली 10500, उड़द धोवा इंदौर 12700, उड़द धोवा 9800-11500, चना काला 7200, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7400, चना अकोला 6600, डबरा 6800-8400, सच्चा मोती 8700, मोटा सफेद 9700, अरहर गोला मोटा 8800, अरहर पटका मोटा 9500, अरहर कोरा मोटा 9800, अरहर पटका छोटा 11000-11600, अरहर कोरी छोटी 12600

चीनी : पीलीभीत 4300, बहेड़ी 4280

बरेली सर्राफा

सोना प्रति 10 ग्राम : पक्के जेवर 152800, गिन्नी जेवर 148800, **चांदी प्रति किलो :** पक्की 244000 अनुमानित

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती 3200, मसूरी 1000, बासमती 7200-8400, परमल 1000-3600

दाल दलहन : काला चना 2000-3000, साबुत चना दाल 1200, मूंग साबुत 5000, राजमा 7400-12200, दाल उड़द 4800, साबुत मसूर दाल 2000, मसूर दाल 1700, उड़द साबुत 10300, काबुली चना 5000-10200, अरहर दाल 10000 -12300, लोबिया/करमानी 1200-1400

अनिश्चितता से घिरे शेयर बाजार में फिर बड़ी गिरावट, सेंसेक्स 1,000 अंक टूटा

तेल की बढ़ती कीमतों और आईटी शेयर में बिकवाली ने दिया झटका, निफ्टी भी 455 अंक गिरा

मुंबई, एजेंसी

कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल और आईटी कंपनियों के शेयर में भारी बिकवाली से सेंसेक्स और निफ्टी में शुक्रवार को एक प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी, वैश्विक बाजारों में नकारात्मक रुख और होर्मुज जलडमरूमध्य में लगातार व्यवधान से कारोबारियों के बीच निराशा का माहौल गहराया रहा। बीएसई सेंसेक्स 999.79 अंक यानी 1.29 प्रतिशत टूटकर 76,664.21 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 275.10 अंकों की गिरावट हुई।

कारोबार के दौरान एक समय सेंसेक्स 1,260.13 अंक यानी 1.62 प्रतिशत फिसलकर 76,403.87 अंक तक चला गया था। बीएसई पर कुल 2,905 शेयर में गिरावट आई जबकि 1,326 में बढ़त हुई और 158 में कोई बदलाव नहीं हुआ। पिछले सप्ताह सेंसेक्स 1,829.33 अंक या नी2.33 प्रतिशत गिरा जबकि निफ्टी में 455.6 अंक यानी 1.87 प्रतिशत की गिरावट आई। ऑनलाइन ट्रेडिंग कंपनी एनरिच मनी के सीईओ पोनमुडी आर. ने कहा, भारतीय शेयर बाजारों ने लगातार तीसरे सत्र में गिरावट दर्ज रही। जोखिम से बचने की भावना ने निवेशकों के भरोसे को प्रभावित किया। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और आईटी क्षेत्र में लगातार कमजोरी ने बाजार पर दबाव बनाना जारी रखा।

इन्फोसिस का शेयर 7.09 प्रतिशत टूटा

सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से इन्फोसिस का शेयर सर्वाधिक 7.09 प्रतिशत टूटा। एचसीएल टेक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टेक महिंद्रा, सन फार्मा, एशियन पेंट्स और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर भी नुकसान में रहे।

बढ़त के साथ हुए बंद : ट्रेंट, बजाज फाइनेंस, भारतीय स्टेट बैंक, एचडीएफसी बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक।

स्मॉलकैप 0.95, मिडकैप 0.91 प्रतिशत टूटा

बीएसई स्मॉलकैप सेलेक्ट 0.95 प्रतिशत और मिडकैप सेलेक्ट 0.91 प्रतिशत टूटा। बीएसई आईटी में 5.13 प्रतिशत, बीएसई फोकस्ड आईटी में 4.65 प्रतिशत, स्वास्थ्य देखभाल में 1.35 प्रतिशत, दूरसंचार में 1.33 प्रतिशत, रियल्टी में 1.30 प्रतिशत, सेवाओं में 1.17 प्रतिशत की गिरावट आई।

- वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 2.17 प्रतिशत की तेजी के साथ 107.3 डॉलर प्रति बैरल
- विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बेचे 3,254.71 करोड़ रुपये के शेयर
- दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और चीन का शंघाई कम्पोजिट गिरावट के साथ हुए बंद
- जापान का सूचकांक निक्की और हांगकांग का हैंगसेंग बढ़त के साथ हुआ बंद

रुपया 15 पैसे कमजोर 94.16 प्रति डॉलर हुआ

मुंबई। रुपये में भी शुक्रवार को गिरावट दर्ज की गई और यह अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 15 पैसे टूटकर 94.16 पर बंद हुआ। कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और अमेरिकी मुद्रा की मजबूती से घरेलू मुद्रा दबाव में है। रुपये में पिछले पांच सत्रों से लगातार गिरावट जारी है। घरेलू बाजार से निरंतर निकासी का भी असर पड़ रहा है।

डॉलर के मजबूत होने से तीसरे दिन भी सोना, चांदी में गिरावट

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में शुक्रवार को सोना-चांदी की कीमतों में लगातार तीसरे सत्र में गिरावट जारी रही। डॉलर के मजबूत होने और वैश्विक अनिश्चितता बढ़ने के बीच सोने की कीमत में 200 और चांदी की कीमत में 3,000 रुपये की गिरावट दर्ज की गई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 200 रुपये गिरकर सभी करों सहित 1,55,900 रुपये 10 ग्राम रह गई, जो बृहस्पतिवार को 1,56,100 रुपये 10 ग्राम पर बंद हुई थी। चांदी की कीमत भी 3,000 रुपये की गिरावट के साथ सभी करों सहित 2,47,000 रुपये किलोग्राम रह गई। पिछले सत्र में यह 2,50,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी।

भूमि अधिग्रहण में देरी के कारण नहीं पूरे हो सके राजमार्ग निर्माण के लक्ष्य

- भूमि अधिग्रहण से पहले ही प्रोजेक्ट शुरू करना कारण

नई दिल्ली। देश में वित्त वर्ष 2025-26 में राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण 9,380 किलोमीटर रहा, जो 10,000 किलोमीटर के लक्ष्य से कम है।

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि लक्ष्य से पीछे रहने का मुख्य कारण भूमि अधिग्रहण में देरी और अन्य मंजूरियां मिलने में समय लगना रहा। पिछले वित्त वर्ष में राजमार्ग निर्माण की लंबाई 2017-18 के बाद से सबसे कम रही। मंत्रालय ने वित्त वर्ष 2024-25 में 10,660 किलोमीटर, 2023-24 में 12,349 किलोमीटर और 2022-23 में 10,331 किलोमीटर राजमार्ग बनाए थे। निर्माण की रफ्तार में यह कमी मुख्य रूप से नई परियोजनाओं के आवंटन में गिरावट के कारण आई है। राजमार्ग परियोजनाओं के ठेके देने की गति वित्त वर्ष 2022-23 में 12,376 किलोमीटर से घटकर वित्त वर्ष 2024-25 में 7,538 किलोमीटर रह गई। पिछले दिनों केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने भी इसका जिक्र किया था।

सिफारिशः घरेलू कीटनाशकों पर जीएसटी घटाकर 5% करें

- ईवाई-एचआईसीए ने रिपोर्ट जारी कर जीएसटी परिषद से किया आग्रह

नई दिल्ली। मच्छरों और कीटों से होने वाली बीमारियों से लड़ने और निवारक स्वास्थ्य देखभाल सेवा को मजबूत करने के लिए जीएसटी परिषद को घरेलू कीटनाशकों पर लगने वाले कर को मौजूदा 18 प्रतिशत से घटाकर पांच प्रतिशत करने पर विचार करना चाहिए। ईवाई-एचआईसीए ने शुक्रवार को जारी एक रिपोर्ट में इस पर जोर दिया गया है।

रिपोर्ट के अनुसार लिक्विड वेपोराइजर, कॉइल और एरोसोल जैसे घरेलू कीटनाशक भारत के निवारक स्वास्थ्य पारिस्थितिकी तंत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, विशेष रूप से घरेलू स्तर पर जहां इन बीमारियों से सुरक्षा अभी भी असमान है। ईवाई और होम इंसेक्ट कंट्रोल एसोसिएशन की इस संयुक्त रिपोर्ट में इस बात की पड़ताल की गई है कि वर्तमान 18 प्रतिशत की जीएसटी दर इन उत्पादों की वहनीयता, पहुंच और उपयोग को खासकर संवेदनशील और उच्च जोखिम वाली आबादी के बीच किस तरह प्रभावित करती है। रिपोर्ट में इन उत्पादों पर कर को अन्य आवश्यक स्वच्छता और स्वास्थ्य-सुरक्षा उत्पादों की तर्ज पर पांच प्रतिशत करने का तर्क दिया गया है।

पाकिस्तान ने यूएई को लौटाया 3.45 अरब डॉलर का कर्ज

- हाल ही में सऊदी अरब से मिली थी तीन अरब डॉलर की वित्तीय सहायता

इस्लामाबाद। वित्तीय संकट में घिरे पाकिस्तान ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को बकाया 3.45 अरब अमेरिकी डॉलर का पूरा कर्ज लौटा दिया है। एक अरब डॉलर की राशि अबू धाबी फंड फॉर डेवलपमेंट को चुकाई गई, जबकि 2.45 अरब डॉलर का भुगतान पिछले सप्ताह कर दिया गया था।

स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान (एसबीपी) के मुताबिक यह भुगतान 23 अप्रैल को पूरा किया गया। इसके साथ ही यूएई को कुल 3.45 अरब डॉलर की जमा राशि की वापसी पूरी हो गई है। पाकिस्तान को हाल ही में सऊदी अरब से तीन अरब डॉलर की वित्तीय सहायता मिली है। यह राशि दो किस्तों में आई, जिसमें दूसरी किस्त के रूप में एक अरब डॉलर 21 अप्रैल को प्राप्त हुए। पश्चिम एशिया में ईरान को लेकर अमेरिका-इजराइल के साथ बढ़े तनाव के बाद यूएई ने पाकिस्तान से यह धन तत्काल लौटाने को कहा था। यह राशि 2019 में यूएई द्वारा पाकिस्तान को उसके भुगतान संतुलन को स्थिर करने के लिए दी गई बाहरी वित्तीय सहायता का हिस्सा थी। इससे पहले मार्च में पाकिस्तान यूएई के साथ लगभग 3.5 अरब डॉलर की जमा राशि को आगे बढ़ाने का समझौता करने में नाकाम रहा था।

टेस्ला भारत में सुपरचार्जिंग नेटवर्क का विस्तार करेगी

नई दिल्ली। अमेरिकी इलेक्ट्रिक कार विनिर्माता कंपनी टेस्ला भारत में अपने कारोबार को मजबूत करके के उद्देश्य से अपनी चार्जिंग सुविधा का विस्तार करेगी। कंपनी ने हाल ही में भारत में अपने वाहन पेश किए हैं और अब वह ग्राहकों की बैटरी खत्म होने की चिंता को कम करना चाहती है।

टेस्ला ने हाल ही में मॉडल वाई के साथ भारत में प्रवेश किया था। इसके बाद बुधवार को उसने अपना दूसरा मॉडल मॉडल वाईएल पेश किया, जो तीन पंक्तियों और छह सीटों वाला वाहन है और जिसकी कीमत 61.99 लाख रुपये है। साथ ही कंपनी ग्राहकों की बैटरी खत्म होने की चिंता दूर करने के लिए चार्जिंग सुविधाओं का तेजी से विस्तार कर रही है। टेस्ला इंडिया के महाप्रबंधक शरद अग्रवाल ने बताया कि फिलहाल भारत में कंपनी के पांच तेज चार्जिंग केंद्र हैं, जिन्हें ऐसे स्थानों पर बनाया गया है जहां लोग काम, खरीदारी, भोजन और यात्रा के लिए जाते हैं।

'महिला सामर्थ्य' योजना से एक लाख महिलाएं बनीं आत्मनिर्भर

- अयोध्या, सुल्तानपुर, रायबरेली, अमेठी, प्रतापगढ़, फतेहपुर, कानपुर नगर के 1550 गांवों का कायाकल्प
- एक लाख से अधिक परिवारों की महिलाओं का डेयरी नेटवर्क तैयार, रोज चार लाख लीटर दूध का संग्रह

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः योगी सरकार की 'महिला सामर्थ्य' योजना अवध क्षेत्र में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा दे रही है। अयोध्या, सुल्तानपुर, रायबरेली, अमेठी, प्रतापगढ़, फतेहपुर और कानपुर नगर के 1500 से अधिक गांवों में इस योजना के तहत एक लाख से ज्यादा महिलाएं आत्मनिर्भर बन चुकी हैं। वहीं लखनऊ, उन्नाव और बाराबंकी में इसका तेजी से विस्तार किया जा रहा है।

योजना के तहत एक मजबूत डेयरी नेटवर्क खड़ा हुआ है, जिसमें जुड़ी महिलाएं रोज करीब 4 लाख लीटर दूध का संग्रह कर रही हैं। अब तक 1380 करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे लाभार्थी महिलाओं के बैंक खातों में ट्रांसफर की जा चुकी है, जिससे उनकी आय में स्थायी वृद्धि हुई है। सुल्तानपुर के मुकुंदपुर गांव की अनीता वर्मा इस योजना की मिसाल बनकर उभरी हैं। दो गायों से शुरू किया गया उनका छोटा प्रयास आज उन्हें सालाना लाखों की आय दिला रहा है और वे अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा बन गई हैं। यह योजना साबित कर रही है कि सही अवसर और सरकारी सहयोग मिलने पर ग्रामीण महिलाएं न केवल आत्मनिर्भर बन सकती हैं, बल्कि पूरे क्षेत्र की आर्थिक तस्वीर भी बदल सकती हैं।

आत्मनिर्भर महिला, सशक्त परिवार

मुख्यमंत्री योगी का मानना है कि महिलाओं की आर्थिक मजबूती ही समाज की असली ताकत है। इसी सोच के साथ योजना में महिलाओं को उत्पादन, संग्रहण और विपणन की पूरी प्रक्रिया से जोड़ा गया है, जिससे वे खुद निर्णय लेने में सक्षम हो रही हैं।

8000 से एक लाख तक का सफर

मार्च 2023 में 340 गांवों और 8000 महिलाओं से शुरू हुआ यह अभियान अब 1550 गांवों और एक लाख से अधिक महिलाओं तक पहुंच चुका है। डेयरी व्यवसाय का यह विस्तार ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए नया मॉडल बनकर उभरा है।

डीबीटी से खत्म हुआ बिचौलिया तंत्र

डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के जरिए भुगतान सीधे महिलाओं के खातों में जा रहा है। इससे पारदर्शिता बढ़ी है और बिचौलियों की भूमिका समाप्त हो गई है, जिससे महिलाओं का आत्मविश्वास भी बढ़ा है।

संपर्क बनाए रखेंगे भारत और अमेरिका

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के अधिकारियों के बीच तीन दिवसीय व्यापार वार्ता 23 अप्रैल को पूरी हुई, जिसमें दोनों पक्ष भविष्य में इस गति को बनाए रखने के लिए निरंतर संपर्क में बने रहने पर सहमत हुए हैं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक दोनों पक्षों ने बाजार पहुंच, गैर-शुल्क उपायों, व्यापार में तकनीकी बाधाएं, सीमा शुल्क तथा व्यापार सुगमीकरण, निवेश प्रोत्साहन, आर्थिक सुरक्षा और डिजिटल व्यापार जैसे कई क्षेत्रों पर चर्चा की।

बयान में कहा गया, बैठकें सकारात्मक और रचनात्मक माहौल में हुईं जिसमें प्रमुख मामलों पर प्रगति के लिए सार्थक और भविष्योन्मुखी चर्चा की गई। दोनों पक्ष आगे बढ़ते हुए इस गति को बनाए रखने के लिए निरंतर संपर्क में रहने पर सहमत हुए हैं। उल्लेखनीय है कि भारत और अमेरिका ने पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार के संबंध में एक अंतरिम व्यापार समझौते के ढांचे को अंतिम रूप देने के लिए संयुक्त बयान सात फरवरी को जारी किया था। यह ढांचा व्यापक भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) वार्ता के लिए दोनों देशों की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

व्यापार समझौते पर बातचीत

एनएच पर दिसंबर से बाधामुक्त टोल प्रणाली

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार को कहा कि देश के कई राष्ट्रीय राजमार्गों पर दिसंबर तक बिना रुकावट के टोल वसूली की नई व्यवस्था लागू की जाएगी। गडकरी ने लॉजिस्टिक्स शक्ति समिट एंड अवॉर्ड्स- 2026 के दूसरे संस्करण को संबोधित करते हुए कहा कि देश में ढांचागत सुविधाओं को बेहतर बनाकर परिवहन लागत घटाना जरूरी है।

गडकरी ने कहा कि इस नई प्रणाली के तहत वाहन चालकों को टोल प्लाजा पर रुकने की जरूरत नहीं होगी। यह व्यवस्था उन्नत प्रौद्योगिकियों पर आधारित होगी, जिसमें वाहन नंबर पहचानने वाली प्रणाली और फास्टैग जैसी इलेक्ट्रॉनिक व्यवस्था शामिल होगी। इस प्रणाली में तेज गति वाले कैमरे और सेंसर के जरिए वाहनों की पहचान की जाएगी और उसी आधार पर टोल शुल्क वसूला जाएगा। उन्होंने कहा कि नियमों का पालन नहीं करने वालों को डिजिटल रूप से नोटिस भेजा जाएगा। भुगतान नहीं करने पर फास्टैग बंद किया जा सकता है और वाहन से जुड़ी अन्य कार्रवाई भी की जा सकती है।

पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव महासंग्राम

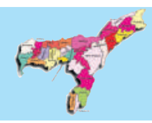

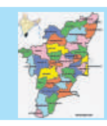

शाह का दावा, भाजपा पहले चरण की 110 सीटें जीतेगी

कार्यकर्ताओं से मिले फीडबैक को बताया दावे का आधार

कोलकाता, एजेंसी

भाजपा ने पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के पहले चरण में 152 सीटों में से 110 सीटें जीतने का दावा करते हुए कहा है कि दूसरे चरण में भी जोरदार जीत हासिल कर वह राज्य में प्रचंड बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रही है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में सभी विधानसभा क्षेत्रों के पार्टी कार्यकर्ताओं से मिले फीडबैक को इस दावे का आधार बताया।

उन्होंने कहा कि दूसरे चरण में भी जोरदार जीत के साथ भाजपा पांच मई को राज्य में सरकार बनाने जा रही है। भाजपा नेता ने कहा कि राज्य के लोगों ने भाजपा के पक्ष में मतदान कर विकास की राह को चुना है। उन्होंने कहा कि राज्य में मतदान के सभी पुराने रिकार्ड टूट गये हैं और यह मतदान राज्य में सत्ता में परिवर्तन के लिए भाजपा के पक्ष में हुआ है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इन आरोपों पर कि भाजपा की सरकार बनने के बाद राज्य में बाहर का व्यक्ति मुख्यमंत्री बनेगा इस पर शाह ने कहा , मुख्यमंत्री बंगाल में ही जन्म लेने वाला, बांग्ला माध्यम से पढ़ने वाला और बांग्ला बोलने वाला होगा लेकिन इतना जरूर है कि वह आपका भतीजा नहीं होगा बल्कि वह भाजपा का कार्यकर्ता होगा।

प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते गृहमंत्री अमित शाह।

साजिश का मतदान से दिया है जनता ने जवाब : ममता

दिल्ली से बंगाल चलाने के सपने कामयाब नहीं होंगे

कोलकाता, एजेंसी

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल में अपने विभाजनकारी एजेंडे को थोपने की कोशिश कर रही ताकतों को शुक्रवार को आगाह करते हुए कहा कि यह विधानसभा चुनाव राज्य को कमजोर करने और उस पर नियंत्रण करने के व्यवस्थित प्रयास का प्रतिरोध करने के लिए है।

ममता बनर्जी ने एक्स पर लिखा कि बंगाल को कमजोर करने के हर प्रयास का निर्णायक जवाब दिया जाएगा। दिल्ली में बैठे लोग बंगाल के अधिकारों को छीनने और अपना एजेंडा थोपने की साजिश रच रहे हैं, लेकिन उन्हें समझ लेना चाहिए कि बंगाल की जनता सब देख रही है और वोट के जरिए जवाब देगी। यह चुनाव बंगाल को कमजोर करने के प्रयास का विरोध करने का है। मुख्यमंत्री का इशारा राज्य में मोदी, शाह प्रचार अभियान की ओर था।

ममता ने कहा, चौरंगी, भवानीपुर, यादवपुर और टॉलीगंज में मैंने लोगों को कड़े इरादे, दृढ़ संकल्प, एकता के साथ बंगाल, उसकी पहचान और भविष्य की रक्षा के लिए उमड़ते देखा। जो लोग यह मानते हैं कि वे दिल्ली से बंगाल चला सकते हैं, उसके लोगों को बांट सकते हैं और संस्कृति को विकृत कर सकते हैं, वे बहुत बड़ी भूल कर रहे हैं। इस भूमि की स्मृति लंबी है और इसकी रीढ़ की हड्डी बहुत मजबूत है।

खिदिरपुर में ममता बनर्जी ने किया रोड शो।

भाजपा के विभाग की तरह बर्ताव कर रहा चुनाव आयोगः वेणुगोपाल

तिरुवनंतपुरम। कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल ने शुक्रवार को निर्वाचन आयोग को भाजपा का एक विभाग करार देते हुए आरोप लगाया कि उसने कांग्रेस प्रमुख खरगे को तुरंत नोटिस जारी कर दिया, जबकि मोदी के संबोधन पर कोई कार्रवाई नहीं की। वेणुगोपाल ने दावा किया कि संसद में परिसीमन संबंधी विधेयक पारित न होने के बाद प्रधानमंत्री का हालिया सार्वजनिक संबोधन चुनाव नियमों और आदर्श आचार संहिता का स्पष्ट उल्लंघन था।

भाजपा कार्यकर्ता को तृणमूल ने धमकाया

कोलकाता। भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि दक्षिण कोलकाता में पार्टी की एक कार्यकर्ता को उसके आवास पर तृणमूल कांग्रेस समर्थकों द्वारा धमकाया गया। उन्होंने भारत निर्वाचन आयोग से इस मामले में तत्काल कार्रवाई की मांग की।

चुनाव में निर्वाचन अधिकारी मगर मतदाता सूची से बाहर

सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कीं वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने के लिए दायर याचिकाएं

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल चुनाव में निर्वाचन अधिकारी के रूप में कार्यरत कई लोगों के नाम भी एसआईआर प्रक्रिया के दौरान मतदाता सूची से काट दिए गए हैं। शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने भी इन लोगों की याचिकाओं पर सुनवाई करने से इन्कार कर दिया और उन्हें अपीलीय न्यायाधिकरणों के समक्ष अपील करने का निर्देश दिया।

याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता एमआर शमशाद ने सीजेआई सूर्यकांत एवं न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ को बताया कि कई अधिकारियों के नाम बिना किसी कारण मनमाने ढंग से मतदाता सूची से काट दिए गए हैं। न्यायमूर्ति बागची ने स्वीकार किया कि जिन लोगों की अपील अभी लंबित है, वे शायद पश्चिम बंगाल के मौजूदा विधानसभा चुनावों में मतदान नहीं कर पाएंगे, लेकिन वे अपनी अपील जारी रख सकते हैं ताकि भविष्य के लिए मतदाता सूची में उनका नाम बहाल किया जा सके।

सीजेआई ने पश्चिम बंगाल में रिकॉर्ड वोटिंग पर खुशी जताई

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में एसआईआर मामले में सुनवाई करते हुए सीजेआई सूर्यकांत ने बृहस्पतिवार को राज्य में पहले चरण में भारी मतदान पर खुशी जताई। कहा, भारत के एक नागरिक के रूप में मैं मतदान प्रतिशत देखकर बहुत खुश हूं। जब लोग मतदान के अधिकार का प्रयोग करते हैं, तो इससे लोकतांत्रिक व्यवस्था मजबूत होती है। सुप्रीम कोर्ट ने अपीलीय न्यायाधिकरणों से कहा कि एसआईआर के बाद जिन लोगों का नाम जोड़ने के लिए तत्काल सुनवाई की जरूरत है, उनकी याचिका पर प्राथमिकता के आधार पर सुनवाई की जाए।

बंगाल में मतदान केंद्रों पर लगे कैमरों के डेटा की सुरक्षा के लिए कड़े निर्देश

- निर्वाचन अधिकारी के सामने कैमरों से निकाले जाएंगे एसडी कार्ड कैमरा उतारे जाने तक पोलिंग टीम नहीं छोड़ सकेगी मतदान केंद्र

कोलकाता। निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए मतदान के बाद नए दिशा निर्देश जारी किए हैं, जिसमें मतदान समाप्त होने के बाद निगरानी कैमरों और वीडियो डेटा का सुरक्षा और प्रबंधन के लिए सख्त प्रोटोकॉल तय किए गए हैं। इसके अलावा पोलिंग टीमों को तब तक मतदान केंद्रों को न छोड़ने का निर्देश दिया है, जब तक वहां से तय प्रोटोकॉल के मुताबिक सारे कैमरे न उतार लिए जाएं।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि बृहस्पतिवार को जारी नए दिशानिर्देशों के अनुसार, मतदान केंद्रों पर लगे कैमरों में उपयोग किए गए एसडी कार्ड मतदान समाप्त होते ही तुरंत नहीं निकाले जा सकेंगे। संबंधित अधिकारियों को केवल कैमरे उतारने की अनुमति होगी, जिसके बाद कैमरे सेक्टर अधिकारी की निगरानी में रहेंगे। उन्होंने कहा, एसडी कार्ड केवल निर्धारित डेटा संग्रहण और रिसीविंग सेंटर पर सहायक निर्वाचन अधिकारी की उपस्थिति में ही निकाले जा सकेंगे। चुनाव अधिकारी ने कहा कि मतदान के दौरान रिकॉर्ड की गई सभी वीडियो फुटेज को सुरक्षित तरीके से संरक्षित किया जाना अनिवार्य होगा। उन्होंने कहा, जब तक कैमरा उपकरण पूरी तरह नहीं उतार लिया जाता, तब तक मतदान दल का कोई सदस्य या बीएलओ मतदान केंद्र नहीं छोड़ सकता।

वर्ल्ड ब्रीफ

ईरान ने दी रूस व कई देशों को शुल्क में छूट

मास्को। ईरान ने रूस सहित कई देशों को होर्मुज जलडमरूमध्य से गुज़रने के लिए लगने वाले ट्रांज़िट शुल्क में छूट दी है। रूस में ईरान के राजदूत काज़ेम जलाली ने न्यूज एजेंसी स्पूतनिक को यह जानकारी दी। गौरतलब है कि ईरान की संसद के प्रथम उपाध्यक्ष हामिद रज़ा हाजी बाबाई ने गुरुवार को बताया था कि ईरान को पहली बार होर्मुज जलडमरूमध्य को पार करने के शुल्क से राजस्व प्राप्त हुआ है और यह राशि देश के केंद्रीय बैंक में जमा कर दी गयी है। वहीं श्री जलाली से जब पूछा गया कि क्या ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य के शुल्कों में कोई छूट दी है, तो उन्होंने कहा कि हमने फिलहाल कुछ देशों को छूट दी है, लेकिन मुझे नहीं पता कि भविष्य में क्या होगा। हालांकि, हमारा विदेश मंत्रालय अभी उन छूटों को लागू करने की कोशिश कर रहा है, जो रूस जैसे मित्र देशों के लिए सोची गयी हैं।

रूस ने अफगानिस्तान को भेजी सहायता

मास्को। रूस ने संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) में अपने मुख्य योगदान के तहत अफगानिस्तान में मानवीय सहायता की पहली खेप पहुंचायी है। रूस के विदेश मंत्रालय ने यह जानकारी दी है। मंत्रालय ने गुरुवार को कहा कि 23 अप्रैल को मजार-ए-शरीफ में अफगानिस्तान को रूसी मानवीय सहायता की पहली खेप (फोर्टिफाइड गेहूं का आटा) सौंपने के लिए एक समारोह आयोजित किया गया। मंत्रालय ने बताया कि रूस ने यह सहायता डब्ल्यूएफपी में अपने मुख्य योगदान के हिस्से के तौर पर दी है, और मानवीय सहायता की कुल मात्रा लगभग 3,977 टन होगी।

सेना प्रमुख उपेंद्र द्विवेदी को सम्मान

वाशिंगटन। भारत के थलसेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी को अमेरिका के पेनसिल्वेनिया स्थित यूएस आर्मी वॉर कॉलेज के 'इंटरनेशनल हॉल ऑफ फेम' में शामिल किया गया है। वह यह सम्मान पाने वाले तीसरे भारतीय सेना प्रमुख हैं। यूएस आर्मी वॉर कॉलेज के विशिष्ट फेलो जनरल द्विवेदी, जनरल वी.के. सिंह और जनरल बिक्रम सिंह के बाद इंटरनेशनल हॉल ऑफ फेम में शामिल होने वाले भारतीय सशस्त्र बलों के तीसरे प्रमुख हैं। भारतीय सेना ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने अमेरिका के आर्मी वॉर कॉलेज, कार्लाइल बैरक्स का दौरा किया, जहां उन्हें इंटरनेशनल हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया। यह सम्मान पाने वाले वह जनरल वी.के. सिंह और जनरल बिक्रम सिंह के बाद तीसरे भारतीय सेना प्रमुख हैं।

अल्जीरिया में नौका पलटने से 17 सोमाली प्रवासियों की मौत

- मृतकों में 12 पुरुष और पांच महिलाएं शामिल

मोगादिशु, एजेंसी

अल्जीरिया और स्पेन के बीच समुद्री क्षेत्र में एक नौका के पलट जाने के बाद कम से कम 17 सोमाली प्रवासी मारे गए। अल्जीरिया में सोमालिया के राजदूत ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

राजदूत यूसुफ अहमद हसन ने सोमालिया की सरकारी मीडिया को बताया कि अपने परिचितों की तलाश कर रहे लोगों ने उनसे संपर्क किया। यूरोप की यात्रा के दौरान नौका के पलटने के बाद डूबने से 12 पुरुष और पांच महिलाओं की मौत हो गई। उन्होंने कहा कि मुझसे उन अभिभावकों ने संपर्क किया जो अपने बच्चों की तलाश कर रहे थे और उनके बारे में जानना चाहते थे। हसन ने बताया कि इसके बाद उन्होंने अल्जीरियाई विदेश मंत्रालय से संपर्क किया, जिसने उन्हें सूचित किया कि राजधानी अल्जीयर्स से लगभग 100 किलोमीटर पश्चिम में एक तटीय प्रांत में अफ्रीकी प्रवासियों के एक समूह में शामिल लोगों की मौत हो गई है।

यूरोप जाने की कोशिश कर रहे प्रवासियों के लिए उत्तरी अफ्रीका और स्पेन के बीच का मार्ग आमतौर पर इस्तेमाल किए जाने वाले मार्गों में से एक है।

पाकिस्तान में अल्पसंख्यक महिलाओं की स्थिति चिंताजनक

संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञों ने कहा, कार्रवाई में कमी से बढ़ रहे धर्मांतरण और अगवा किए जाने के मामले

लंदन, एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञों ने पाकिस्तान में अल्पसंख्यक समुदायों की लड़कियों और महिलाओं को अगवा किए जाने तथा जबरन शादी के जरिये उनका धर्मांतरण कराए जाने की बढ़ती घटनाओं पर चिंता जताई है।

उन्होंने कहा है कि कार्रवाई की कमी" ऐसे मामलों में वृद्धि का कारण बन रही है। जेनेवा स्थित संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त कार्यालय (ओएचसीएचआर) के विशेषज्ञों ने बुधवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, धर्म या आस्था में कोई भी बदलाव वास्तव में दबाव मुक्त होना चाहिए। साथ ही शादी दोनों पक्षों की पूर्ण एवं दबाव मुक्त सहमति पर आधारित होनी चाहिए, जो कानूनी रूप से तब संभव नहीं है, जब पीड़ित नाबालिग हो।

विशेषज्ञों के मुताबिक, पाकिस्तान में 2025 में अपहरण, जबरन शादी और धर्मांतरण से पीड़ित लड़कियों एवं महिलाओं में से लगभग 75 फीसदी हिंदू और 25 प्रतिशत ईसाई समुदाय की थीं। उन्होंने कहा कि ऐसी लगभग 80 फीसदी घटनाएं सिंध प्रांत से दर्ज की गईं। विशेषज्ञों के अनुसार, कार्रवाई की कमी लगातार जारी इस कृत्य को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने कहा, 14 से 18 साल की उम्र की किशोरियों को खास तौर पर निशाना बनाया जाता है। गरीब और हाशिये पर रहने वाले परिवारों की लड़कियों और युवतियों के साथ ऐसे कृत्य होने की आशंका ज्यादा रहती है। विशेषज्ञों ने कहा कि पीड़ित लड़कियों और महिलाओं को न सिर्फ शारीरिक एवं यौन हिंसा, सामाजिक कलंक और गंभीर आघात का सामना करना पड़ता है, बल्कि धर्म और आस्था के पालन की उनकी आजादी भी छीन ली जाती है। उन्होंने कहा, ये महिलाएं और लड़कियां लगातार आतंक के साये में जी रही हैं... इसे रोकना होगा।

गाज़ा युद्ध में प्रतिदिन औसतन 47 महिलाएं मारी गईं : संरा

न्यूयॉर्क। गाज़ा पट्टी में अक्टूबर 2023 से दिसंबर 2025 के बीच इजरायल की सैन्य कार्रवाई में 38,000 से अधिक महिलाएं और लड़कियां मारी गयी हैं, जो इस अवधि में प्रतिदिन औसतन 47 मौतों के बराबर है। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। संयुक्त राष्ट्र महिला इकाई की रिपोर्ट गाज़ा में युद्ध की कीमतः महिलाएं और लड़कियां में कहा गया है कि यह संख्या उसी अवधि में दर्ज कुल मौतों के आधे से अधिक है। गाज़ा स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, सात अक्तूबर 2023 को हमास के हमले के बाद शुरू हुए इजरायल के सैन्य अभियान में अब तक 71,200 लोगों की मृत्यु दर्ज की गयी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों की कुल हिस्सेदारी सभी मृतकों में आधे से अधिक है। साथ ही यह भी संकेत दिया गया है कि वास्तविक संख्या इससे अधिक हो सकती है, क्योंकि मलबे में दबे शवों को निकालने में कठिनाई और स्वास्थ्य तथा सूचना तंत्र के बाधित होने के कारण कई मामलों की रिपोर्टिंग नहीं हो पाई है। आंकड़ों के अनुसार, महिलाओं और बच्चों की मौतों में वृद्धि उन अवधियों में देखी गई जब नागरिक ढांचे जैसे घर, स्कूल और आश्रय स्थलों का व्यापक विनाश हुआ। अनुमान है कि गाज़ा में लगभग 11,000 महिलाएं, लड़कियां विकलांगता का सामना कर रही हैं।

इच्छा के विरुद्ध गर्भावस्था के लिए नाबालिग को बाध्य नहीं कर सकते

सुप्रीम कोर्ट ने सात महीने से अधिक प्रेग्नेंट लड़की को अबॉशर्न की दी अनुमति

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को 15 वर्षीय लड़की को सात महीने से अधिक की गर्भावस्था का चिकित्सीय समापन कराने की अनुमति देते हुए कहा कि कोई भी अदालत किसी महिला, विशेषकर नाबालिग को उसकी इच्छा के विरुद्ध गर्भावस्था पूरी अवधि तक जारी रखने के लिए बाध्य नहीं कर सकती।

न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने कहा कि जन्म लेने वाले बच्चे की अपेक्षा गर्भवती महिला की इच्छा अधिक महत्वपूर्ण है। न्यायालय ने जोर देकर कहा कि ऐसी गर्भावस्था जारी रहने से नाबालिग के मानसिक स्वास्थ्य, शिक्षा की संभावनाओं, सामाजिक स्थिति और समग्र विकास पर दीर्घकालिक प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

शीर्ष अदालत ने कहा कि महिला की प्रजनन संबंधी स्वायत्तता को सर्वोच्च महत्व दिया जाना चाहिए। यदि किसी महिला को अवांछित गर्भावस्था जारी रखने के लिए मजबूर किया जाता है, तो यह उसके संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन होगा। पीठ ने कहा कि अपने शरीर से जुड़े निर्णय लेने का अधिकार विशेषकर प्रजनन के मामलों में संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत व्यक्तिगत स्वतंत्रता और निजता का अभिन्न हिस्सा है। यह अधिकार अव्यावहारिक प्रतिबंध लगाकर निष्प्रभावी नहीं किया जा सकता, खासकर नाबालिगों और अवांछित गर्भावस्था जैसे मामलों में। न्यायालय ने कहा कि किसी भी अदालत को किसी महिला और विशेष रूप से नाबालिग बच्ची को उसकी स्पष्ट इच्छा के विरुद्ध गर्भावस्था पूरी अवधि तक ढोने के लिए बाध्य नहीं करना चाहिए। ऐसा करना न केवल उसकी निर्णय लेने की स्वतंत्रता की अनदेखी होगी, बल्कि यदि उसे बच्चे को जन्म देने के लिए मजबूर किया जाए तो उसे गंभीर मानसिक, भावनात्मक और शारीरिक आघात भी पहुंचेगा। पीठ ने कहा कि राहत देने से इनकार नाबालिग को अपरिवर्तनीय परिणाम झेलने के लिए मजबूर करेगा और ऐसा दृष्टिकोण प्रजनन विकल्प को मौलिक अधिकार मानने वाले संवैधानिक तथा स्थापित सिद्धांतों के विपरीत होगा।

गर्भवती महिला की इच्छा अधिक महत्वपूर्ण

न्यायालय ने कहा कि गर्भवती महिला की इच्छा अधिक महत्वपूर्ण है, न कि जन्म लेने वाले बच्चे की। पीठ ने कहा कि यह कहना आसान है कि यदि गर्भवती महिला बच्चे का पालन-पोषण नहीं करना चाहती तो वह उसे गोद दे सकती है, इसलिए उसे बच्चे को जन्म देना ही चाहिए। लेकिन यह विचार विशेषकर उन मामलों में स्वीकार्य नहीं हो सकता, जहां जन्म लेने वाला बच्चा अवांछित हो। ऐसी स्थिति में महिला को उसकी इच्छा के विरुद्ध बच्चे को जन्म देने और गर्भावस्था जारी रखने का निर्देश देना गर्भवती महिला के कल्याण को नकारना होगा और उसे अभी जन्म न लेने वाले बच्चे के हितों के अधीन कर देगा। संवैधानिक अदालतों को ऐसे मामलों में जन्म लेने वाले बच्चे के बजाय गर्भवती महिला के कल्याण को ध्यान में रखते हुए परिस्थितियों का मूल्यांकन करना चाहिए।

गर्भसमापन के लिए सभी तथ्यों, परिस्थितियों पर देना होगा ध्यान

न्यायालय ने कहा कि संवैधानिक अदालत को उन सभी तथ्यों और परिस्थितियों को उस पक्ष के दृष्टिकोण से देखना चाहिए, जो गर्भसमापन चाहती है और चिकित्सकीय जोखिम उठाने को तैयार है, न कि गर्भावस्था पूरी कर अवांछित बच्चे को जन्म देने का निर्देश देना चाहिए। पीठ ने कहा कि यदि संवैधानिक अदालत यह कहे कि अवांछित गर्भावस्था भी जारी रखनी होगी, तो अनुमति लेने के लिए अदालत आने के बजाय लोग अवैध गर्भपात केंद्रों का रुख करेंगे या गुप्त रूप से गर्भसमापन कराएंगे, जिससे गर्भवती महिला को अधिक खतरा होगा। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि इस मामले में लड़की 15 वर्ष की है और गर्भावस्था अवांछित है इसलिए इसे जारी रखना नाबालिग गर्भवती के हित में नहीं है, विशेषकर तब जब उसने दो बार आत्महत्या का प्रयास किया है।

पवन खेड़ा की अग्रिम जमानत याचिका खारिज

गुवाहाटी। गुवाहाटी उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता पवन खेड़ा की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी। यह याचिका असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की पत्नी के पास कई पासपोर्ट और विदेश में अघोषित संपत्तियां होने के उनके आरोपों से जुड़े मामले में दायर की गई थी। न्यायमूर्ति पार्थिव ज्योति सैकिया की एकल पीठ ने सोमवार को खेड़ा द्वारा दायर याचिका को खारिज कर दिया। इससे पहले उच्चतम न्यायालय ने कांग्रेस नेता को गुवाहाटी उच्च न्यायालय का रुख करने के लिए कहा था।

एक संवाददाता सम्मेलन में खेड़ा द्वारा लगाए इन आरोपों के बाद मुख्यमंत्री शर्मा की पत्नी रिंकी भुइयां शर्मा ने कांग्रेस नेता और अन्य लोगों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत गुवाहाटी अपराध शाखा पुलिस थाने में आपराधिक मामले दर्ज कराए थे। न्यायाधीश ने अपने आदेश में कहा कि याचिकाकर्ता ने दावा किया था कि जो आरोप उन्होंने लगाए हैं, वे कुछ दस्तावेजों पर आधारित हैं, जो उनके पास हैं जबकि पुलिस ने दावा किया कि उन दस्तावेजों को पहले ही फर्जी साबित किया जा चुका है। अदालत ने कहा कि मामला दर्ज होने के बाद याचिकाकर्ता ने यह कहीं नहीं कहा कि पुलिस ने झूठे या मनगढ़ंत दावे किए हैं।

18 माह बाद 400 फिट ऊंचे टावर से उतारा गया युवक

- गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी पर सख्त कानून की थी की मांग

समाना, एजेंसी

पंजाब में बेअदबी की घटनाओं के लिए सख्त कानूनों की मांग को लेकर करीब 560 दिनों से 400 फुट ऊंचे मोबाइल टावर पर बैठे कार्यकर्ता गुरजीत सिंह खालसा को आखिरकार शुक्रवार सुबह नीचे उतार लिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इस घटनाक्रम के साथ ही गुरु ग्रंथ साहिब के अपमान के लिए कड़ी सजा की मांग कर रहे खालसा (43) के अनूठे ढंग से किए जा रहे विरोध प्रदर्शन का समापन हो गया।

उन्होंने 12 अक्टूबर 2024 को पटियाला के समीप समाना में स्थित टावर पर चढ़कर अपना विरोध प्रदर्शन शुरू किया था। पटियाला के एक दमकल अधिकारी ने बताया कि दमकलकर्मियों, पुलिस और नगर निकाय के अधिकारियों की एक टीम ने विशेष 'क्रेन-लिफ्ट' की मदद से उन्हें नीचे उतारा। कार्यकर्ता को टावर से उतारते समय उन्होंने हाथ हिलाकर अपने उन समर्थकों का अभिवादन किया जो नीचे खड़े थे। इस बीच एक समर्थक ने चिल्लाकर कहा कि खालसा 'चढ़दी कला' (जोश) में है। खालसा को 'सिख जयकारा' और 'जो बोले सो निहाल, सत श्री अकाल' के नारों के बीच टावर से उतारने के बाद चिकित्सा जांच के लिए एम्बुलेंस में अस्पताल ले जाया गया। इस बीच उनके समर्थकों ने उन पर फूल बरसाए। कई स्थानीय लोगों को अपने घरों की छतों से इस पूरी प्रक्रिया को देखते हुए देखा गया। पटियाला जिले के खेड़ी नगैयां गांव के निवासी कार्यकर्ता ने जमीन पर कदम रखते हुए कहा कि हम जीत गए हैं। खालसा ने मुख्यमंत्री भगवंत मान और विधानसभा अध्यक्ष कुलतार सिंह संधवां को बेअदबी विरोधी कानून लागू करने के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि गुरु की कृपा से मैं 18 महीने और 12 दिन बाद सुरक्षित वापस आ गया हूं। मैं पंजाब सरकार का आभारी हूं। पंजाब सरकार ने गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी के खिलाफ संशोधित कानून जगत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) अधिनियम, 2026' को हाल ही में अधिसूचित कर दिया है, जिसमें गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी के किसी भी कृत्य के लिए आजीवन कारावास और 25 लाख रुपये तक के जुर्माने समेत कठोर दंड का प्रावधान है।

इजराइल-लेबनान संघर्ष विराम तीन सप्ताह के लिए बढ़ा

- ट्रंप बोले-दोनों देशों के राजदूतों के बीच सार्थक रही बैठक

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति को व्हाइट हाउस में हुई बातचीत इजराइल एवं हिजबुल्ला चरमपंथी डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि बृहस्पतिवार के बाद इजराइल और लेबनान ने समूह के बीच युद्धविराम को तीन सप्ताह के लिए बढ़ाने पर सहमति जताई है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका में इजराइल और लेबनान के राजदूतों के बीच हुई बैठक सार्थक रही। राष्ट्रपति के कार्यालय ओवल ऑफिस में हुई एक बैठक के दौरान हालांकि ट्रंप ने स्वीकार किया कि उन्हें हिजबुल्ला के बारे में भी सोचना होगा। हालांकि ईरान समर्थित इस समूह ने वार्ता का विरोध किया है और पिछले शुक्रवार को प्रारंभिक युद्धविराम लागू होने के बाद से दोनों पक्षों द्वारा कई बार इसका उल्लंघन किया गया है। इजराइल और लेबनान के बीच दशकों में यह पहली सीधी राजनयिक वार्ता थी। दोनों पक्षों के बीच हुआ शुरुआती 10 दिवसीय युद्धविराम सोमवार को खत्म होने वाला था। ट्रंप ने सोशल पोस्ट में कहा कि लेबनान को हिजबुल्ला से रक्षा में मदद करने के लिए अमेरिका उसके साथ काम करेगा। बाद में ओवल ऑफिस में कहा कि उन्हें उम्मीद है कि अगले कुछ हफ्तों में वह इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ औन से वाशिंगटन में मुलाकात करेंगे।

सीबीएसई 10वीं : दूसरी बोर्ड परीक्षा को 6.68 लाख से अधिक आवेदन

नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) को 10वीं कक्षा की दूसरी बोर्ड परीक्षा के लिए 6.68 लाख से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनमें अधिकांश आवेदन मुख्य परीक्षा में प्राप्त अंकों में सुधार के लिए हैं, जिसके परिणाम इस महीने की शुरुआत में घोषित किए गए थे। सीबीएसई के अनुसार, दूसरी बोर्ड परीक्षा के लिए कुल 6,68,854 नियमित उम्मीदवारों ने आवेदन किया है जिनमें से 5,25,655 ने सुधार के लिए, 85,285 ने कंपार्टमेंट श्रेणी के तहत तथा 57,914 ने कंपार्टमेंट तथा सुधार दोनों श्रेणियों के लिए आवेदन किया है। बोर्ड ने बताया है कि 2026 से कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षा दो बार कराई जा रही है। इसके तहत छात्रों को पहली (मुख्य) परीक्षा में अनिवार्य रूप से शामिल होना होगा।

चीनी कंपनियों पर सख्त कार्रवाई करेगा ट्रंप प्रशासन

वाशिंगटन। ट्रंप प्रशासन ने विदेशी प्रौद्योगिकी कंपनियों द्वारा अमेरिकी कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) मॉडल के दुरुपयोग पर नकेल कसने का संकल्प जताया है। माना जा रहा है कि अमेरिकी प्रशासन के निशाने पर विशेष रूप से चीन रहेगा, क्योंकि वह एआई की दौड़ में अमेरिका से कड़ी प्रतिस्पर्धा कर रहा है।

आरएसएस 'कु क्लक्स क्लैन' का भारतीय संस्करण नहीं : होसबाले

- सरकार्यवाह बोले-संगठन के बारे में कई हैं गलतफहमियां

वाशिंगटन, एजेंसी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन में कहा कि आरएसएस अमेरिकी श्वेत वर्चस्ववादी समूह 'कु क्लक्स क्लैन' का कोई भारतीय संस्करण नहीं है। साथ ही उन्होंने समाज के विभिन्न क्षेत्रों में संगठन के कार्यों पर प्रकाश डाला।

हडसन इंस्टीट्यूट द्वारा आयोजित 'न्यू इंडिया कॉन्फ्रेंस' में संवादात्मक सत्र के दौरान होसबाले ने कहा कि अमेरिका में भारत के बारे में गलतफहमियों की तरह ही आरएसएस के बारे में भी गलत धारणाएं हैं। उन्होंने बृहस्पतिवार को लेखक वाल्टर रसेल मीड के साथ चर्चा के दौरान कहा कि दशकों से जानबूझकर या अनजाने में अन्यथा किसी एजेंडा के तहत इस तरह की धारणा गढ़ी गई है कि आरएसएस एक हिंदू वर्चस्ववादी संगठन है या यह ईसाई विरोधी, अल्पसंख्यक विरोधी, विकास विरोधी और आधुनिकीकरण का विरोधी है। होसबाले ने कहा कि इसलिए सकारात्मक कार्यों को कभी उजागर नहीं किया गया। इसके बजाय हमेशा गलत छवि का ही प्रचार किया जाता रहा है... जैसे हम 'कु क्लक्स क्लैन' का कोई भारतीय संस्करण हों, जो कि हम नहीं हैं। उन्होंने कहा कि हिंदू दर्शन और संस्कृति पूरे विश्व को एक परिवार की तरह देखती है और यह वर्चस्ववाद का समर्थन नहीं करती। आरएसएस सरकार्यवाह ने कहा, हम सजीव और निर्जीव, हर चीज में एकता देखते हैं। जब यही हिंदुओं का मूल दर्शन है, तो श्रेष्ठता का प्रश्न ही नहीं उठता। इतिहास में हिंदुओं ने कभी किसी देश पर आक्रमण नहीं किया है। होसबाले ने आरएसएस को भारत की सांस्कृतिक और सभ्यतागत विचारधारा में निहित एक स्वयंसेवी आंदोलन के रूप में वर्णित किया। उन्होंने कहा कि आरएसएस भारत के प्राचीन समाज की सांस्कृतिक नैतिकता और सभ्यतागत मूल्यों से प्रेरित एक जन स्वैच्छिक आंदोलन है जिसे सामान्यतः हिंदू संस्कृति के रूप में जाना जाता है। उन्होंने कहा कि चरित्रवान, आत्मविश्वासी, समाज सेवा का भाव रखने वाले और समाज को संगठित करने में सक्षम स्वयंसेवकों को तैयार करने के लिए संघ एक घंटे की दैनिक और साप्ताहिक शाखाओं का आयोजन करता है।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष – आज निर्णय लेने से पहले स्थिति को पूरी तरह समझना जरूरी होगा। दिन के दूसरे हिस्से में चीजें स्पष्ट होंगी।

वृष – आज किसी बात को लेकर मन में दबाव रह सकता है। कारोबार में बड़ी साझेदारी हो सकती है। धैर्य बनाए रखें।

मिथुन – आज का दिन अच्छा रहेगा। संपर्क आपके लिए फायदेमंद साबित होंगे। सही समय पर लिया गया निर्णय आपको आगे बढ़ाएगा।

कर्क – आज आपका ध्यान परिवार से जुड़े मामलों पर रहेगा। किसी जिम्मेदारी को निभाने का समय है। भावनाओं पर नियंत्रण रखें।

सिंह – आज आपके अंदर आत्मविश्वास बढ़ेगा। कोई नया काम शुरू करने की सोच सकते हैं। दिन का दूसरा भाग आपके लिए अनुकूल रहेगा।

कन्या – आज आपको अपने कामों पर ध्यान देना होगा। किसी भी लापरवाही से बचें। छोटे-छोटे प्रयास ही आपको सही परिणाम देगा।

तुला – आज किसी नई योजना की शुरुआत हो सकती है। आपको अपने तरीके से काम करने का मौका मिलेगा।

वृश्चिक – आज विदेश से जॉब के ऑफर मिलने की संभावना बन रही है। दूसरों के कार्यों में टांग न अड़ाएं। स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही न करें।

धनु – आज परिस्थितियों के लगातार अनुकूल होने से खुश रहेंगे। ऑफिस में आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

मकर – आज कुछ लोग आपके कार्यों में अवरोध डालने का प्रयास कर सकते हैं। नया कार्य आरंभ करने में जल्दबाजी न करें।

कुंभ – आज आपकी कार्यक्षमता में वृद्धि होगी। कारोबार में विस्तार कर सकते हैं। व्यवसायिक उद्देश्य से यात्रा हो सकती है।

मीन – आज आपकी दिनचर्या अत्यंत अनुशासित रहेगी। घर का माहौल काफी अच्छा रहेगा। प्रशासन से जुड़े लोग कार्यों से संतुष्ट रहेंगे।

आज का पंचांग

-आचार्य मधुरेंद्र पांडेय
astrompandey@gmail.com

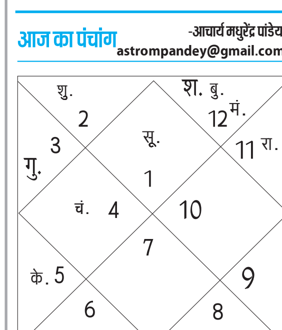

आज की ग्रह स्थिति : 25 अप्रैल, शनिवार 2026 संवत-2083, शक संवत 1948 मास- वैशाख, पक्ष-शुक्ल पक्ष, नवमी 18.27 तक तत्पश्चात दशमी।

दिशाशूल-पूर्व, **ऋतु**- ग्रीष्म।

चन्द्रबल- वृषभ, कर्क, कन्या, तुला, मकर, कुंभ।

ताराबल-अश्विनी, भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद, रेवती।

नक्षत्र-अश्लेशा 20.04 तक तत्पश्चात मघा।

सुडोकू - 129 का हल

3	2	5	9	6	8	1	4	7
4	8	7	2	1	3	9	5	6
9	6	1	7	4	5	8	3	2
8	5	6	3	2	9	4	7	1
2	1	4	8	7	6	3	9	5
7	3	9	4	5	1	2	6	8
6	7	2	1	9	4	5	8	3
1	9	3	5	8	7	6	2	4
5	4	8	6	3	2	7	1	9

सुडोकू -130

		3		5				
6			4			9		
	4				3			8
9					5			
8		6			1	3		5
			2					4
5			1	3			2	
	7	1			4			9
			5	9		6		

शोध

नींद संबंधी समस्याओं का प्रभावी इलाज होने पर दूर हो सकते हैं डायबिटीज, हृदयरोग, अवसाद जैसे कई लक्षण

अनिद्रा अपने आप में एक बीमारी, अलग से इलाज की जरूरत

ब्रिटेन, एजेंसी

अनिद्रा यानी नींद न आने की समस्या संभवतः प्राचीनकाल से ही इनसानों को परेशान करती आ रही है, लेकिन वैज्ञानिकों ने पिछले 20 वर्षों में इसकी समझ हासिल करने की कोशिशों में काफी प्रगति की है। आज अनिद्रा ब्रिटेन में लोगों के सामने सबसे आम मानसिक समस्याओं में से एक बन गई है।

इंग्लैंड में लगभग एक-तिहाई वयस्क अनिद्रा से जुड़े लक्षणों का सामना करने की बात स्वीकार करते हैं। अनिद्रा को लेकर वैज्ञानिकों की समझ में जो सबसे बड़ा बदलाव आया है, वह यह है कि ज्यादातर मामलों में इसकी शिकायत शारीरिक या मानसिक स्वास्थ्य संबंधी किसी अन्य समस्या के कारण उभरती है। अनिद्रा के शिकार अधिकांश लोगों को डायबिटीज, उच्च रक्तचाप, थॉयरॉयड, पेट से जुड़ी समस्याओं, लंबे समय से बरकरार दर्द, बेचैनी या अवसाद की शिकायत होती है। अनिद्रा जब किसी दूसरी बीमारी या समस्या का नजीता होती है, तो उसे सेकेंडरी इंसोमेनिया कहा जाता है। यही कारण है कि पहले डॉक्टर अक्सर सिर्फ मुख्य बीमारी का इलाज करते थे और सेकेंडरी इंसोमेनिया का अलग से उपचार करने पर ध्यान नहीं देते थे। हालांकि, 2000 के दशक की शुरुआत में शोध और नैदानिक अनुभव, दोनों से पता चला कि यह तरीका सही नहीं है। वैज्ञानिकों ने कहा कि कुछ मामलों में अनिद्रा की शिकायत किसी मुख्य बीमारी के उभरने से पहले से ही हो सकती है, जबकि कुछ मामलों में यह उसके ठीक होने के बाद भी लंबे समय तक बनी रह सकती है। प्राइमरी और सेकेंडरी इंसोमेनिया से चिकित्सकीय रूप से निपटने के तरीके में इस अंतर को त्यागना इस बात को स्वीकार करने की दिशा में एक बड़ा कदम था कि अनिद्रा अक्सर अपने आप में एक स्वतंत्र बीमारी होती है, जिसका अलग से इलाज करना जरूरी है। शोधकर्ताओं ने इस बात के पुख्ता सबूत जुटाए हैं कि अगर लोगों की नींद संबंधी समस्याओं का प्रभावी इलाज किया जाए, तो उनमें मौजूद डायबिटीज, हृदयरोग, अवसाद, मनोभ्रंश, शराब की लत, बाइपोलर डिसऑर्डर आदि में सुधार हो सकता है।

किसे होती है अनिद्रा की शिकायत?

पिछले दो दशक में दुनियाभर से अधिक सटीक आंकड़े मिले हैं, जो यह दर्शाते हैं कि अनिद्रा की समस्या कितनी आम है। यह लगभग सभी वर्गों को प्रभावित करती है, लेकिन महिलाएं, बुजुर्ग और गरीब एवं हाशिये पर पड़े लोग इसके प्रति ज्यादा संवेदनशील होते हैं, क्योंकि उनमें अक्सर जैविक, मानसिक और सामाजिक, तीनों कारक मिलकर अनिद्रा की समस्या को जन्म देते हैं। महिलाओं के सामने हार्मोन में बदलाव, गर्भावस्था, शिशु का जन्म, स्तनपान, रजोनिवृत्ति, घरेलू हिंसा, दूसरों की देखभाल की जिम्मेदारी, चिंता और अवसाद जैसी स्थितियां आती हैं।

बेयरबॉक 28 अप्रैल को भारत यात्रा पर आएंगी

नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र महासभा के 80वें सत्र की अध्यक्ष सुश्री एन्नालेना बेयरबॉक 28 अप्रैल को भारत की यात्रा पर आयेंगी। विदेश मंत्रालय ने बताया कि बेयरबॉक की यह यात्रा विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर के निमंत्रण पर हो रही है और वह विदेश मंत्री के साथ आपसी हित के महत्वपूर्ण बहुपक्षीय मुद्दों पर चर्चा करेंगी। बेयरबॉक महात्मा गांधी की समाधि राजघाट जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करेंगी। वह एआई पर इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय के प्रतिनिधियों के साथ एक संवादात्मक सत्र में भी भाग लेंगी।

> हमारा प्रदर्शन खराब इसलिए दिख रहा है क्योंकि हम हर मैच में लक्ष्य का पीछा कर रहे हैं। पिछले मैच में हमने एक ही ओवर में तीन विकेट गंवा दिए थे और हमारी बल्लेबाजी भी बहुत अच्छी नहीं रही थी।
> –ट्रिस्टन स्टब्स, दिल्ली कैपिटल्स के बल्लेबाज

स्टेडियम

हल्द्वानी, शनिवार, 25 अप्रैल 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

IPL 2026

आज के मुकाबले

पंजाब किंग्स बनाम दिल्ली कैपिटल्स

समय - दोपहर 3:30 बजे

सनराइजर्स हैदराबाद बनाम राजस्थान रॉयल्स

समय - शाम 7:30 बजे

सुदर्शन के शतक से गुजरात टाइटंस ने बेंगलुरु को दिया 206 रनों का लक्ष्य

आईपीएल-2026 : सुयश शर्मा, जॉश हेजलवुड और भुवनेश्वर कुमार को एक-एक विकेट

बेंगलुरु, एजेंसी

गुजरात टाइटंस ने साई सुदर्शन (100 रन) के शतक की बदौलत शुक्रवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ तीन विकेट पर 205 रन का प्रतिस्पर्धी स्कोर खड़ा किया। गुजरात टाइटन्स की पारी के 12.4 ओवर टी20 बल्लेबाजी के बिल्कुल उलट थे जिसमें पूर्व चैंपियन टीम ने यह साबित कर दिया कि इस प्रारूप में बिना आक्रामकता के भी रन बनाए जा सकते हैं।

सुदर्शन ने आईपीएल में अपने तीसरे शतक के लिए 58 गेंद की पारी में 11 चौके और पांच छक्के लगाए। उनकी पारी टीम के लिए मजबूत नींव साबित हुई। इस बाएं हाथ के बल्लेबाज ने अपने सलामी जोड़ीदार और कप्तान शुभमन गिल (32 रन, 24 गेंद) के साथ 128 रन की साझेदारी में शुरू से ही पूरी तरह से दबदबा बनाए रखा। सुदर्शन ने पावरप्ले के दौरान 29 जबकि गिल ने सिर्फ सात गेंदें खेली थीं।

तमिलनाडु के 24 साल के तमिलनाडु के इस बल्लेबाज ने पावरप्ले में 46 रन बनाए और फिर 33 गेंदों में बड़े ही शानदार अंदाज में अपना अर्धशतक पूरा किया, जिसके लिए उन्होंने रोमारियो शेफर्ड की गेंद पर एक जोरदार छक्का जड़ा। वह अपनी इस पारी के दौरान आईपीएल में सबसे तेज 2000 रन बनाने वाले खिलाड़ी भी बन गए। अगले पचास रन उन्होंने और भी तेज गति से बनाए जिसके लिए उन्होंने सिर्फ 24 गेंद लीं। इस दौरान उन्होंने आरसीबी के स्पिन जोड़ी कृणाल पांड्या और सुयश शर्मा को पूरी तरह से बेअसर कर दिया। क्रुणाल ने सुदर्शन को शांत रखने के लिए अपनी खास बाउंसर गेंद का इस्तेमाल किया, लेकिन यह बल्लेबाज भी पूरी तरह से तैयार था। उसने गेंद को 'अपर कट' करते हुए छक्के के लिए बाउंड्री के पार पहुंचा दिया। इसके बाद उन्होंने इसी गेंदबाज की गेंद पर एक चौका और स्वीप शॉट से एक छक्का जड़ा। जिसके बाद आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार को गेंदबाजी के लिए दूसरे विकल्पों के बारे में सोचना पड़ा। गिल के आउट होने से मैच की दिशा में कोई खास बदलाव नहीं आया क्योंकि सुदर्शन ने लगातार रन बटोरना जारी रखा। सुयश ने 91 रन के स्कोर पर अपनी ही गेंद पर कैच छोड़कर उन्हें जीवनदान दिया था।

सुदर्शन ने सुयश की गेंद पर एक रन लेकर अपना शतक पूरा किया, पर वे इसे आगे नहीं बढ़ा पाए और जोश हेजलवुड को एक आसान सा कैच थमा बैठे। उनके आउट होने से आरसीबी को डेथ ओवर्स में थोड़ी वापसी करने में मदद मिली। 17वें ओवर गुजरात टाइटंस का स्कोर दो विकेट पर 174 रन था। लेकिन टीम 31 रन ही बना पाई। ये रन भी टीम के लिए पदार्पण करने वाले खिलाड़ी जेसन होल्डर की छोटी सी तेज पारी (नाबाद 23 रन, 10 गेंद) की बदौलत ही बन पाए।

साई सुदर्शन।

गुजरात टाइटंस

205/3 (20 ओवर)

साई सुदर्शन का एवं बो हेजलवुड	100
शुभमन गिल का पडिक्कल बो सूयश	32
जोस बटलर का हेजलवुड बो भुवनेश्वर	25
वाशिंगटन सुंदर नाबाद	19
जेसन होल्डर नाबाद	23

अतिरिक्त : 06, **विकेट पतन** : 1-128, 2-160, 3-177, **गेंदबाजी** : भुवनेश्वर 4-0-31-1, हेजलवुड 4-0-40-1, रसिख सलाम 3-0-28-0, कृणाल पांड्या 4-0-50-0, शेफर्ड 1-0-17-0, सूयश शर्मा 4-0-36-1

ऑरेंज कैप

- अभिषेक शर्मा हैदराबाद-323 रन
- हेनरिच क्लोसेन हैदाराबाद -320
- सुभमन गिल गुजरात -297 रन

पर्पल कैप

- अंशुल कंबोज चेन्नई - 14 विकेट
- प्रिंस यादव गुजरात - 13 विकेट
- इशान मलिंगा हैदाबाद- 12 विकेट

अंक तालिका

	टीम	मैच	जीते	हारे	रद्द	अंक	नेट रन रेट
1.	पंजाब किंग्स	6	5	0	1	11	1.420
2.	राजस्थान रॉयल्स	7	5	2	0	10	0.790
3.	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	6	4	2	0	8	1.171
4.	सनराइज़र्स हैदराबाद	7	4	3	0	8	0.820
5.	चेन्नई सुपर किंग्स	7	3	4	0	6	0.118
6.	दिल्ली कैपिटल्स	6	3	3	0	6	-0.130
7.	गुजरात टाइटंस	6	3	3	0	6	-0.821
8.	मुंबई इंडियंस	7	2	5	0	4	-0.736
9.	लखनऊ सुपर जाएंट्स	7	2	5	0	4	-1.277
10.	कोलकाता नाइट राइडर्स	7	1	5	1	3	-0.879

संजू सैमसन की शतकीय पारी को कुंबले और हरभजन ने जमकर सराहा

मुंबई, एजेंसी। अनिल कुंबले और हरभजन सिंह जैसे पूर्व दिग्गज स्पिनरों ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ संजू सैमसन के शतक की जमकर सराहना की। उन्होंने इसे परिस्थिति के हिसाब से सबसे बेहतरीन पारियों में से एक करार दिया। सैमसन की 54 गेंदों पर नाबाद 101 रन की पारी से चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) ने छह विकेट पर 207 रन बनाने के बाद मुंबई इंडियंस को 104 रन पर आउट कर बड़ी जीत दर्ज की। मौजूदा सत्र में यह सैमसन का दूसरा शतक है। पूर्व स्पिनर कुंबले ने स्टार स्पोर्ट्स पर कहासीएसके की सफलता अक्सर उनके सलामी बल्लेबाजों की मजबूत शुरुआत पर टिकी रही है लेकिन पिछले कुछ सत्र में टीम को इस मामले में निराशा मिली है। सैमसन ने इस जिम्मेदारी को उठाने की कोशिश की है। सिर्फ सात मैचों में दो नाबाद शतक, और उन्होंने टीम को संभालने में अहम भूमिका निभाई है। भारत के पूर्व ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह ने इस शतक को सैमसन की सबसे बेहतरीन पारियों में से एक करार दिया। उन्होंने कहा संजू सैमसन इसलिए अलग नजर आए क्योंकि उनकी खेल की समझ बहुत मजबूत थी। बहुत से खिलाड़ियों में प्रतिभा होती है, लेकिन बहुत कम खिलाड़ी यह समझ पाते हैं कि अलग-अलग परिस्थितियों में पारी को कैसे गति देनी है। उन्होंने यह समझा कि खासकर एक युवा टीम के साथ अंत तक टिके रहना कितना जरूरी है।

हाईलाइट

थॉमस कप फाइनल्स के पहले मैच में भारत ने कनाडा को हराया

होर्सेंस (डेनमार्क)। लक्ष्य सेन को कड़े मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा लेकिन आयुष शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की युगल जोड़ी ने जीत दर्ज की जिससे 2022 के चैंपियन भारत ने शुक्रवार को यहां थॉमस कप फाइनल के अपने पहले ग्रुप ए मुकाबले में कनाडा पर 4-1 से शानदार जीत हासिल की। लक्ष्य सेन को शानदार प्रयास के बावजूद दुनिया के 13वें नंबर के खिलाड़ी विक्टर लाई से 18-21, 21-19, 21-10 से हार का सामना करना पड़ा। इसके विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर काबिज सात्विक और चिराग की जोड़ी ने जोनाथन बिंग त्सान लाई और केविन ली को 21-10, 21-11 से हराकर मुकाबले को 1-1 से बराबर कर दिया।

भारत 2047 तक शीर्ष पांच खेल देशों में होगा शामिल : मांडविया

बडगाम। केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने शुक्रवार को कहा कि भारत 2036 तक दुनिया के शीर्ष 10 खेल राष्ट्रों में शामिल होगा और 2047 तक शीर्ष पांच देशों में अपनी जगह बना लेगा। मांडविया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने खेल प्रशासन को अधिक सुव्यवस्थित किया है और देश में एक संगठित खेल ढांचा तैयार किया गया है। उन्होंने मध्य कश्मीर के बडगाम जिले के ओमपोरा में कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) के 30-बिस्तर वाले अस्पताल का उद्घाटन करने के बाद कहा सरकार युवाओं को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के अवसर दे रही है।

भारतीय महिला टीम आत्मसम्मान की लड़ाई में उतरेगी

जोहान्सबर्ग। पांच मैचों की टी20 अंतर्राष्ट्रीय श्रृंखला गंवाने के बावजूद भारत के पास शनिवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चौथे महिला टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच में बहुत कुछ दांव पर होगा, जिसमें अपनी प्रतिष्ठा बचाना, लय वापस पाना और इस प्रारूप के आगामी विश्व कप के लिए रणनीति तय करना शामिल है। मेजबान दक्षिण अफ्रीका ने पहले ही पांच मैचों की इस श्रृंखला में 3-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली है और टीम का लक्ष्य इस अभियान को जारी रखते हुए सूपड़ा साफ करना है।

रॉयल्स की नजरें सनराइजर्स के खिलाफ घरेलू परिस्थितियों का फायदा उठाने पर

जयपुर, एजेंसी

राजस्थान रॉयल्स की टीम शनिवार को जब सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैदान पर उतरेगी, तो उसकी कोशिश अपने घरेलू मैदान पर दबदबा कायम रखने के साथ-साथ दोनों टीमों के बीच हुए पिछले मुकाबले का हिसाब बराबर करने की भी होगी।

यह मुकाबला आईपीएल के इस चरण में बेहद अहम माना जा रहा है, जहां दोनों टीमें जरूरी अंक हासिल करने की कोशिश में होंगी। सनराइजर्स ने प्रफुल्ल हिंगे और साकिब हुसैन की शानदार गेंदबाजी के बूते दोनों टीमों के बीच 13 अप्रैल को खेले गए पहले चरण के मुकाबले को 57 रन से जीता था। रॉयल्स ने हालांकि उस हार से उबरते हुए लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ 40 रन की जीत से अच्छी वापसी की है। टीम अंक तालिका में दूसरे स्थान पर है। सनराइजर्स हैदराबाद इस सत्र में उतार-चढ़ाव से गुजरते हुए चौथे स्थान पर है, लेकिन उनकी आक्रामक बल्लेबाजी किसी भी टीम के लिए खतरा बनी हुई है। रॉयल्स को दोनों टीमों के बीच खेले गए पिछले मुकाबले में हर विभाग (पावरप्ले, मध्य ओवर और आखिरी ओवर) में संघर्ष करना पड़ा था, और टीम इस बार माकूल जवाब देने के इरादे से उतरेगी। सनराइजर्स की बल्लेबाजी की ताकत उनके शीर्ष क्रम में है, जहां इशान किशन और हेनरिक क्लासेन पहले ही कई मौकों पर आक्रामक प्रदर्शन कर चुके हैं। हाल ही में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ शतक लगाने वाले अभिषेक शर्मा और ट्रैविस हेड भी तेज शुरुआत देने की कोशिश करेंगे। हिंगे और साकिब दोनों ने रॉयल्स के खिलाफ अपने आईपीएल पदार्पण में चार-चार विकेट लिए, लेकिन सनराइजर्स की गेंदबाजी अपेक्षाकृत अनुभवहीन है। टीम कप्तान पैट कमिंस की अनुपस्थिति में संघर्ष कर रही है, हालांकि हाल के मैचों में कुछ सुधार देखने को मिला है। रॉयल्स की टीम मध्यक्रम की बल्लेबाजी को छोड़कर लगभग हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन कर रही है। टीम के नाम सात मैचों में पांच जीत हैं। उनकी बल्लेबाजी की रीढ़ युवा खिलाड़ियों पर टिकी है।

टीम

सनराइजर्स हैदराबाद : ईशान किशन (कप्तान और विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, अमित कुमार, सलिल अरोड़ा, ब्रायडन कार्स, हर्ष दुबे, क्रेन्स फुलेट्रा, ट्रैविस हेड, प्रफुल्ल हिंगे, हेनरिक क्लासेन, लियाम लिविंगस्टोन, ईशान मलिंगा, कामिंदु मेंडिस, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षल पटेल, डेविड पायने, साकिब हुसैन, शिवम मावी, शिवांग कुमार, रविचंद्रन स्मरण, ओंकार तरमाले, जयदेव उनादकट, अनिकेत वर्मा, जीशान अंसारी।

राजस्थान रॉयल्स : रियान पराग (कप्तान), ध्रुव जुरेल, डोनोवन फरेरा, लुआन-ड्रे प्रिटोरियस, रवि सिंह, अमन पेराला, शिम्रोन हेटमायर, शुभम दुबे, वैभव सूर्यवंशी, यशस्वी जयसवाल, रविंद्र जड़ेजा, सैम कुरेन, एडम मिल्ने, बृजेश शर्मा, जोफ्रा आर्चर, कुलदीप सेन, क्वेना मफाका, नंद्रे बर्गर, रवि बिश्नोई, संदीप शर्मा।

अभ्यास सत्र के दौरान सनराइजर्स के बल्लेबाज अभिषक शर्मा। एजेंसी

दिल्ली के सामने अपराजेय पंजाब की चुनौती

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली कैपिटल्स को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अपने अभियान को फिर से पटरी पर लाने के लिए शनिवार को यहां होने वाले मुकाबले में तालिका में शीर्ष पर चल रही पंजाब किंग्स के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

पिछले मैच में सनराइजर्स हैदराबाद से 47 रन से हार का सामना करने वाली दिल्ली के लिए वापसी की राह काफी चुनौतीपूर्ण होगी। इसके लिए उसके ज्यादातर खिलाड़ियों को एक साथ अच्छा प्रदर्शन करना होगा। छह मैचों में तीन जीत और तीन हार के साथ दिल्ली फिलहाल अंकतालिका के छठे स्थान पर है, जबकि पंजाब किंग्स छह मुकाबलों में 11 अंकों के साथ शीर्ष पर काबिज है। उनका एकमात्र अंक तब गया था जब कोलकाता में मैच बारिश के कारण रद्द हो गया था।

दिल्ली की सबसे बड़ी समस्या उसकी बल्लेबाजी में अस्थिरता रही है। केएल राहुल, डेविड मिलर, ट्रिस्टन स्टब्स और समीर रिजवी ने कुछ पारियों में योगदान दिया है, लेकिन पूरी टीम एक साथ प्रदर्शन करने में नाकाम रही है। सलामी बल्लेबाज पथुम निसांका शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलने में असफल रहे हैं, जिससे मध्यक्रम पर दबाव बढ़ गया है। कप्तान अक्षर पटेल से भी उम्मीद की जा रही है कि वह बल्ले और रणनीति दोनों में अधिक जिम्मेदारी निभाएं।

दिल्ली कैपिटल्स के बल्लेबाज केएल राहुल और पथुम निसांका। एजेंसी

टीम

दिल्ली कैपिटल्स : अक्षर पटेल (कप्तान), केएल राहुल, करुण नायर, डेविड मिलर, पथुम निसांका, साहिल पारख, पृथ्वी साव, अभिषेक पोरेल, ट्रिस्टन स्टब्स, समीर रिजवी, आशुतोष शर्मा, विपराज निगम, अजय मंडल, त्रिपुराना विजय, माधव तिवारी, औकिब नबी डार, नीतीश राणा, टी. नटराजन, मुकेश कुमार, दुष्मंथा चमीरा, लुंगिसानी एनगिडी, काइल जैमीसन, कुलदीप यादव।

पंजाब किंग्स : श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रियांश आर्य, पायला अविनाश, हरनूर सिंह, प्रभसिमरन सिंह, विष्णु विनोद, नेहल वढेरा, अजमतुल्लाह उमरजई, कूपर कोनोली, मार्को यानसन, मुशीर खान, मिचेल ओवेन, शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, सूर्यांश शेडगे, अर्शदीप सिंह, बार्टलेट, युजवेंद्र चहल, प्रवीण दुबे, बेन ड्वारशुइस, लॉकी फर्ग्यूसन, हरप्रीत बराड़, विशाल निशाद।

सचिन ने घर पर प्रशंसकों के साथ मनाया 53वां जन्मदिन

मुंबई। भारत के महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने शुक्रवार को अपना 53वां जन्मदिन अपने घर पर परिवार और विभिन्न आयु वर्ग के प्रशंसकों की मौजूदगी में मनाया। इस मौके पर उनकी पत्नी अंजलि भी उनके साथ मौजूद रहीं। मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर ने अपने आवास पर पहुंचे प्रशंसकों की तालियों और उत्साह के बीच केक काटा। उन्होंने इस दौरान अपनी तस्वीर वाली टी-शर्ट पहनी एक छोटी बच्ची को देखकर उसे गोद में भी उठा लिया, जिससे माहौल और भावुक हो गया। तेंदुलकर ने इससे पहले दिन की शुरुआत में सोशल मीडिया पर अपनी मां, पत्नी अंजलि और अपने पालतू कुत्ते के साथ एक तस्वीर साझा की। उन्होंने लिखा मेरी सुबह की परफेक्ट शुरुआत आई (मां), अंजलि और इस शरारती के साथ हुई। इससे बेहतर क्या हो सकता है। पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह ने तेंदुलकर के जन्मदिन के मौके पर आयोजित लीजेंड्स क्लब कार्यक्रम के दौरान उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं।

पत्नी अंजलि तेंदुलकर और फैंस के साथ जन्मदिन मनाते सचिन तेंदुलकर। एजेंसी

दी सफाई | मुंबई इंडियंस की लगातार हार पर बोले मुख्य कोच महेला जयवर्धने, थकान की आशंकाओं को किया खारिज

मुंबई को आत्मविश्वास, एकाग्रता व अनुशासन की जरूरत

मुंबई, एजेंसी

मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच महेला जयवर्धने ने सूर्यकुमार यादव और हार्दिक पंड्या जैसे प्रमुख खिलाड़ियों के टी20 विश्व कप में खेलने के कारण लेकर थकान की आशंकाओं को खारिज करते हुए कहा कि टीम लय और आत्मविश्वास हासिल करने पर ध्यान दे रही है।

मुंबई इंडियंस की टीम में सूर्यकुमार और हार्दिक के अलावा जसप्रीत बुमराह और तिलक वर्मा पिछले महीने आईसीसी टी20 विश्व कप का खिताब जीतने वाली टीम का हिस्सा थे, जबकि मिचेल सैंटेनर ने इस विश्व कप में न्यूजीलैंड की अगुवाई की थी और अनुभवी क्विंटन डिकॉक दक्षिण अफ्रीका टीम के अहम सदस्य थे। मुंबई इंडियंस को बृहस्पतिवार को चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ 103 रन की करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा, जो रनों के लिहाज से उसकी सबसे बड़ी हार है। यह टीम की सात मैचों में पांचवीं हार थी।

कप्तान हार्दिक पांड्या ने छह मैचों में केवल तीन विकेट लिए हैं और 97 रन बनाए हैं, जबकि सूर्यकुमार यादव सात मैचों में 156 रन ही बना सके हैं। वहीं, जसप्रीत बुमराह (2 विकेट) और तिलक वर्मा (181 रन) भी एक पारी को छोड़ दे तो खास प्रभाव नहीं छोड़ पाए हैं।

जयवर्धने ने मैच के बाद कहा, "मौजूदा दौर में सभी खिलाड़ी पेशेवर हैं। विश्व कप खेलने वाले कई खिलाड़ी ब्रेक के बाद आईपीएल में लौटे हैं। मुझे नहीं लगता कि खिलाड़ी खुद भी थकान को कारण मानेंगे। हमें लय और निरंतरता हासिल करनी है। यही हमारी सबसे बड़ी कमी रही है। गेंदबाजी में सुधार की जरूरत है, लेकिन बल्लेबाजी भी लगातार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई है। उन्होंने कहा, "हमें वह संतुलन ढूंढना होगा जहां हम मुकाबला कर सकें। हम अगर अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खेलें तो हमारे पास अच्छा मौका है, लेकिन अगले सात मैचों के लिए आत्मविश्वास, एकाग्रता और अनुशासन जरूरी है।

इस बीच न्यूज़ीलैंड के टी20 कप्तान मिचेल सैंटेनर को चोट के बाद स्कैन के लिए भेजा गया। उन्हें डाइव लगाकर कैच लेने के दौरान सिर, गर्दन और कंधे में चोट लगी थी। उनकी जगह कंकशन सब्स्टीट्यूट के रूप में शार्दुल ठाकुर को बल्लेबाजी के लिए उतारा गया। जयवर्धने ने कहा उसके सिर पर पहले चोट लगी, फिर गर्दन और कंधे पर। मैदान से वापस आने के बाद उसे चक्कर आने लगे, इसलिए उसने स्कैन करवाया। सैंटेनर ने डगआउट में कंधे के लिए बर्फ रखी थी, लेकिन उसे लगा कि उसकी हालत स्थिर नहीं है, इसलिए हम उसे स्कैन के लिए ले गए।

चेहरे पर हाथ रखकर अनोखे जश्न के पीछे कोई खास वजह नहीं : अकील हुसैन

चेन्नई सुपरकिंग्स की जीत में 17 रन पर चार विकेट लेकर अहम योगदान देने वाले अकील हुसैन ने कहा कि चेहरे पर हाथ रखकर उनके अनोखे जश्न के पीछे कोई खास वजह नहीं है। हर खिलाड़ी का अपना एक तरीका होता है। नूर अहमद का एक तरीका है, कुछ फुटबॉल खिलाड़ियों के भी अपने तरीके होते हैं, तो मैंने बस यही चुन लिया। इसके पीछे ज्यादा कुछ नहीं है, यह सिर्फ छोटी-छोटी सफलताओं का जश्न मनाने का तरीका है। हुसैन ने आगे कहा उन्हें पता था कि मुंबई के पास केवल पांच गेंदबाज हैं। उन्हें आखिरी ओवरों में एक ऐसे गेंदबाज का इस्तेमाल करना पड़ा, जिसका शुरू में ज्यादा उपयोग नहीं हुआ था।